सांध्य दैनिक

भारत मत

Web- www.bharatmatepaper.com

मौसम

	ग्वालियर	भोपाल
	अधि. 31.0	अधि. 27.0
	न्यून. 26.0	न्यून. 23.0

सिनेमा@पेज-07

■ ग्वालियर ■ झांसी ■ भोपाल से एक साथ प्रकाशित

भोपाल, मंगलवार 26 अगस्त 2025 भाद्रपद कृष्णपक्ष-3, संवत 2082, वर्ष-13 अंक-168 कुल पृष्ठ-8 मूल्य₹ 2.00

Email- editorbharatmat@gmail.com

न्यूज@ब्रीफ

हाई कोर्ट ने केंद्रीय सूचना आयोग पैनल के आदेश को किया खारिज

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ग्रेजुएशन डिग्री से संबंधित जानकारी का खुलासा करने के केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) के आदेश को दिल्ली हाई कोर्ट ने रद्द कर दिया। दिल्ली यूनिवर्सिटी ने केंद्रीय सूचना आयोग के आदेश को चुनौती दी थी। सीआईसी ने 2016 में दायर एक याचिका के आधार पर दिल्ली यूनिवर्सिटी को पीएम मोदी की ग्रेजुएशन डिग्री से संबंधित जानकारी का खुलासा करने का निर्देश दिया गया था। इस पूरे मामले पर सुनवाई करते हुए दिल्ली हाई कोर्ट के जज सचिन दत्ता ने कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय प्रधानमंत्री मोदी की स्नातक की डिग्री का विवरण प्रकट करने के लिए बाध्य नहीं है। दिल्ली विश्वविद्यालय की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दलील दी कि सीआईसी का आदेश रद्द किया जाना चाहिए क्योंकि निजता का अधिकार, जानने के अधिकार से ऊपर है।

एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला से लिपटकर रोईं मां

लखनऊ। एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला अंतरिक्ष यात्रा से लौटने के 41 दिन बाद लखनऊ पहुंचे। पत्नी कामना और 6 साल का बेटा किआंश भी साथ थे। एयरपोर्ट पर एस्ट्रोनॉट बनकर पहुंचे स्कूली बच्चों ने उनका वेलकम किया। उनका परिवार भी मौजूद रहा। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने शुभांशु को एयरपोर्ट पर रिसीव किया। शुभांशु का स्वागत करने के लिए एयरपोर्ट पर हजारों लोग तिरंगा लेकर पहुंचे थे। पूरा एयरपोर्ट ढोल-नगाड़ों और भारत माता की जय के नारों से गूंजता रहा। एयरपोर्ट से वे थार जीप पर सवार हुए। 10 किमी चलने के बाद थार से उतरकर रथ में सवार हो गए। फिर रोड शो करते हुए अपने बचपन के स्कूल पहुंचे। इस दौरान जगह-जगह उनका स्वागत हुआ।

पाकिस्तान और बांग्लादेश ने 6 समझौतों पर हस्ताक्षर किए

ढाका। पाकिस्तान और बांग्लादेश ने रविवार को 6 समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। इसमें ट्रेड, इकोनॉमी, डिप्लोमेटिक ट्रेनिंग, शिक्षा, मीडिया और संस्कृति के क्षेत्र में सहयोग को मजबूत करना शामिल है। ये समझौते पाकिस्तान के उप-प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री मुहम्मद इशाक डार और बांग्लादेश के विदेश सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन के बीच हुए। दरअसल, डार रविवार को दिवसीय दौरे पर बांग्लादेश पहुंचे थे। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने यात्रा को दोनों देशों के लिए महत्वपूर्ण कदम बताया। ये यात्रा 13 साल बाद पहली बार किसी पाकिस्तानी विदेश मंत्री का बांग्लादेश दौरा था। रिपोर्ट के अनुसार, दोनों देश सितंबर या अक्टूबर में संयुक्त आर्थिक आयोग की बैठक आयोजित करने की योजना बना रहे हैं, जो दो दशक बाद होगी। इसके लिए पाकिस्तान के वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब ढाका आ सकते हैं।

गाजा में हॉस्पिटल पर इजराइल का मिसाइल हमला

गाजा। गाजा के हेल्थ मंत्रालय के मुताबिक, सोमवार को दक्षिणी गाजा में नासर हॉस्पिटल की चौथी मंजिल पर इजराइली मिसाइल हमले में 15 लोगों की मौत हो गई, जिनमें तीन पत्रकार शामिल हैं। मरने वालों में अल जजीरा और रॉयटर्स के पत्रकार थे। हेल्थ मंत्रालय ने बताया कि यह हमला एक डबल-टैप हमला था, जिसमें लगातार दो मिसाइल हमले हुए। इससे रेस्क्यू का काम और ज्यादा खतरनाक हो गया। इजराइली सेना ने इस हमले पर अभी तक कोई बयान नहीं दिया है। हालांकि, इजराइल ने पहले अस्पतालों पर हमलों को यह कहकर जायज ठहराया है कि वहां हमास के आतंकवादी कमांड और कंट्रोल सेंटर चला रहे थे। हेल्थ मंत्रालय ने बताया कि इस जंग में अब तक 62,686 फिलिस्तीनी मारे जा चुके हैं। अनुमान के मुताबिक मरने वालों में लगभग आधे महिलाएं और बच्चे हैं।

वुडनस्ट्रीट ने यूनिकॉमर्स से मिलाया हाथ

मुंबई। वुडनस्ट्रीट ने अपने ऑर्डर और वेयरहाउस मैनेजमेंट सिस्टम को यूनिकॉमर्स के प्रमुख प्लेटफॉर्म यूनिवेयर के साथ इंटीग्रेट करने की घोषणा की है। यह साझेदारी वुडनस्ट्रीट को ऑर्डर को नजदीकी वेयरहाउस में असाइन कर डिलिवरी समय और लागत को कम करने में मदद करेगी। यूनिवेयर की मल्टी-पार्ट शिपमेंट सुविधा से एक ही ऑर्डर को कई शिपमेंट में बांटना संभव होगा, जिससे तेजी से डिलीवरी होगी। साथ ही यूनिकॉमर्स का मार्केटप्लेस रिकंसिलिएशन टूल यूनिरेको पेमेंट और रिटर्न प्रबंधन को ऑटोमेट करेगा, जिससे रेवेन्यू का सटीक ट्रैकिंग संभव होगा। वुडनस्ट्रीट के एक अधिकारी ने कहा कि यह साझेदारी उनकी ऑनलाइन ऑपरेशंस की दक्षता बढ़ाएगी।

भारतीय रुपया चार पैसे की गिरावट के साथ बंद हुआ

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया चार पैसे की गिरावट के साथ ही 87.56 पर बंद हुआ। सकारात्मक घरेलू संकेतों के बीच सुबह रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 18 पैसे मजबूत होकर 87.34 पर पहुंच गया। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 87.38 पर खुला और फिर बढ़त दर्ज करते हुए 87.34 प्रति डॉलर पर आ गया। यह शुक्रवार के बंद भाव 87.52 से 18 पैसे की मजबूती दिखाता है। इस मजबूती का प्रमुख कारण घरेलू शेयर बाजारों में जारी तेजी रही। बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 285.62 अंकों की बढ़त के साथ 81,592.47 पर पहुंचा, जबकि एनएसई निफ्टी 91.25 अंकों की तेजी के साथ 24,961.35 पर कारोबार कर रहा था। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डॉलर सूचकांक भी 0.15 फीसदी बढ़कर 97.86 पर आ गया, जो छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की मजबूती को दर्शाता है। वहीं, कच्चे तेल की कीमतों में भी मामूली बढ़त देखी गई। ब्रेंट क्रूड 0.10 फीसदी चढ़कर 67.80 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने मप्र को दी सौगात

धार, बैतूल, पन्ना, कटनी में खुलेंगे मेडिकल कॉलेज

उद्योग हकीकत ■ जबलपुर

जबलपुर के नेताजी सुभाष चंद्र बोस सांस्कृतिक सूचना केंद्र में सोमवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने प्रदेश के चार मेडिकल कॉलेज की शुरुआत के लिए एमओयू साइन किए हैं। पीपीपी मॉडल पर धार, बैतूल, पन्ना, कटनी में नए मेडिकल कॉलेज खुलेंगे। वहीं, श्योपुर और सिंगरौली मेडिकल कॉलेजों का ई-लोकार्पण किया है। श्योपुर में 305 करोड़ और सिंगरौली में 242 करोड़ की लागत से मेडिकल कॉलेज बने हैं। दोनों मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस की 100-100 सीटें मिलीं है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि चार मेडिकल कॉलेज को पीपीपी मोड में प्रारंभ करने वाले हैं। मैं आप सबको बधाई देता हूं। मप्र स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक नेतृत्व प्रदान कर रहा है। एक समय में यहां 5 मेडिकल कॉलेज होते थे। अब 17 शासकीय और 13 प्राइवेट मेडिकल कॉलेज खुले हैं। अब 4 और खुलने जा रहे हैं। स्वास्थ्य के बारे में बहुत चर्चा होती है। सामान्यतः लोगों को स्वास्थ्य के बारे में तभी पता चलता है जब उसके अस्पताल के चक्कर लगते हैं। पहले हेल्थ पॉलिसी ऐसी थी कि बीमार होने दो फिर इलाज करो।

2017 में नई हेल्थ पॉलिसी बनी। यह सभी आयामों को एक साथ जोड़ती थी। हमने पहली बार जोर दिया कि व्यक्ति बीमार ही न हो। इसके तहत हमने काम शुरू किया। आपने देखा होगा कि फिट इंडिया मूवमेंट, मोटापा से छुट्टी पाओ वगैरह।

एक साथ 200 सीट बढ़ना सपने की तरह

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सिंगरौली नाम है। आप शहर के शहर को ढूंढोगे तो मुझे नहीं लगता कि आपको सफलता मिलेगी। आपने ऐसे स्थान पर भी मेडिकल कॉलेज मंजूर कर दिया। यह आदिवासियों के प्रति आपकी सद्भावना है। ऐसे ही श्योपुर की आबादी एक लाख भी नहीं होगी। लेकिन, छोटे-छोटे स्थान पर आदिवासियों भाईयों के लिए यह कर दिया। आदिवासी भाई-बहन कोई कही भी हो उसके जीवन में कोई कष्ट आए तो हमारी सरकार पहले खड़ी है। ये कॉलेज उसी का परिणाम है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन ने कहा कि एक साथ 200 सीटें मेडिकल कॉलेज की बढ़ना एक सपने की तरह है। 2002-03 तक केवल 5 मेडिकल कॉलेज मिले थे। प्रदेश में सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल एक सपना था। अब एक-एक बीमारी को छांट-छांट कर चिकित्सा की व्यवस्था की है। 5 लाख तक का इलाज तो वास्तव में आश्चर्य की बात है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 70 साल से ऊपर कोई भी जाति समाज का हो उसका बीमा से इलाज हो रहा है। अगर चुनाव का टाइम छोड़ दो राज्य के 30 मेडिकल कॉलेज में से 5 हमने एक साल के अंदर चालू किए हैं। गरीब से गरीब आदमी की जान बचना चाहिए। हम एयर एंबुलेंस के बलबूते हमारे नागरिकों की मेडिकल सुविधाओं में वृद्धि करें।

हम 5 करोड़ माताएं और बच्चों को ट्रैक कर रहे हैं

जेपी नड्डा ने कहा कि आयुष्मान में डेंटल, मेंटल, सर्विक्स कैंसर, हाइपरटेंशन, ओरल कैंसर की स्क्रीनिंग शुरू की। मैं एक बात और शेयर करना चाहता हूं कि 2 करोड़ बच्चे साल में पैदा होते हैं। सवा दो करोड़ के आसपास माताएं प्रेग्नेंट होती है। यानी हम 5 करोड़ माताएं और बच्चों को ट्रैक करने का काम कर रहे हैं।

ट्रंप के टैरिफ पर पीएम मोदी ने दिया जवाब, कहा- दुनिया में आर्थिक स्वार्थ की राजनीति हो रही है

हम देश का अहित नहीं होने देंगे

अहमदाबाद ■ एजेंसी

दबाव कितना भी हो, झेलने की ताकत बढ़ाता जाएगा भारत

पीएम नरेंद्र मोदी ने अहमदाबाद में 5400 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास किया। यहां जनसभा में पीएम मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर, ट्रंप के टैरिफ के साथ ही कांग्रेस पर हमला बोला। टैरिफ को लेकर पीएम मोदी कहा दुनिया में आज आर्थिक स्वार्थ की राजनीति हो रही है। सब कोई अपना करने में लगा है। उसे हम देख रहे हैं। सरकार लघु उद्यमियों, किसानों, पशु पालकों का अहित नहीं होने देगी। दबाव कितना ही क्यों न हो, झेलने की ताकत बढ़ाते जाएंगे। उन्होंने कहा कि पूरे देश में गणेश उत्सव को लेकर अद्भुत उत्साह है। गणपति बप्पा के आशीर्वाद से आज गुजरात के विकास से जुड़ी कई परियोजनाओं का भी उद्घाटन हुआ है। यह मेरा सौभाग्य है कि आज मुझे देश की जनता को कई विकास परियोजनाएं समर्पित करने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि मानसून में गुजरात में कई इलाकों में भारी बारिश हुई। देश में भी एक के बाद एक आपदाएं आ रही हैं। मैं सभी प्रभावित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं। प्रकृति का यह प्रकोप पूरे देश, विश्व के लिए चुनौती बना है। केंद्र सरकार राज्यों के साथ राहत, बचाव कार्य में जुटी है। पीएम मोदी ने कहा कि गुजरात की धरती दो मोहन की धरती है एक सुदर्शन चक्र धारी द्वारिकाधीश और दूसरे चरखाधारी मोहन, हमारे महात्मा गांधी। भारत इन दोनों के दिखाए रास्ते पर चलकर सशक्त होता जा रहा है। श्रीकृष्ण ने हमें सिखाया कि देश समाज की रक्षा कैसे करें। उन्होंने सुदर्शन चक्र को न्याय व सुरक्षा का कवच बनाया, जो दुश्मन को ढूंढकर उसे दंड देता है। यही भाव आज भारत के फैसलों में देश-दुनिया अनुभव कर रही है।

हर क्षेत्र में गुजरात की पहचान बनी

गुजरात में पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि हर क्षेत्र में गुजरात की पहचान बनी है। देश का एक तिहाई निर्यात गुजरात से होता है। भारत सौर पवन और परमाणु ऊर्जा के मामले में आगे बढ़ रहा है। इसमें गुजरात की भागीदारी सबसे ज्यादा है। गुजरात ग्रीन एनर्जी और पेट्रो केमिकल का केंद्र बन रहा है। गुजरात में पुराने उद्योगों का विस्तार हो रहा है। गुजरात में बने मेट्रो कोच दूसरे देशों में जा रहे हैं। ईवी और सेमीकंडक्टर क्षेत्र में भी गुजरात आगे बढ़ रहा है।

कांग्रेस की समझ को क्या हुआ

पीएम मोदी ने कहा कि देश समझ नहीं पा रहा है कि कांग्रेस की समझ को क्या हुआ है। 60-65 साल देश पर शासन करने वाली कांग्रेस ने भारत को दूसरे देशों पर निर्भर रखा ताकि वो सरकार में बैठे-बैठे आयात में भी घोटाले कर सके। आज भारत ने आत्मनिर्भरता को विकसित भारत के निर्माण का आधार बना दिया है। किसानों, मछुआरों, पशुपालकों, उद्यमियों के दम पर भारत तेजी से विकास के रास्ते पर चल रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि मैं गांधी की धरती से कहता हूं कि मोदी के लिए जनता ही सर्वोपरि है। आत्मनिर्भर भारत अभियान को गुजरात से ऊर्जा मिल रही है। नौजवान पीढ़ी ने वो दिन नहीं देखे जो यहां आए दिन अशांति रहती थी। आज अहमदाबाद देश का सबसे सुरक्षित शहरों में से एक है। गुजरात में शांति और सुरक्षा वातावरण के परिणाम हम देख रहे हैं। गुजरात आगे बढ़ रहा है।

राजस्थान के सीकर में रेल-ट्रैक पर पानी, जयपुर-आगरा हाईवे डूबा, पटना में सड़कों पर पानी, नालंदा में बाढ़; यूपी के चंदौली में बांध टूटा

बाढ़ से हाहाकार...सेना तैनात

नई दिल्ली/भोपाल/लखनऊ ■ एजेंसी

राजस्थान के कई इलाकों में पिछले 2 दिन से भारी बारिश हो रही है। जयपुर, सीकर के कई इलाकों में पानी भर गया है। सीकर रेलवे स्टेशन पर ट्रैक डूब गया। उदयपुर में खेरवाड़ा-झाड़ोल मार्ग NH 927ý पर सोम नदी का पानी आने से रास्ता बंद है। जयपुर-आगरा नेशनल हाईवे पर 23 अगस्त से पानी भरा हुआ है। सवाई माधोपुर में बारिश के बाद करीब 50 फीट जमीन धंस गई। बिहार के पटना में सोमवार सुबह मूसलाधार बारिश हुई। इससे कुर्जी, पाटलिपुत्र कॉलोनी, पटना जंक्शन, गांधी मैदान, खेतान मार्केट, जेपी गंगा पथ समेत कई इलाकों में 2 से 3 फीट तक पानी भर गया है। वहीं, झारखंड में हो रही बारिश के कारण नालंदा में नदियों का जलस्तर बढ़ने बाढ़ के हालात हैं। यूपी में बारिश से चंदौली में घाघरा नदी पर बना मुसाहिबपुर बांध अचानक टूट गया। इसका पानी 5 गांवों में घुस गया है। फर्रुखाबाद का भुड़िया भेड़ा गांव गंगा नदी की बाढ़ से टापू बन गया है। इसके चलते लोग नाव से आ-जा रहे हैं। उत्तराखंड में यमुनोत्री नेशनल हाईवे लैंडस्लाइड की वजह से बंद हो गया है। यह भूस्खलन बाणस के पास हुआ, जिससे यातायात पूरी तरह प्रभावित हो गया है।

यमनोत्री हाईवे लैंडस्लाइड की वजह से बंद

उत्तराखंड में यमुनोत्री नेशनल हाईवे लैंडस्लाइड की वजह से बंद हो गया है। यह भूस्खलन बाणस के पास हुआ, जिससे यातायात पूरी तरह प्रभावित हो गया है।

राजस्थान के सिरोही में कार बही

राजस्थान के सिरोही में रपट पर सोमवार सुबह एक कार तेज बहाव में बह गई। वहां मौजूद लोगों ने क्रेन मंगवाकर कार में फंसे युवक को सुरक्षित बाहर निकाला। हालांकि पानी का बहाव इतना तेज था कि कार को निकालना संभव नहीं हो सका। चूरू के भानीपुरा में सोमवार को हुई बारिश से पिचकराई ताल गांव में जलभराव हो गया। इससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

ओडिशा में कानी नदी के किनारों में 30 मीटर की दरार

उत्तरी ओडिशा के बालासोर, भद्रक और जाजपुर ज़िलों के बड़े हिस्से उफान पर आई नदियों के कारण डूब गए हैं। सबसे ज्यादा प्रभावित बालासोर ज़िले में, सुवर्णरेखा नदी के उफान से बालीपाल, बस्ता, भोगराई और जेलेश्वर ब्लॉक डूबे हैं। जाजपुर के कसपा में अहियास बाजार के पास बैतरणी की सहायक नदी कानी के तटबंध में 30 मीटर की दरार आ गई है।

सीएम रेखा गुप्ता की जेड सिक्योरिटी वापस ली गई

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को दी गई जेड प्लस सिक्योरिटी सोमवार को हटा ली गई। 4 दिन पहले उन पर हमले के बाद यह सिक्योरिटी दी गई थी। यह फैसला वापस क्यों लिया गया, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। अब फिर से उनकी सुरक्षा की जिम्मेदार दिल्ली पुलिस को सौंपी गई है। इधर, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर हमले के मामले में रविवार को दूसरी गिरफ्तारी हुई। पुलिस ने बताया कि मुख्य आरोपी राजेशभाई खीमजीभाई सकरिया के सहयोगी तहसीन सैयद को अरेस्ट किया गया है।

राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर लगाया बड़ा आरोप, कहा

वोट चुराकर सत्ता में आई है सरकार, इसलिए युवाओं की परवाह नहीं

नई दिल्ली ■ एजेंसी

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) के प्रदर्शनकारी अभ्यर्थियों पर पुलिस के कथित बल प्रयोग की सोमवार को निंदा करते हुए इसे शर्मनाक करार दिया और आरोप लगाया कि मोदी सरकार को देश के युवाओं की चिंता नहीं है क्योंकि वह वोट चुराकर सत्ता में आई है। परीक्षा के बेहतर संचालन की मांग को लेकर एसएससी के छात्रों और शिक्षकों ने रविवार को रामलीला मैदान में विरोध प्रदर्शन किया। हालांकि, पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर लाठी चार्ज करने के विपक्षी दलों के दावों का खंडन किया है।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया, रामलीला मैदान में शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे एसएससी अभ्यर्थियों और शिक्षकों पर बर्बर लाठीचार्ज शर्मनाक ही नहीं, बल्कि एक डरपोक सरकार की पहचान है। उन्होंने कहा, युवाओं ने सिर्फ अपना हक मांगा था- रोजगार और न्याय। मिली क्या? लाठियां। राहुल गांधी ने आरोप लगाया, साफ़ है कि मोदी सरकार को न देश के युवाओं की चिंता है, न उनके भविष्य की। हो भी क्यों? यह सरकार जनता के वोटों से नहीं, बल्कि वोट चुराकर सत्ता में आई है। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधा और दावा किया, पहले वोट चुराएंगे, फिर परीक्षा चुराएंगे, फिर नौकरियां चुराएंगे, फिर आपका हक और आवाज - दोनों कुचल देंगे। राहुल गांधी ने कहा, युवाओं, किसानों, गरीबों, बहुजनों और अल्पसंख्यकों, आपका वोट इन्हें चाहिए ही नहीं, इसलिए आपकी मांगें कभी इनकी प्राथमिकता नहीं होंगी। अब वक्त है - डरने का नहीं, डटकर मुकाबला करने का।

खास भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा बोले

हमारे पास 11 महीने के निर्यात को कवर करने जितना विदेशी मुद्रा भंडार

नई दिल्ली ■ एजेंसी

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 11 महीने के व्यापारिक निर्यात को कवर करने के लिए पर्याप्त रूप से मजबूत है, इससे अर्थव्यवस्था को वैश्विक झटकों के खिलाफ सुरक्षा मिलेगी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने सोमवार को मुंबई में वार्षिक बैंकिंग सम्मेलन एफआईबीएसी 2025 में यह बात कही। उन्होंने कहा, हमारे पास बहुत मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार है, हमारे पास उपलब्ध नवीनतम आंकड़ों के अनुसार 695 बिलियन डॉलर है। यह 11 महीने के व्यापारिक निर्यात को कवर करने के लिए पर्याप्त है। यह ध्यान देने देने वाली बात है कि आरबीआई आमतौर पर विदेशी मुद्रा भंडार को आयात के आधार पर मापता है, निर्यात के आधार पर नहीं।

नियमों की समीक्षा के लिए बनेगा प्रकोष्ठ

भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने केंद्रीय बैंक के नियमों यानी विनियमों की समीक्षा के लिए एक नियामक समीक्षा प्रकोष्ठ बनाने की बात कही है। आरबीआई गवर्नर ने कहा है कि प्रस्तावित प्रकोष्ठ 5-7 वर्षों में कम से कम एक बार सभी विनियमों की समीक्षा करेगा। मुंबई में एक कार्यक्रम के दौरान बोलते हुए आरबीआई गवर्नर ने कहा कि केंद्रीय बैंक मूल्य स्थिरता व आर्थिक विकास के उद्देश्य से मौद्रिक नीति का संचालन जारी रखेगा।

विनियमित संस्थाएं ग्राहकों के लाभ के लिए प्रोद्योगिकी में करें निवेश

एफआईबीएसी 2025 के दौरान बोलते हुए गवर्नर मल्होत्रा ने कहा कि आरबीआई को उम्मीद है कि विनियमित संस्थाएं ग्राहकों के लाभ के लिए प्रौद्योगिकी में निवेश करेंगी। अस्थिर वैश्विक आर्थिक माहौल पर बोलते हुए भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि हमें इससे आगे बढ़ते हुए विकास की सीमाओं का विस्तार करने की जरूरत है। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने सोमवार को बैंकों और कंपनियों से एक साथ आने और निवेश चक्र बनाने के लिए उत्साह बढ़ाने को कहा। उन्होंने कहा कि देश अस्थिर वैश्विक आर्थिक माहौल से गुजर रहा है। वार्षिक बैंकिंग सम्मेलन एफआईबीएसी 2025 में अपने उद्घाटन भाषण में गवर्नर ने कहा कि आरबीआई उभरते क्षेत्रों सहित बैंक ऋण का विस्तार करने के उपायों की जांच कर रहा है। उन्होंने कहा, मैं इस बात पर ज़ोर देना चाहूंगा कि हम भले ही एक-दूसरे से विपरीत दिशा में खड़े नजर आते हों, जहां विनियमित संस्थाएं विकास को गति देने की कोशिश कर रही हैं और नियामक स्थिरता पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, लेकिन वास्तव में हमारे उद्देश्य एक ही हैं। हम एक ही टीम में हैं, और विकसित भारत के लिए हमारा एक ही साझा दृष्टिकोण है।

मल्होत्रा ने कहा कि हम वित्तीय स्थिरता को मजबूत करना जारी रखेंगे, यह हमारा प्राथमिक उद्देश्य है।

एफआईबीएसी 2025 में बोलते हुए गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि आरबीआई बैंक ऋण बढ़ाने के उपायों की जांच कर रहा है। भारतीय वाणिज्य व उद्योग महासंघ (फिक्की) और भारतीय बैंक संघ (आईबीए) संयुक्त रूप से 25 और 26 अगस्त 2025 को मुंबई के नरीमन पॉइंट स्थित होटल ट्राइडेंट में वार्षिक बैंकिंग सम्मेलन, एफआईबीएसी 2025 का आयोजन कर रहा है। एफआईबीएसी 2025 का प्रस्तावित विषय है- नए आयाम स्थापित करना। बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (बीसीजी) इस सम्मेलन का ज्ञान भागीदार है।

सड़क हादसा में 9 श्रद्धालुओं की मौत

बुलंदशहर ■ एजेंसी

यूपी के बुलंदशहर में श्रद्धालुओं से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली को कंटेनर ने पीछे से टक्कर मार दी। इससे ट्रैक्टर-ट्रॉली पलट गई। हादसे में मां बेटे सहित 9 श्रद्धालुओं की मौत हो गई। 42 घायल हैं। इनमें से 3 की हालत नाजुक है। मृतकों में 6 साल बच्चा, 5 पुरुष और 3 महिलाएं शामिल हैं। हादसा रविवार रात 2 बजे नेशनल हाईवे 34 पर अरनिया क्षेत्र के घटाल गांव के पास हुआ।

श्रद्धालु कासगंज से जाहरबीर (गोगाजी) के दर्शन के लिए राजस्थान के गोगामेड़ी जा रहे थे। पुलिस का कहना है कि श्रद्धालुओं ने ट्रॉली को डबल डेकर बना दिया था। ट्रॉली के बीच में लकड़ी लगाकर उसे दो हिस्सों में बांट दिया गया था, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग बैठ सकें। मुख्यमंत्री ने मृतक के परिवारों को 2-2 लाख रुपए और घायलों को 50-50 हजार आर्थिक सहायता देने के निर्देश दिए।

27 को श्रीगणेश चतुर्थी, दस दिवसीय उत्सव की धूमधाम शहर में प्रारंभ होगी

आज हरतालिका तीज...कल बप्पा का आगमन, 26 अगस्त को उदयातिथि में रखा जाएगा अखंड सौभाग्य का व्रत हरतालिका

भारतमत संवाददाता, भोपाल

अखंड सौभाग्य की प्रतीक हरतालिका तीज की तृतीया तिथि सोमवार दोपहर 12 बजकर 34 मिनट पर शुरू हो गई है और तिथि का समापन मंगलवार 26 अगस्त को दोपहर 1 बजकर 54 मिनट पर होगा। उदयातिथि के अनुसार हरलातिका तीज का अखंड व्रत 26 अगस्त को रखा जाएगा। वहीं 27 से श्रीगणेश उत्सव का शुभारंभ होगा।
शहर के शिवालयों और मंदिरों में हरतालिका तीज को लेकर विशेष तैयारियां की जा रही हैं। देवालयों में महिलाएं सामूहिक रूप से हरतालिका का पूजन आचार्यों और पंडितों के सान्निध्य में करेंगी। हरतालिका तीज व्रत का इंतजार सुहागिन महिलाएं सालभर से करती हैं। वहीं कुंवारी कन्याएं भी अच्छे वर की कामना लिए इस व्रत को करती हैं। धर्मशास्त्रों और पंचांगों के अनुसार भाद्रपद माह में शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को हरतालिका तीज मनाई जाती है।

इस दिन भगवान शिव की पूजा निराहार और निर्जल रहकर महिलाएं आस्था और श्रद्धा के साथ अपने पति की लंबी आयु और सुख-सौभाग्य की कामना करती हैं।
इस बार हरतालिका तीज पर ग्रहों की स्थिति बहुत उत्तम है। सर्वार्थसिद्धि, शोभन, गजकेसरी और पंचमहापुरुष योग इस दिन बन रहे हैं। इन चार योगों के बनने के कारण इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा विशेष फलदायी मानी जाएगी। इस दिन ग्रहों के उत्तम योग के कारण भगवान शिव की पूजा से धन, वैभव, सुख-समृद्धि आदि की प्राप्ति होगी।

बुधवार को श्रीगणेश स्थापना के साथ दस दिनी उत्सव

27 अगस्त बुधवार से गणेश महोत्सव की दस दिवसीय शुरुआत होगी। वहीं 6 सितंबर को गणेशजी की प्रतिमा का विसर्जन किया जाएगा। शहर में विभिन्न स्थानों पर गणेश प्रतिमाओं की बिक्री के लिए दुकानें लगना प्रारंभ हो गई है। इस बार प्रशासन की सख्ती और पर्यावरण संरक्षण के तहत मिट्टी की श्रीगणेश प्रतिमा स्थापित करने पर खासा जोर दिया जा रहा है। शहर में सार्वजनिक गणेश पंडाल भी विद्युत सज्जा से सजने शुरू हो गए हैं।

प्रतिमा स्थलों पर सीसीटीवी कैमरे लगवाना अनिवार्य-पुलिस कमिश्नर, सार्वजनिक क्षेत्रों में विजिबिलिटी बढ़ाई जाए

भारतमत संवाददाता, भोपाल

आने वाले त्यौहारों गणेश उत्सव, डोल ग्यारस तथा मिलाद उन नबी के दौरान शहर में शांति व सुरक्षा व्यवस्था बनाये रखने के मद्देनजर पुलिस कमिश्नर हरिनारायणाचारी मिश्र द्वारा कमिश्नर कार्यालय सभागार में सभी राजपत्रित अधिकारियों, थाना प्रभारियों की बैठक ली। उक्त बैठक में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अवधेश गोस्वामी, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त पंकज श्रीवास्तव, पुलिस उपायुक्त रियाज इक़बाल, पुलिस उपायुक्त जितेंद्र पवार, पुलिस उपायुक्त अखिल पटेल, पुलिस उपायुक्त संजय अग्रवाल, पुलिस उपायुक्त श्रद्धा तिवारी, पुलिस उपायुक्त सोनाक्षी सक्सेना, पुलिस उपायुक्त शशांक एवं समस्त अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, सहायक पुलिस आयुक्त एवं सभी थाना प्रभारी मौजूद रहे। बैठक में पुलिस आयुक्त द्वारा सभी थाना इलाको में स्थापित होने वाली प्रतिमाओं के संबंध में थाना प्रभारियों से जानकारी ली गई। इसके साथ ही चल समारोह, जुलूस मार्ग, विसर्जन स्थल, प्रतिमा-पंडाल सुरक्षा, आमजन की सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरा, लाईटिंग, जूलुस व्यवस्था, प्रतिमा विसर्जन घाट व्यवस्था, त्यौहार में नगर रक्षा समिति का सहयोग सहित अन्य बिन्दुओं पर भी चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

न्यूज ब्रीफ

कारों में आग लगाने वाला बदमाश गिरफ्तार

भोपाल। तलैया थाना पुलिस ने एक ऐसे आरोपी को गिरफ्तार किया है, जिसने 5 हजार की सुपारी लेकर क्षेत्र में स्थित गिन्नौरी में 22 दिन पहले एक सेंट्रो सहित अन्य कार में आग लगा दी थी। जांच में सामने आया की गिन्नौरी इलाके में ही रहने वाले एक युवक ने बाबई नर्मदापुरम के एक बदमाश को सुपारी देकर वाहनो में आग लगवाई थी। फिलहाल सुपारी देने वाला आरोपी फरार है, जिसकी पुलिस तलाश कर रही है। पुलिस के मुताबिक ढेरपुरा कमला पार्क तलैया निवासी ओसामा अली (43) ने 3 अगस्त को रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया था कि किसी अज्ञात बदमाश ने गिन्नौरी ढलान संजीवनी अस्पताल की बाउंड्री के पास खड़ी कारो में आग लगाई है।
आगजनी का प्रकरण दर्ज कर पुलिस ने आरोपी की पहचान जुटाने के लिये घटनास्थल के आसपास मकानों व रास्तों पर लगे करीब 125 सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। फुटेज में मिले संदिग्ध के सुराग के आधार पर पुलिस को 24 अगस्त को मुखबिर से सूचना मिली कि संजीवनी अस्पताल के पास सेंट्रो कार समेत अन्य वाहनों में आग लगाने वाला संदिग्ध खानूगांव चौराहे के पास दुकान पर बाइक लेकर खड़ा है। खबर मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दिखे संदिग्ध को हिरासत में लेकर पूछताछ की जिसमें उसकी पहचान बादशाह खान (30) निवासी खानूगांव कोहेफिजा के रूप में हुई। सख्ती से पूछताछ करने पर आरोपी ने दो अगस्त की रात गाड़ियों में आग लगाने की वारदात को अंजाम देना स्वीकार कर लिया। पुलिस ने आरोपी बादशाह खान को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोपी मूलरूप से बाबई का रहने वाला है और थाना बाबई जिला नर्मदापुरम में उसके खिलाफ बलात्कार व नकबजनी के प्रकरण दर्ज हैं।

करंट लगने से युवक की मौत मामले में केस दर्ज

भोपाल। बिलखिरिया थाना इलाके में चार दिन पहले करंट लगने से हुई एक युवक की मौत के मामले में पुलिस ने जांच के आधार पर पड़ोस में रहने वाले व्यक्ति के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। मर्ग जांच में सामने आया कि आरोपी पड़ोसी ने अवैध रूप से बिजली का कनेक्शन दूसरे व्यक्ति को दिया था, जिसके तार से करंट लगने से युवक की मौत हुई थी। मिली जानकारी के अनुसार मूलतः कर्नाटक का रहने वाला राहुल बघेल पुत्र देवीलाल (23) फिलहाल छावनी पठार बिलखिरिया में रहते हुए निजी काम करता था। 20 अगस्त को राहुल पास में रहने वाले अजय गौड़ के घर के पीछे से जा रहा था। इसी दौरान उसे बिजली के तार से करंट लग गया जिससे उसकी मौत हो गई थी। पुलिस ने मर्ग कायम कर कारणो की जांच शुरू की।
छानबीन में पता चला कि अजय गौड़ ने अवैध रूप से बिजली का कनेक्शन दूसरे व्यक्ति को दिया था, जिसके तार से राहुल को करंट लगा था। जांच के आधार पर अजय गौड़ के खिलाफ लापरवाही पूर्वक काम करने का मामला दर्ज किया गया है।

बाइक ने पैदल जा रहे युवक को लिया चपेट में

भोपाल। मिसरोद इलाके में बाइक की टक्कर से पैदल जा रहा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस के अनुसार मूलत-नरसिंहपुर का रहने वाला राकेश सिलावट (39) फिलहाल समरधा मिसरोद में रहता है। रात करीब साढ़े नौ बजे वह मंडीदीप से बस में बैठकर भोपाल आया था। राधापुरम मिसरोद में उतरने के बाद वह सर्विस रोड से पैदल जा रहा था, चिनार कॉलोनी गेट के पास पहुचंने पर उसे बाइक चालक ने टक्कर मारकर घायल कर दिया। राकेश पहले इलाज के लिये अस्पताल पहुचें और उपचार कराने के बाद वह परिवार के साथ अपने घर नरसिंहपुर चला गया था।

काम के दौरान कर्मचारी हुआ था घायल

भोपाल। शाहपुरा पुलिस ने एक दुकानदार के खिलाफ सुरक्षा में लापरवाही बरते जाने का प्रकरण दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार ट्रांसपोर्ट नगर कोकता में रहने वाला राजा अहिरवार (30) बावड़िया कला स्थित एक मार्बल दुकान पर काम करता है। बीती 13 अगस्त को दोपहर के समय राजा ग्रेनाइट लोड कर रहा था, इसी दौरान अचानक ग्रेनाइट फिसल गया जिसकी चपेट में आकर उसके सिर तथा चेहरे पर गंभीर चोट आई थी।

मप्र में यूरिया संकट- सरकार का दावा-पर्याप्त भंडारण...

हकीकत- प्रदेशभर के किसान परेशान, यूरिया के लिए रात तीन बजे से कतार में लग रहे किसान

टोकन के बाद भी नहीं मिल रही खाद, खाद की मारामारी, हो रही है कालाबाजारी

भारतमत संवाददाता, भोपाल

मप्र में खाद की किल्लत खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। आलम यह है की खरीफ सीजन में पहले किसान डीएपी के लिए परेशान होते रहे, अब यूरिया के लिए मारामारी हो रही है। सरकार का दावा है कि प्रदेश में खाद का पर्याप्त भंडारण है। जबकि हकीकत में किसान परेशान हैं। यूरिया के लिए किसान रात तीन बजे से कतार में लग रहे और टोकन के बाद भी खाद नहीं मिल रही है। इससे परेशान किसान धरना, प्रदर्शन और चक्काजाम करने को मजबूर हो रहे हैं। प्रदेश में खरीफ 2025 के लिए 36 लाख मीट्रिक टन से अधिक खाद वितरण का लक्ष्य रखा गया है, इसमें यूरिया की खपत 17.40 लाख मीट्रिक टन बताई जा रही है, एसएसपी के लिए 6.50 लाख मीट्रिक टन, डीएपी के लिए 7.50 लाख मीट्रिक टन, एमओपी के लिए 5 हजार मीट्रिक टन और एनपी के के लिए 86 हजार मीट्रिक टन की डिमांड है। इतना बड़ा अंतर होने के कारण किसानों को खाद नहीं मिल पा रहा है।
मप्र में खाद की भारी किल्लत हो रही है, रबी सीजन हो या खरीफ सीजन हर बार, हर साल किसान खाद के लिए मारामारी करता है, लंबी लाइन लगाता है, डंडे खाता है, कई दिन इंतजार करता है और नतीजा ये रहता है कि किसान को यदि खाद मिल भी जाती है तो उसे जितनी चाहिए उतनी नहीं, मजबूरन किसान दोगुने दामों में बाजार से खाद खरीदता है, इधर खाद व्यापारी भी कालाबाजारी करने से नहीं चूकते। इससे बड़ी विडंबना क्या होगी कि देश के लिए अन्न उगाने वाले अन्नदाता को समय पर पर्याप्त खाद नहीं मिल पाती।

करैरा में किया चक्काजाम

शिवपुरी जिले के करैरा कस्बे में सोमवार को यूरिया खाद वितरण व्यवस्था के विरोध में किसानों ने प्रदर्शन किया। किसान सुबह 4 बजे से ही करैरा कृषि मंडी में खाद के टोकन लेने पहुंचे थे। दोपहर तक टोकन नहीं मिलने पर उन्होंने पुलिस सहायता केंद्र के पास सड़क जाम कर दिया। प्रशासन ने 25 अगस्त से खाद वितरण शुरू करने की जानकारी दी थी। इसी कारण बड़ी संख्या में ग्रामीण सुबह से लाइन में लगे थे। लेकिन अव्यवस्था के कारण उन्हें टोकन नहीं मिल पाए। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने किसानों को पर्याप्त खाद उपलब्ध होने का आश्वासन दिया। इसके बाद किसानों ने जाम हटा दिया। कृषि विभाग के डीडीए पान सिंह करोलिया के अनुसार जिले में पर्याप्त यूरिया खाद उपलब्ध है। करैरा में हुई अव्यवस्था को तुरंत सुधार कर खाद वितरण शुरू कर दिया गया है। शनिवार को जिले में 1488 मैट्रिक टन यूरिया प्राप्त हुआ था। खाद वितरण की सूचना पर बड़ी संख्या में किसानों के पहुंचने से अफरातफरी का माहौल बन गया। दमोह में सोमवार सुबह किसानों ने खाद न मिलने के विरोध में सागर नाका क्षेत्र कृषि उपज मंडी के सामने सड़क जाम कर दिया। इस प्रदर्शन में महिला किसान भी शामिल हुईं।

17.42 लाख टन किया था आवंटन

मध्य प्रदेश में 140 लाख हेक्टेयर में खरीफ फसलों की बोवनी हुई है। पांच लाख हेक्टेयर मक्का का क्षेत्र बढ़ा है तो आठ लाख हेक्टेयर सिंचाई क्षमता में वृद्धि हुई है। इसे देखते हुए राज्य के प्रस्ताव पर भारत सरकार ने वर्ष 2025 खरीफ सीजन के लिए यूरिया का आवंटन 17.42 लाख किया था। इसमें से 16 अगस्त तक 11.88 लाख टन यूरिया मिल चुका है। अग्रिम भंडार को मिलाकर 13.87 लाख टन यूरिया किसानों को उपलब्ध कराया जा चुका है। 1.63 लाख टन यूरिया अभी समितियों के गोदाम में है, जो वितरित किया जा रहा है। डेढ़ माह में 5.60 लाख यूरिया और मिलेगा।

सीएम ने केंद्र से स्वीकृत आवंटन मांगा

मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार से यूरिया का स्वीकृत आवंटन जल्द उपलब्ध कराने की मांग की है। छिंदवाड़ा, अशोक नगर व राजगढ़ सहित अन्य जिलों में किसान खाद के लिए सुबह से लेकर रात तक सहकारी समितियों के गोदाम के बाहर लाइनें लगाकर खड़े हैं। कांग्रेस के प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने सवाल उठाया है कि जब खाद पर्याप्त है तो किसान खेत के स्थान पर गोदामों के बाहर क्यों खड़े हैं।

5.60 लाख मेट्रिक टन यूरिया मिलेगा

किल्लत के बची मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने यूरिया की उपलब्धता के संबंध में अहम बयान दिया। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 5.60 लाख मेट्रिक टन यूरिया प्राप्त होने की संभावना है। यह मात्रा आगामी डेढ़ माह में मिल जाएगी। सीएम ने बताया कि यूरिया का कुल भंडारण 15.60 लाख मेट्रिक टन है। इसमें से 13.92 लाख मेट्रिक टन यूरिया किसानों को वितरित की जा चुकी है और 1.68 लाख मेट्रिक टन यूरिया शेष है।

धरना, प्रदर्शन, आंदोलन के बाद भी खाद नहीं

मप्र में यूरिया की जबर्दस्त कमी है। इसके लिए प्रदेशभर के किसान परेशान हो रहे हैं। शिवपुरी, दमोह, मंडला, छिंदवाड़ा, रीवा, भिंड, खंडवा जैसे जिलों में खाद के लिए किसान रात 3 बजे से लाइन में लग रहे हैं तब भी मायूस होकर लौट रहे हैं। पिछले करीब एक महीने से यूरिया के लिए मारामारी मच रही है। किसानों ने इसके लिए धरना, प्रदर्शन, आंदोलन सब कुछ किया है पर यूरिया की जगह उन्हें सिर्फ आश्वासन और पुलिस की लाठियां मिल रहीं हैं। इससे प्रदेश के किसानों में खासी नाराजगी है। दरअसल, मप्र में खरीफ फसलों की बोवनी हो चुकी है। अब किसानों को सर्वाधिक जरूरत यूरिया की है, लेकिन इसकी कमी बरकरार है। जगह-जगह खाद लेने के लिए लाइनें लग रही हैं, लेकिन सरकार का दावा है कि यूरिया पर्याप्त है। अभी तक लगभग 13.87 लाख टन यूरिया का वितरण हो चुका है। देखा जाए तो यह पिछले वर्ष की तुलना में लगभग दो हजार टन कम है। वहीं, खाद की कमी को लेकर कांग्रेस धरना-प्रदर्शन कर रही है।

बेकाबू बाइक पेड़ से टकराई, इलाज कराकर लौट रहे युवक की मौत

भारतमत संवाददाता, भोपाल

नजीराबाद थाना इलाके में नर्मदापुरम रोड पर स्थित ग्राम बहरावल के पास तेज रफ्तार बाइक अचानक बेकाबू होकर पेड़ से जा भिड़ी। हादसे में बाइक चालक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया जिसे इलाज के लिये निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, वहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार नजीराबाद के ग्राम गनाखेड़ी में रहने वाला सुनील अहिरवार पुत्र रामप्रसाद (22) मेहनत-मजदूरी का काम करता था। वह किडनी की बीमारी से पीड़ित था। उसका इलाज चल रहा था। बीती 13 अगस्त की रात वह इलाज कराने के बाद बाइक से घर लौट रहा था। रात करीब साढ़े दस बजे बेरावन गांव के पास पहुंचने पर अचानक उसकी बाइक अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे लगे पेड़ से जा टकराई। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। परिजनों ने उसे इलाज के लिये एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया था। जहां बीते दिन उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। अस्पताल से मिली सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के बाद परिवार वालो को सौंप दिया है। फिलहाल पुलिस हादसे में आगे की जांच कर रही है।

दोबारा नौकरी पाने के लिये डब्ल्यूसीएल के बर्खास्त कर्मचारी ने लगाये जाली दस्तावेज

भारतमत संवाददाता, भोपाल

एमपी नगर पुलिस ने केंद्रीय मुद्रणानालय के रीडर की शिकायत पर एक बर्खास्त कर्मचारी और उसकी सहयोगी महिला अधिवक्ता पर धोखाधड़ी का मामला कायम किया है। आरोप है कि कर्मचारी को 2019 में किन्हीं कारणों के चलते बर्खास्त कर दिया गया था। दो साल बाद साल 2021 में में कर्मचारी ने दोबारा नौकरी पाने का प्रयास करते हुए नाम परिवर्तन के लिए आवेदन किया था। उसके द्वारा पेश किये गये दस्तावेज की जांच करने पर पता चला कि दस्तावेज कूटरचित है। रीडर ने दस्तावेज की कॉपी के साथ पुलिस को शिकायती आवेदन दिया था। आवेदन जांच के बाद पुलिस ने बर्खाशित कर्मचारी और उसकी परिचित महिला के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार संतोष रैकवार, केंद्रीय मुद्रणानालय में रीडर के पद पर पदस्थ हैं। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि केंद्रीय मुद्रणानालय में नौकरी करने वाले अमृत धोटे को बर्खाशित कर दिया गया था। वर्ष 2021 में अमृत धोटे ने अपनी परिचित रेखा जैन की मदद से नाम परिर्वतन का गजट नोटिफिकेशन और दस्तावेज प्रस्तुत किए। आवेदन में 23 जून 2021 का शपथ पत्र भी लगाया था। इसके आधार पर अमृत धोटे उर्फ मारुति धोटे के नाम परिवर्तन की सूचना राजपत्र में प्रकाशित की गई। बाद में पता चला कि धोटे को गलत नाम से नौकरी करने पर वेस्टर्न कोल्ड फील्ड लिमिटेड (डब्ल्यूसीएल) पाथाखेड़ा से 2019 में बर्खास्त किया गया था।

संतोष रायकवार की शिकायत पर कार्रवाई की गई

दस्तावेज की जांच की गई तो पता चला कि दस्तावेज नकली है। पुलिस ने इस मामले में करीब चार साल की लंबी जांच के बाद बर्खास्त कर्मचारी अमृत धोटे और आवेदन प्रस्तुत करने वाली एडवोकेट रेखा जैन के खिलाफ कूट रचित दस्तावेज तैयार कर धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक गवर्नमेंट प्रेस के संतोष रायकवार की शिकायत पर कार्रवाई की गई है। बताया गया कि 15 सितंबर 2021 को एडवोकेट रेखा जैन ने अमृत धोटे के नाम परिवर्तन के लिए आवेदन किया था।

एक्सीडेंट में घायल ने 22 दिन बाद अस्पताल में तोड़ा दम

भोपाल। मिसरोद थाना इलाके में बीते दिनों सड़क हादसे में घायल व्यक्ति की करीब 22 दिन चले इलाज के बाद अस्पताल में मौत हो गई। पुलिस ने टक्कर मारने वाले स्कूटर चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया था। घायल की मौत के बाद मामले में आरोपी चालक के खिलाफ धाराएं बढ़ा दी गई हैं। मिली जानकारी के अनुसार निशातपुरा में रहने वाले बद्रीप्रसाद (50) मिसरोद इलाके में आटा चक्की चलाते थे। बीती 3 अगस्त की रात करीब 8 बजे वह काम के बाद वापस घर लौट रहे थे। शनि मंदिर के पास सड़क पार करते समय एक दो पहिया वाहन चालक ने उन्हें टक्कर मारकर घायल कर दिया था। आसपास मौजूद लोगों की मदद से बद्रीप्रसाद को पहले नजदीक स्थित निजी अस्पताल पहुंचाया गया, बाद में परिवार वाले उन्हें दूसरे अस्पताल में ले गये थे, जहां उन्हें भर्ती कर उपचार किया जा रहा था।

नोटरी पर शादी करवाने वाले का प्रमाण पत्र निरस्त

भारतमत संवाददाता, भोपाल

नोटरी के जरिए शादी, निकाहनामा और लिव-इन रिलेशनशिप कराने पर राज्य शासन के आदेश पर नियुक्त नोटरी असगर खान का नोटरी प्रमाण पत्र निरस्त किया गया है। इसके साथ ही उन्हें नोटरी का व्यवसाय करने से भी वर्जित कर दिया गया है। इस मामले में विधि और विधायी कार्य विभाग ने 12 अगस्त को जांच करने का आदेश जारी किया था। भोपाल जिला न्यायालय के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश मनोज कुमार श्रीवास्तव ने जांच की थी। जांच और मध्यप्रदेश हाईकोर्ट के नोटरी पर शादी, निकाहनामा और लिव-इन रिलेशनशिप करने पर रोक के आदेश के आधार पर असगर खान का नोटरी प्रमाण पत्र निरस्त किया गया।
जानकारी के अनुसार असगर खान कुम्हारपुरा में पुरानी विधानसभा के सामने बैठते थे। गौरतलब है की इससे पहले भी इसी तरह के मामले में जून 2025 में नोटरी अधिवक्ता अशोक कुमार अग्रवाल का नोटरी प्रमाण पत्र निरस्त किया जा चुका है। उल्लेखनीय है की मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने नोटरी पर शादी या तलाक पर प्रतिबंध लगाया है। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट इंदौर ने 31 दिसंबर 2020 को नोटरी पर की जाने वाली शादी या तलाक के संबंध में आदेश जारी किया था। हाईकोर्ट का कहना था कि यदि कोई भी नोटरी वकील शादी या तलाक के दस्तावेजों का निष्पादन करता है, तो यह कानून के खिलाफ होगा। यहां यह बताना जरुरी है कि नोटरी विवाह अधिकारी नहीं होता है। शादी के एक साल के अंदर उसका रजिस्ट्रेशन नगर निगम में कराना जरूरी होता है। औरएक साल से अधिक समय बीत जाने पर इसका रजिस्ट्रेशन अतिरिक्त जिलादंडाधिकारी करता है।

ऑटो और बाइक की टक्कर से दो घायल

भारतमत संवाददाता, भोपाल

श्यामला हिल्स इलाके में जहां एक तेज रफ्तार ऑटो चालक ने स्कूटर सवार टक्कर मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। वहीं अयोध्या नगर इलाके में गलत दिशा से आ रही तेज रफ्तार बाइक चालक ने दो पहिया वाहन से जा रहे वृद्ध को अपनी चपेट में ले लिया। जानकारी के अनुसार तलैया इलाके में रहने वाले हमीद बेग (55) एक निजी संस्थान में खाना बनाने का काम करते हैं। 23 अगस्त की रात करीब 10 बजे वह काम के बाद वापस घर लौट रहे थे। प्रोफेसर कॉलोनी के पास तेज रफ्तार ऑटो चालक ने उनके दो पहिया वाहन को टक्कर मार दी, जिससे वह चलते वाहन सहित सड़क पर गिरकर घायल हो गए। पुलिस ने टक्कर मारने वाले आटो चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। उधर अयोध्या नगर पुलिस ने बताया की मिनाल रेसीडेंसी में रहने वाले अनिल कुमार (62) सेवानिवृत्त कर्मचारी हैं। 23 अगस्त की सुबह नौ बजे वह सामान खरीदने के लिये अपनी स्कूटर से मार्केट जा रहे थे। थोड़ी दूर जाने पर ही रांग साइड से आ रहे बाइक चालक ने उन्हें सामने से टक्कर मार दी। हादसे में अनिल कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए. उनका निजी अस्पताल में उपचार कराया गया।

खास

निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायन ने अधिकारियों की बैठक में दिए निर्देश

भगवान गणेश की प्रतिमाओं के एकत्रीकरण एवं विसर्जन हेतु समस्त व्यवस्थाएं बेहतर ढंग से समय से पूर्व सुनिश्चित करें

भारतमत संवाददाता, भोपाल

आगामी गणेश उत्सव एवं दुर्गा उत्सव के तहत भगवान गणेश व मां दुर्गा की प्रतिमाओं के विसर्जन हेतु सभी विसर्जन घाटों, कुण्डों पर समस्त व्यवस्थाएं बेहतर ढंग से समय से पूर्व सुनिश्चित कराने के दृष्टिगत निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायन ने निगम अधिकारियों की बैठक आहूत की और भगवान गणेश की प्रतिमाओं के एकत्रीकरण व विसर्जन आदि की समस्त व्यवस्थाओं को बेहतर ढंग से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए साथ ही प्रतिमा एकत्रीकरण स्थल एवं चल समारोह मार्गो तथा विजर्सन कुण्डों एवं आसपास बेहतर साफ-सफाई, प्रकाश, पेयजल व सड़कों की मरम्मत, सुरक्षा, क्रेन, फायर ब्रिगेड आदि सहित अन्य व्यवस्थाओं को भी निरंतरता के साथ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त नारायन ने दुर्गा उत्सव के दौरान मां दुर्गा की प्रतिमाओं के विसर्जन हेतु सभी व्यवस्थाएं समुचित ढंग से सुनिश्चित करने हेतु भी निर्देशित किया। बैठक में अपर आयुक्त टीना यादव, मुकेश कुमार शर्मा, वरूण अवस्थी, देवेन्द्र सिंह चौहान, हर्षित तिवारी, उपायुक्तद्वय दिनेश सिंह व चंचलेश गिरहरे, प्रभारी मुख्य अभियंता उदित गर्ग सहित निगम के अन्य अधिकारी मौजूद थे।

निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायन ने गणेश उत्सव एवं दुर्गा उत्सव के दौरान चल समारोह मार्गों, विसर्जन कुण्डों, विसर्जन घाटों पर आवश्यक मरम्मत एवं व्यवस्थीकरण कार्य भी समय से पूर्व सुनिश्चत करने, विसर्जन स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था हेतु सभी आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता व गोताखोरों के साथ ही क्रेन, फायर ब्रिगेड आदि की व्यवस्था भी बेहतर ढंग से सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

मां दुर्गा की प्रतिमाओं के विसर्जन की व्यवस्थाओं के संबंध में भी चर्चा की

निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायन ने सोमवार को माता मंदिर स्थित निगम कार्यालय में निगम अधिकारियों की बैठक आहूत कर आगामी गणेश उत्सव के तहत भगवान गणेश की प्रतिमाओं के एकत्रीकरण, विसर्जन हेतु निगम द्वारा की जाने वाली व्यवस्थाओं के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्राप्त की साथ ही मां दुर्गा की प्रतिमाओं के विसर्जन की व्यवस्थाओं के संबंध में भी चर्चा की। निगम आयुक्त नारायन ने निर्देशित किया कि गणेश उत्सव के तहत डोल ग्यारस से अनंत चतुर्दशी तक भगवान गणेश की प्रतिमाओं को एकत्र करने की व्यवस्था बेहतर ढंग से सुनिश्चित की जाए और भगवान गणेश की प्रतिमाओं को निर्धारित विसर्जन कुण्डोंघाटों पर ही विसर्जित कराया जाए साथ ही भगवान गणेश की प्रतिमाओं के एकत्रीकरण स्थलों, चल समारोह मार्गों, विसर्जन कुण्डोंघाटों के पहुंच मार्गों व उनके आसपास उच्च स्तरीय साफ-सफाई, प्रकाश, पेयजल आदि की व्यवस्था निरंतरता के साथ बनाए रखने और सभी स्थलों से पूजन सामग्री पृथक से एकत्र कर निष्पादन स्थल पर पहुंचाने की व्यवस्था सनिश्चित करने के निर्देश दिए।

शहर के रंगयाना मोहल्ले में मकान गिरने से एक की मौत दो गंभीर घायल

कलेक्टर श्रीमती चौहान मदद के लिये मौके पर पहुँचीं

भारतमत संवाददाता, ग्वालियर

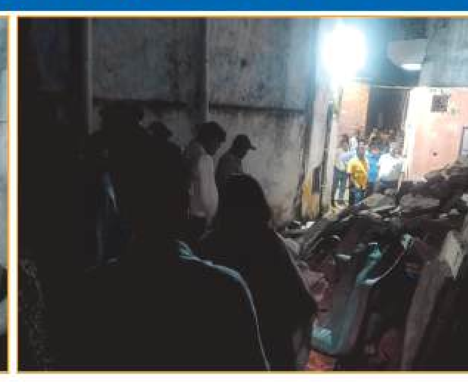

ग्वालियर उपनगर ग्वालियर में चार शहर का नाका स्थित रंगयाना मोहल्ले मे सोमवार के अपरान्ह में एक पुराना मकान अचानक गिर गया। इस घटना मे तीन लोग मलबे मे दब गए। इनमे से एक व्यक्ति की मृत्यु हो गई और दो व्यक्ति घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिये जिला प्रशासन व पुलिस की टीम द्वारा अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की सूचना मिलने पर कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान, अपर आयुक्त नगर निगम श्री प्रदीप तोमर, एसडीएम श्री नरेंद्र बाबू यादव सहित जिला प्रशासन की टीम मदद के लिये मौके पर पहुँची। मकान गिरने की सूचना मिलने पर जिला प्रशासन, पुलिस, एसडीआरएफ और नगर निगम का मदाखलत दस्ता भी मौके पर पहुँच गया। इस दल ने मलबे मे दबे लोगो को बाहर निकाला। इस घटना में एक व्यक्ति की मृत्यु हुई है एवं उसके पिता व बेटी घायल हुए हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने घायलों का बेहतर से बेहतर इलाज करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने प्रभावित परिवार को राजस्व पुस्तक परिपत्र के प्रावधानों के तहत जल्द से जल्द आर्थिक सहायता स्वीकृत करने के निर्देश दिए हैं।

केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री चौहान 26 अगस्त को ग्वालियर प्रवास पर

कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित हो रही 64वी अखिल भारतीय गेहूँ एवं जौ अनुसंधान कार्यकर्ता गोष्ठीमें होंगे शामिल

ग्वालियर केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान 26 अगस्त को ग्वालियर प्रवास पर आयेंगे। ग्वालियर प्रवास के दौरान कृषि मंत्री श्री चौहान राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय में ÷64वी अखिल भारतीय गेहूँ एवं जौ अनुसंधान कार्यकर्ता गोष्ठी÷ में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे। प्रदेश के किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री ऐंदल सिंह कंषाना भी इस आयोजन में शामिल होंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार केन्द्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान 26 अगस्त को प्रातः लगभग 9.50 बजे वायुमार्ग द्वारा राजमाता विजयाराजे सिंधिया एयर टर्मिनल महाराजपुरा पहुँचेंगे। यहाँ सड़क मार्ग द्वारा प्रस्थान कर प्रातः लगभग 10.25 बजे राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय के दत्तोपंत ठेंगड़ी सभागार पहुँचेंगे और ÷64वी अखिल भारतीय गेहूँ एवं जौ अनुसंधान कार्यकर्ता गोष्ठी÷ में शामिल होंगे। केन्द्रीय मंत्री श्री चौहान कृषि विश्वविद्यालय से प्रस्थान कर अपरान्ह 2.15 बजे विशेष विमान द्वारा ग्वालियर से दतिया एयर स्ट्रिप के लिये प्रस्थान करेंगे और वहाँ पहुँचकर सड़क मार्ग से आरएलबीसीएयू झाँसी (दतिया कैम्पस) जायेंगे। श्री चौहान यहाँ पर वेटनरी एण्ड क्लीनिक कॉम्प्लेक्स सह रेसीडेंसल एरिया का लोकार्पण करेंगे।

एचआरपी क्लीनिक लगाकर की गई 1780 महिलाओं की जांच

685 महिलाएं निकलीं हाईरिस्क गर्भवती

जिले के दो दर्जन सरकारी अस्पतालों में लगाई गई एचआरपी क्लीनिक

ग्वालियर जिले के दो दर्जन सरकारी अस्पतालों में सोमवार को एक साथ एच आर पी क्लीनिक लगाकर गर्भवती माताओं की जाँच की गई। इन क्लीनिकों पर 1780 गर्भवती महिलाओं की जांच की गई। इनमें से 685 महिलाओं को हाई रिस्क (अधिक जोखिम) गर्भवती माताओं के रूप में चिन्हित किया गया। इन महिलाओं को निर्धारित प्रोटोकॉल के तहत दवाएँ व उपचार उपलब्ध कराया गया। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत हर माह की 9 व 25 तारीख की चिन्हित स्वास्थ्य संस्थाओं में एचआरपी क्लीनिक लगाकर हाईरिस्क गर्भवती माताओं की जांच की जाती है।

ग्वालियर जिले में राज्य शासन के दिशा-निर्देशों के तहत कलेक्टर श्रीमती रुचिका सिंह चौहान के निर्देशन में मातृ एवं शिशु मृत्यु दर पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से सुव्यवस्थित ढंग से प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत हाईरिस्क गर्भवती

माताओं के चिन्हांकन व जांच के साथ-साथ उन्हें जरूरी स्वास्थ्य सेवायें मुहैया कराई जा रही हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सचिन श्रीवास्तव व जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दीपाली माथुर से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में सोमवार 25 अगस्त को लगाई गई एचआरपी क्लीनिक में 1780 गर्भवती महिलाओं की निःशुल्क सोनोग्राफी, हीमोग्लोबिन सहित खून की अन्य जांचे और यूरिन की जांच भी कराई गई। जाँच में 650 महिलाओं को हाई रिस्क गर्भवती माताओं के रूप में चिन्हित किया गया। इनमें से 16 महिलाओं को अस्पताल में भर्ती कराया गया। साथ ही 257 महिलाओं की अल्ट्रासोनोग्राफी जांच की गई। इस दौरान 153 महिलाओं को आयरन सुक्रोज इंजेक्शन लगाया गया। एचआरपी क्लीनिक में आई महिलाओं को फल और पौष्टिक आहार भी उपलब्ध कराया गया। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने चिन्हित हाई रिस्क गर्भवती माताओं का प्रसव होने तक लगातार फोलोअप कराने के निर्देश स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को दिए है।

इन संस्थाओं में लगाई गई एचआरपी क्लीनिक

जिला चिकित्सालय मुरार, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र हस्तिनापूर, भितरवार, मोहना, डबरा व दीनदयालनगर शामिल हैं। इसके अलावा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र उटीला, चीनौर, बीरपुर, आतरी, पिछोर व कुलैध, प्रसूति गृह माधौगंज व बिरलानगर, यूपीएचसी लक्ष्मीगंज, हुरावली, पंतनगर, ठाठीपुर, बहोड़ापुर, निम्माजी की खो व सिविल हॉस्पिटल हजीरा, सिविल डिस्पेंसरी जनकगंज व सिविल अस्पताल हेमसिंह की परेड शामिल हैं।

सिंधिया कन्या विद्यालय में पोलैंड के राजनयिक डॉ. पिओत्र ए. स्वितल्स्की का गरिमामयी आगमन

भारतमत संवाददाता, ग्वालियर

सिंधिया कन्या विद्यालय में प्रातः काल *एम्बेसी ऑफ़ द रिपब्लिक ऑफ़ पोलैंड डॉ. पियोत्र ए. स्वितल्स्की, सुश्री मार्ता कुशनिएर्स्का और अरुणांश गोस्वामी का आगमन हुआ। पियोत्र ए. स्वितल्स्की पूर्व में डेप्युटी फॉरेन मिनिस्टर ऑफ़ पोलैंड ,एम्बेसडर ऑफ़ यूरोपियन यूनियन टू अर्मेनिआ, परमानेंट रिप्रेजेन्टेटिव ऑफ़ पोलैंड टू द कौंसिल ऑफ़ यूरोप , डायरेक्टर फॉर पालिसी प्लानिंग कौंसिल ऑफ़ यूरोप सेक्रेटेरिएट,डायरेक्टर फॉर पालिसी प्लानिंग एट द पोलिश फॉरेन मिनिस्ट्री फॉर एशिया एंड द डायरेक्टर इन द एम.एफ.ए डिप्लोमेटिक एडवाइजर टू द ओ.एस.सी.ई के सेक्रेटरी जनरल रह चुके हैं। प्रधानाचार्या श्रीमती निशि मिश्रा द्वारा डॉ. स्वितल्स्की, सुश्री मार्ता कुशनिएर्स्का, और अरुणांश गोस्वामी* का पुष्पगुच्छों से हार्दिक स्वागत किया गया तथा स्मृति चिह्न प्रदान किए गए। इस अवसर पर *कोऑर्डिनेटर के रूप में करियर काउंसलर सुश्री उर्वशी पांडे* विशेष रूप से उपस्थित रहीं। डॉ. स्वितल्स्की को विद्यालय परिसर का भ्रमण किया, जिसके दौरान

उन्होंने संस्थान की विविध अभिनव पहलों का अवलोकन किया और उनके सामाजिक प्रभाव की सराहना की। प्रमुख पहलों में ' *संकल्प* '–ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाने हेतु समर्पित सैनिटरी पैड निर्माण परियोजना को देखा तथा विद्यालय की छात्राओं के प्रयासों की सरहाना की इसके उपरांत *डॉ. स्वितल्स्की* ने विद्यालय के *रोबोटिक्स लैब* का भ्रमण किया, जहाँ उन्होंने छात्राओं द्वारा निर्मित रोबोट का अवलोकन किया और उनकी तकनीकी दक्षता व नवाचार क्षमता की सराहना की।

इसके बाद उन्होंने वेस्टर्न म्यूज़िक कक्ष , नृत्य कक्ष ,तबला कक्ष, इंडियन म्यूजिक कक्ष का दौरा किया। *डॉ. स्वितल्स्की* ने छात्राओं की सामूहिक प्रतिभा, रचनात्मकता और सांस्कृतिक समर्पण की सराहना करते हुए विद्यालय की शैक्षिक और सह-पाठ्यक्रमीय उत्कृष्टता की प्रशंसा की। सभी प्रयासों को देखकर *डॉ. स्वितल्स्की ने* विद्यालय की नवाचार, सामाजिक उत्तरदायित्व और स्थिरता की भावना की सराहना की, जो शिक्षार्थियों को न केवल अकादमिक रूप से, बल्कि मानवीय दृष्टिकोण से भी समृद्ध बना रही हैं। तत्पश्चात *, डॉ. स्वितल्स्की ने कक्षा ग्यारहवीं और बारहवीं के छात्राओं के साथ इंटरैक्टिव सेशन किया उ* न्होंने अपने विशिष्ट करियर के अनुभव से, एक एम्बेसडर के जीवन को परिभाषित करने वाली चुनौतियों और अवसरों के बारे में गहन अंतर्दृष्टि साझा की। उन्होंने छात्राओं को उनके अच्छे करियर के लिए प्रेरित किया करियर बनाते समय आने वाली चुनौतियों से आगाह किया उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की ।

संपादकीय

टैरिफ़ वॉर

आज दुनिया 21 वीं सदी में प्रवेश कर रही है और 21वीं सदी की वैश्विक व्यवस्था में एक अजीब सा विरोधाभास उभर कर सामने आया है। एक ओर वैश्वीकरण का सपना जिसमें सीमाएं सिर्फ नक्शों तक सीमित हों और बाजारों की पहुँच हर कोने तक हो, वहीं दूसरी ओर टैरिफ वॉर जैसी घटनाएं जो उसी सपने की नींव में दरार डालने का काम कर रही हैं। वैश्वीकरण का युग बीसवीं सदी के उत्तरार्ध में जब शुरू हुआ, तो पूरी दुनिया जैसे एक साझा बाज़ार में बदलने लगी थी पर आज, तीसरे दशक की दहलीज़ पर खड़ी दुनिया यह देख रही है कि अमेरिका , चीन और भारत जैसे आर्थिक महाशक्तियों के बीच शुरू हुआ 'टैरिफ़ युद्ध' केवल दो देशों की बात नहीं रह गया बल्कि एक वैश्विक मानसिकता को दर्शाने लगा है, एक ऐसी मानसिकता, जो संरक्षणवाद की ओर लौटना चाहती है। अब लड़ाई टैंक और तोप से नहीं, शुल्क और आर्थिक प्रतिबंधों से लड़ी जाती हैं। यह युद्ध जितना चुपचाप चलता है, उतना ही गहरा असर छोड़ता है। कभी एक किसान के सपने पर, कभी एक मज़दूर की रोजी-रोटी पर और कभी एक छोटे व्यापारी की उम्मीदों पर। जब कोई देश उदाहरण के लिए अमेरिका, किसी अन्य देश जैसे चीन व भारत से ज्यादा आयात करता है और बदले में कम निर्यात तो व्यापार का घाटा बढ़ता है। इसे संतुलित करने के लिए टैरिफ़ लगाए जाते हैं लेकिन यह कहानी सिर्फ घाटे की नहीं है। इसमें राजनीतिक दबाव, तकनीकी वर्चस्व और बौद्धिक संपदा की लड़ाई भी शामिल है। अमेरिका का आरोप रहा है कि चीन न केवल अपनी मुद्रा को कृत्रिम रूप से सस्ता बनाए हुए है बल्कि वह अमेरिकी कंपनियों की तकनीक को भी संरक्षणहीन रूप से अपना रहा है। ऐसे में टैरिफ़ एक आर्थिक हथियार की तरह इस्तेमाल हुआ और यह केवल दबाव डालने के लिए, चेताने के लिए। वहीं, घरेलू राजनीति का भी इसमें रोल कम नहीं है। जब किसी देश के भीतर का उद्योग विदेशी प्रतिस्पर्धा से जूझ रहा होता है, तो टैरिफ़ एक तरह से उसे ٭संजीवनी٭ देने का उपाय माना जाता है। चुनाव आते हैं, वादे किए जाते हैं, और नीतियाँ बनती हैं। कहते हैं, हर नीति का एक चेहरा दिखता है और एक छिपा रहता है। टैरिफ़ वॉर भी कुछ ऐसा ही है। स्थानीय उद्योगों को राहत शुरुआती तौर पर कुछ घरेलू उद्योगों को इसका फायदा ज़रूर मिलता है। जैसे अमेरिका में स्टील उद्योग ने राहत की सांस ली जब चीनी स्टील पर शुल्क लगाया गया। सरकारी राजस्व में वृद्धि टैरिफ़ से सरकारी खज़ाने में कुछ पैसे आते हैं पर क्या यह आर्थिक स्थायित्व की कीमत चुका पाते हैं? उपभोक्ता पर भार , अंततः महंगे उत्पादों का भार आम आदमी पर ही पड़ता है। खासतौर पर उन पर जो अपनी आय का बड़ा हिस्सा आवश्यक वस्तुओं पर खर्च करते हैं। और सबसे महत्वपूर्ण है वैश्विक उत्पादन श्रृंखलाओं (ग्लोबल सप्लाई चेन) पर इसका असर। आज कोई भी वस्तु एक देश में पूरी नहीं बनती। कंप्यूटर चिप्स हों या मोबाइल फोन, वे कई देशों से गुज़रकर तैयार होते हैं। ऐसे में टैरिफ़ न केवल लागत बढ़ाते हैं, बल्कि उत्पाद की उपलब्धता को भी प्रभावित करते हैं। भारत ने इस वैश्विक उठा-पटक के बीच एक परिपक्व और संतुलित दृष्टिकोण अपनाया है। टैरिफ़ वॉर में सीधे कूदने के बजाय भारत ने संवाद और कूटनीति को तरजीह दी। चाहे WTO हो या द्विपक्षीय वार्ताएं, भारत ने अपने हितों की रक्षा समझदारी से की है। 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' जैसी पहलें सिर्फ़ नारे नहीं बल्कि दीर्घकालिक रणनीति हैं जिसका उद्देश्य है घरेलू उत्पादन को प्रोत्साहन देना और विश्व पटल पर एक मज़बूत विनिर्माण शक्ति के रूप में उभरना। साथ ही, भारत ने आयात पर आवश्यकतानुसार एंटी-डंपिंग ड्यूटी लगाई। यह व्यापार को अव्यवस्थित करने वालों के लिए एक चेतावनी रही, न कि युद्ध की घोषणा। टैरिफ़ वॉर एक अल्पकालिक राजनीतिक समाधान तो हो सकता है पर यह स्थायी आर्थिक शांति का रास्ता नहीं बन सकता। यह वह द्वार है, जो देशों को फिर से सीमाओं में कैद कर सकता है। यह समझना जरूरी है कि वैश्वीकरण केवल व्यापारिक लाभ का नाम नहीं है बल्कि यह एक साझा भविष्य की उम्मीद है। जब दुनिया के देश एक-दूसरे पर निर्भर होते हैं, तब एक देश की आर्थिक लड़खड़ाहट पूरी व्यवस्था को डगमगा सकती है। ऐसे में संवाद, सहयोग और विश्वास ही एकमात्र विकल्प हैं। टैरिफ़ दीवारें बनाते हैं, पर संवाद सेतु बनाता है। हमें दीवारों की नहीं, सेतुओं की ज़रूरत है। ताकि हम मिलकर एक बेहतर आर्थिक विश्व बना सकें। वैश्वीकरण में इसका असर सभी पर पड़ता है।

कटाक्ष > हसन जैदी

आम जीवन सरल बनाने में मदद कीजिए

अशोक मधुप

आज सबसे बड़ी परेशानी हैं बैंको में जाकर खाते की केवाईसी कराने की।बैंकों की केवाईसी के नाम पर बैंक खाताधारक को परेशान किया जा रहा है।हालत यह है कि केवाईसी करानी है, इसकी उसे सूचना भी नही मिलती। उसे उसके लिए बैंक की ओर से मैसेज भी नही आता। मेल आनी चाहिए। किंतु ऐसा हो नही रहा। वैसे प्रत्येक ट्रांजेक्शन के मैसेज आते रहते हैं। केबाईसी कराना है, इसका पता तब चलता है जब खातेधारक के चैक का भुगतान रोक दिया जाता है। वह पेमेंट नही कर पाता।

सरकारों का काम आदमी के जीवन को सरल बनाना है।तकनीक के माध्यम से उसे ऐसी सुविधांए देना है कि वह परेशान न हो, किंतु भारत में हो इसके विपरीत रहा है। उन्हें अलग -अलग काम के लिए थोड़ी- थोड़ी बात के लिए परेशान किया जा रहा है। उनके जीवन को दुरूह किया जा रहा है। आज सबसे बड़ी परेशानी हैं बैंको में जाकर खाते की केवाईसी कराने की।बैंकों की केवाईसी के नाम पर बैंक खाताधारक को परेशान किया जा रहा है।हालत यह है कि केवाईसी करानी है, इसकी उसे सूचना भी नही मिलती। उसे उसके लिए बैंक की ओर से मैसेज भी नही आता। मेल आनी चाहिए। किंतु ऐसा हो नही रहा। वैसे प्रत्येक ट्रांजेक्शन के मैसेज आते रहते हैं। केबाईसी कराना है, इसका पता तब चलता है जब खातेधारक के चैक का भुगतान रोक दिया जाता है। वह पेमेंट नही कर पाता ।भुगतान रोकने के कारण चैक जारी करने वाले पर संबधित बैंक या सस्थाएं चार सौ से आठ सौ रूपये तक का जुर्माना लगा देती है।मैंने पिछले साल ओरियंटल इंशोरेंस कंपनी को अपनी मेडिक्लेम पोलिसी के लिए चैक दिया। चैक बैंक गया तो भुगतान रूक गया। मैं बैंक गया। बैंक प्रबंधक ने खाता देखकर कहा कि खाता आपका जारी है। चैक का भुगतान कैसे रूका पता नहीं। उनके एक स्टाफ ने देखकर बताया कि खाता बंद किया हुआ है। बैंक प्रबंधक ने कहा कि अब सब कंप्यूटराइज है। हमें पता नही चलता और खुद जाता है। बैंक स्टाफ के पता है या नही । इससे खाताधारक को क्या लेना। मेरे से तो इंशोरेंस कंपनी ने चैक डिस ओनर होने के छह सौ रूपये अतिरिक्त वसूल लिए।मुझे तो फालतू का छह सौ रूपये का दंड़ पड़ गया।अभी लाकर आपरेट करने बैंक जाना पड़ा तो बैंक स्टाफ ने कहा कि इसकी केवाईसी कराईये। हमने कहा कि अभी खाते की तो कराई है। उनका कहना था कि बैंक लॉकर की भी करानी है। लॉकर बैंक के खाते से जुड़ा है, यह बताने पर भी बैंक कर्मी नही माने।यदि आपके पास चार- पांच बैंक खाते हैं तो प्रत्येक दो साल से केवाईसी कराने जरूर जाना होगा।अभी तक बैंक खाते चालू रखने के लिए केवाईसी करानी थी।अब बिजली विभाग के मैसेज आ रहे हैं, कि अपने कनेक्शन की ईकेवाईसी कराईए।आज जहां चारों ओर धोखे का जाल फैला है। ठग आपको फंसाने

में लगे हैं, ऐसे में किस मैसेज को सही माना जाए, किसे गलत यह कैसे पता चले। अभी परिवहन विभाग का मैसेज आया है कि आधार आथोराइजेशन माध्यम से अपने ड्राइविंग लाइसैंस पर अपना मोबाइल नंबर अपडेट कराइए। समझ नही आ रहा कि क्या- क्या कराएं। हम पर ये सब करना नही आता।इसका मतलब ये की रोज जनसेवा केंद्र पर जाइये। लाइन में लगिए और पैसा भी दीजिए। लगता है कि कहीं ये जनसेवा केंद्र की आय बढ़ाने के लिए तो नही किया जा रहा।अभी पिछले दिनों आदेश आया कि अपना आधार कार्ड प्रत्येक दस साल में अपडेट कराना है।मैं छोटे शहर में रहता हूं। यहां कि आबादी दो लाख के करीब है। पूरे शहर में आधार कार्ड अपडेट कराने का एक ही सैंटर है। मुख्य डाकघर। उसमें आधार कार्ड बनवाने वालों की सवेरे आठ बजे से लाइन लग जाती है।हम 75 साल से ऊपर के पति -पत्नी कैसे उस लाइन में लगें , ये कोई सोचने और बताने वाला नही है। दूसरे केंद्र का दरवाजा खुलने पर इस तरह धक्का-मुक्की होती है कि हम लाइन में लगे तो हाथ - पांव तुड़ाकर जरूर अस्पताल जांएगे।केंद्र सरकार / रिजर्व बैंक को आदेश करना चाहिए कि बैंक अपने यहां अतिरिक्त स्टाफ रखे। उसक कार्य सिर्फ खातेधारकों से समय लेकर उनके खातों की केवाईसे कराना हो।सरकार जिस तरह वोट बनवाती है। वोटर का वेरिफिकेशन कराती है। उसी तह से केवाईसी कराई जाए।इसके बैंक खाता धारकों को सुविधा होगी।केवाईसी कराने के लिए रखे जाने वाले युवाओं को रोजगार मिलेगा। यही काम राज्य की बिजली कंपनी कर सकती हैं। विभागीय मीटर रीडर माह में एक बार रीडिंग लेने उपभोक्ता के घर जाते हैं। वे ही उपभोक्ता से केवाईसी के पेपर लेले।मीटर रीडर को उपभोक्ता जानते हैं उन्हें पेपर देते किसी उपभोक्ता को परेशानी भी नही होगी।मीटर रीडर आफिस आकर इस कार्य में लगे स्टाफ को पेपर देकर केवाईसी कराए।हो यह रहा है कि संबधित विभाग बैंक/ बिजली अपना कार्य उपभोक्ता पर डाल उसके जीवन को कठिन बना रहे हैं, जबकि उन्हे अपने ग्राहकों को सुविधांए देनी चाहिए थीं। ऐसा ही आधार कार्ड अपडेट कराने के लिए व्यवस्था की जानी चाहिए। हां इसके लिए उपभोक्ता से थोड़ा बहुत चार्ज लिया जा सकता है।अभी एक मैसेज आया कि आपका इन्कमटैक्स का रिटर्न स्वीकार कर लिया गया है। मैंने अभी रिटर्न भरा नही, सो ये मैसेज बेटे को भेज दिया कि शायद उसने रिटर्न भरा हो। उसका जबाब आया कि पापा इस मैसेज के लिंक पर क्लिक मत करना । ये गलत लगता है। आज सबसे बड़ी समस्या है कि सही और गलत का कैसे तै हो।किसी न किसी तरह धोखे में लेकर रोज हजारों व्यक्ति रोज ठगे जा रहे हैं।इससे कैसे बचा जाए?ऐसे हालात में जीवन दुरूह होता जा रहा है। केंद्र और राज्य सरकारों को आम आदमी का जीवन को सरल बनाने के लिए काम करना चाहिए।

अपनी राय हमें इस मेल पर भेंजे-
vishwavarta.response@gmail.com

भारत बेरोजगार नहीं था, हमने खुद को बेरोजगार बना लिया

गोविंद तिवारी

भारत जैसे प्राचीन और गौरवशाली देश की जड़ें उसकी परंपराओं, संस्कृतियों और आत्मनिर्भरता में रही हैं। जब दुनिया के कई देश अस्तित्व की तलाश में भटक रहे थे, तब भारत अपने गांव-गांव में आत्मनिर्भर था। हर जाति, हर बिरादरी, हर समाज का एक निश्चित कार्य था और उसी के आधार पर जीवन चलता था। यही कारण था कि भारत को "सोने की चिड़िया" कहा जाता था। लेकिन आज स्थिति बिल्कुल उलट है। बेरोजगारी इतनी भयानक हो गई है कि हर घर में तनाव, बीमारी और भविष्य का भय पनप रहा है। सवाल यह है कि आखिर ऐसा क्यों हुआ? इसका उत्तर हमारे ही अतीत में छिपा है। और इस विषय पर मैं, गोविंद तिवारी राष्ट्रवादी चिंतन पत्रकार, अपने विचार आपके सामने रख रहा हूँ। पहले भारत के गांवों में हर बिरादरी आत्मनिर्भर थी। ब्राह्मण पंडिताई करते थे, यज्ञ करते थे, पूजा-पाठ, शिक्षा और विद्या का प्रसार करते थे। ठाकुर और क्षत्रिय समाज खेती, जमीन-जायदाद और रक्षा का कार्य संभालते थे। बनिया व्यापार करता था, राशन से लेकर सोना-चांदी तक का कारोबार उसके हाथ में था। लोहार भट्टी जलाता था, हल-बैलगाड़ी, औजार, कृषि के उपकरण और हथियार बनाता था। कुम्हार मिट्टी के बर्तन बनाता था, हंडिया-चुल्हा से लेकर घड़ा-दीया तक हर घर की जरूरत उसकी भट्टी से पूरी होती थी। हरिजन चमड़े का काम करते थे—जूता, साइकिल के सामान, बैलगाड़ी की मरम्मत, चप्पल सब उनके हाथ से निकलता था। धोबी कपड़े धोकर समाज को स्वच्छता देता था। नाई (हजाम) बाल-दाढ़ी बनाता था, संदेशवाहक का काम करता था, विवाह से लेकर अंतिम संस्कार तक हर अवसर पर उसकी अहम भूमिका होती थी। मल्लाह नाव चलाता था, लोगों को गंगा-पार कराता था, व्यापार के साधन उपलब्ध कराता था। गड़रिया बकरी और भेड़ पालकर ऊन और दूध की व्यवस्था करता था। यादव गाय-भैंस पालते थे, दूध-दही से समाज को पोषण देते थे। कहार डोली उठाते थे, यात्रा को सुगम बनाते थे। बुनकर (जुलाहा) करघा चलाते थे, वस्त्र बुनते थे और बनारसी साड़ी जैसी विश्वविख्यात धरोहर देते थे। मुसहर और नोनिया मेहनतकश मजदूर थे, खेती से लेकर मिट्टी के काम में उनका हाथ था। सोनार सोने-चांदी के गहने बनाता था, राजमिस्त्री घर और इमारत खड़ा करता था। गड़ेरिया और पासी अपनी मेहनत से समाज को रस और पोषण देते थे। संपूर्ण भारत का ताना-बाना ऐसे ही जुड़ा था। हर किसी का काम निश्चित था और इसीलिए भारत कभी बेरोजगार नहीं था। मैं, गोविंद तिवारी राष्ट्रवादी चिंतन पत्रकार, स्पष्ट कहना चाहता हूँ कि बेरोजगारी का असली कारण यह है कि हमने अपनी जिम्मेदारियां छोड़ दीं। हमने अपने पुश्तैनी कार्य को अपमान समझ लिया और सब राजनीति और नेतागिरी की दौड़ में लग गए। आज हर समाज अपने कार्य से दूर हो गया है। पंडित पंडिताई नहीं कर रहे, वेद-पुराण छोड़कर आरामतलबी में लग गए। ठाकुर खेती और रक्षा छोड़कर सियासत में उतर गए। यादव दूध-दही का कारोबार छोड़कर केवल वोटबैंक की राजनीति में व्यस्त हो गए। लोहार ने अपनी भट्टी ठंडी कर दी, कुम्हार ने अपना चाक रोक दिया। धोबी मशीनों और शहरी दिखावे के आगे हार मानकर बेरोजगार हो गया। नाई, बुनकर, कहार, सोनार, पासी, मल्लाह, गड़ेरिया, मुसहर, नोनिया, हरिजन—हर कोई अपने कार्य से विमुख हो गया। नतीजा यह हुआ कि लोग अपने पैरों पर खड़े होने की बजाय सरकार के सामने रोजगार मांगने लगे। जब अंग्रेज भारत आए तो उन्होंने सबसे पहले यही देखा कि यह देश आत्मनिर्भर है। हर बिरादरी अपने काम से खुश है। इसलिए सबसे पहले उन्होंने लोगों को उनके काम से विमुख किया। उन्हें आपस में लड़ाया, जातिगत विभाजन बढ़ाया और उनकी आजीविका छीन ली। यही कारण है कि आज हमारे बच्चे बेरोजगार हैं। पहले घर में बच्चा पैदा होता था तो उसके लिए पहले से ही एक रोजगार तय रहता था। पिता जो करता था, बेटा वही सीखता था और उसमें माहिर होकर आगे बढ़ता था। लेकिन अब देखिए, बच्चा पैदा होते ही तनाव में आ जाता है क्योंकि उसके पास न तो पुश्तैनी काम है और न ही कोई ठोस रोजगार। यही कारण है कि आज 17-20 साल की उम्र के नौजवान शुगर, बीपी, हार्ट अटैक और किडनी की बीमारी से जूझ रहे हैं। जब काम नहीं है तो तनाव होगा ही और तनाव से बीमारी भी होगी। गोविंद तिवारी राष्ट्रवादी चिंतन पत्रकार यह कहना चाहता है कि बेरोजगारी का असली समाधान यह नहीं है कि हम केवल सरकार से नौकरी मांगें। सरकार हर किसी को नौकरी नहीं दे सकती। असली समाधान यह है कि हम अपने-अपने काम पर लौटें। जो कुम्हार था वह कुम्हार बने, लेकिन इस बार आधुनिक तकनीक का उपयोग करे और मिट्टी के बर्तन को बड़े पैमाने पर मार्केटिंग करे। जो लोहार था वह अपने काम को कारखाने की तरह बढ़ाए। जो यादव था वह डेयरी उद्योग शुरू करे। जो ब्राह्मण था वह शिक्षा और संस्कार की व्यवस्था को आधुनिक रूप दे। जो बुनकर था वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कपड़े भेजे। हर बिरादरी अपने स्किल्ड कार्य को फिर से जीवित करे। अगर हम ऐसा करें तो बेरोजगारी कभी नहीं रहेगी। बल्कि भारत फिर से आत्मनिर्भर बनेगा और कोई भी किसी के सामने हाथ फैलाने की स्थिति में नहीं आएगा। लेकिन आज हम आपस में लड़ रहे हैं, राजनीति में उलझे हैं, जातिवाद में फंसे हैं और यही हमारी सबसे बड़ी गलती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम अपने पूर्वजों को याद करें। हमारे दादा-परदादा मेहनत करते थे, अपने कार्य में गर्व महसूस करते थे और संतोषी जीवन जीते थे। उन्हें न बीपी था, न शुगर, न हार्ट अटैक। वे तन से स्वस्थ और मन से प्रसन्न रहते थे। क्योंकि वे अपने काम को ईमानदारी से करते थे और आत्मनिर्भर थे। लेकिन आज हमने उनकी राह छोड़ दी है और इसलिए हम तनावग्रस्त और बेरोजगार हैं। मैं, गोविंद तिवारी राष्ट्रवादी चिंतन पत्रकार, पूरे समाज से अपील करता हूँ कि अपनी जिम्मेदारियां समझिए। जो काम आपके पूर्वजों का था, उसे छोटा मत समझिए। छोटे से शुरू कीजिए और बड़े स्तर तक बढ़ाइए। मिट्टी का दिया बनाने वाला कुम्हार आज इंटरनेशनल ब्रांड बना सकता है। लोहार बड़े पैमाने पर मशीनरी बना सकता है। यादव दूध-दही से डेयरी इंडस्ट्री खड़ी कर सकता है। धोबी आधुनिक लॉन्ड्री चला सकता है। नाई आधुनिक सैलून और ब्यूटी इंडस्ट्री खड़ी कर सकता है। हर बिरादरी के पास आज भी अवसर है, जरूरत सिर्फ आत्मविश्वास और संकल्प की है। अगर हम अपने काम की ओर लौटें तो न सिर्फ बेरोजगारी खत्म होगी बल्कि भारत फिर से विश्वगुरु बनेगा। यह समय राजनीति और आपसी लड़ाई में उलझने का नहीं बल्कि आत्मनिर्भर बनने का है। अपने बच्चों को स्किल्ड बनाइए, उन्हें पुश्तैनी कार्य का महत्व बताइए। तभी आने वाली पीढ़ियां खुशहाल होंगी। यही सच्चा राष्ट्रवाद है। यही सच्चा आत्मनिर्भर भारत है। और यही भारत का उज्ज्वल भविष्य है।

कविता

संजीव ठाकुर

आशिक़ी तुझ से शुरू वहीं खतम।

आशिकी तुझ से शुरू वहीं खतम ।
आ तुझे प्यारा सा एक नाम दूँ ।
उजाले दिन को हसीन शाम दूँ।
पैगाम है तेरे नाम न जाने कितने ,
इश्क में तेरे उन्हें रंगीन अंजाम दूँ ।
हकीकत बड़ी कठोर बेरहम ,
मौशिकी का तुझे इक जाम दूँ ।
आज मिले फिर जुदा भी होंगे
आके विदाई तुझे खुले-आम दूँ ।
अपने इश्क को यूं अमर करें हम,
तुझे अमृत का इक-इक जाम दूं।
आशिक़ी तुझ से शुरू वहीं खतम ।
तू बता संजीव इसे क्या नाम दूं।

आखिरकार संवेदनशील मन कलम को अपनी अभिव्यक्ति का अस्त्र बना लेता

निहारिका गौड़

एक व्यक्ति जैसा होता है वह केवल स्वयं से नहीं होता, उसके वैसा होने में उसका परिवार, मित्रगण, समाज और परिस्थितिया सब मिलकर उसकी पहचान स्थापित करते हैं। लेखिका का सफ़र भी ऐसा ही है। कठिनाइयां ज़िंदगी में जरूरी होती हैं। उनके सहारे ही आदमी स्वयं को जानता और पहचानता है और वस्तुस्थिति को समझता है। व्यक्ति में और परिस्थितियों में जब मेल नहीं होता, तभी कठिनाइयों का सामना होता है और कई प्रश्न उपस्थित हो जाते हैं कि व्यक्ति कैसे वर्तन करे कि स्थिति में उन्नति भी हो और अशांति भी न बढ़े। इस तरह कई पड़ावों को पार करते हुए आखिरकार संवेदनशील मन कलम को अपनी अभिव्यक्ति का अस्त्र बना लेता है। बाअदब नुक्ताचीनी लेखिका की प्रथम पुस्तक है, जो अलग अलग विषयों पर लिखे गए लेखों का संग्रह है। एक जिम्मेदार नागरिक होने के लिए संयत और संवेदनशील होना बहुत जरूरी है। अगर आप आने वाले कल को लेकर जागरूक नहीं, अगर आप आज के हालात के विषय में नहीं सोचते, तब कहां बची रह जाती है कोई संवेदना। पर हमारी लेखिका बहुत ही संवेदनशील हैं, जो बाअदब नुक्ताचीनी के द्वारा बीते हुए दिनों की सुखद स्मृतियों में खोते खोते वर्तमान जीवनशैली का भी सुख लेने लगती हैं, और धीरे से अवसर पाते ही गलत व्यस्था पर कटाक्ष भी करती हैं। लेखन का उद्देश्य स्वयं को सब में बाँट देना होता है, इससे उसको विलक्षण तृप्ति मिलती है। लिहाजा बाअदब नुक्ताचीनी लेखिका के लिए तृप्ति का साधन है। लेखिका अपनी गुजरती हुई ज़िंदगी के तमाम अनुभवों को, अनछुए पहलुओं को और अपने आस पास बिखरे न जाने कितने वाकयात को एक के बाद एक करके इस संग्रह में मोतियों की माला सी पिरोती चली गई हैं। स्थापित सामाजिक और सांस्कृतिक मान्यताएं और तकनीकी विकास के मायालाल में उलझती ज़िंदगी में हो रहे सुखद और दुखद परिवर्तनो को लेखिका अपने पैने अवलोकन से कागज़ पर उतारती चली जाती हैं। पहला ही लेख एक निरायास तरीके से हमारे सामने समूचे समकाल, या सही कहें तो 'वह 'तत्काल' जो किसी दुःस्वप्न सरीखा आंखों के सामने घट रहा है, अभी अतीत नहीं हुआ-उकेर देती है।' यह वह समकाल है जिसमें आत्माभिव्यक्ति के, निजता की अस्मिता के गिने-चुने स्पेस बाकी बचे हैं और वे भी सिकुड़ते-सिकुड़ते विलीन होते जा रहे हैं। सूचना तकनीकों में क्रांति के साथ संचार और संप्रेषण के नए उपकरणों की आमद से यह परिवेश बनना शुरू हुआ, जिसमें दृश्यों, सूचनाओं, संकेतों और ध्वनियों और लपलपाती रोशनियों का आधिक्य और शोर था। अधिकतर निरर्थक ही-और व्यक्ति के सपनों, आकांक्षाओं, कल्पनाओं के लिए, उसकी निजता के लिए जगह सिकुड़ रही थी। सूचना क्रांति और विकसित प्रविधि ने मिलकर जैसे एक विस्फोट सा कर दिया और संवेदनशील मन, सहजता, सरलता शायद कहीं खो सी गई। लेखिका ने हास्य की चाशनी में लपेट कर सारगर्भित संदेश देते हुए अपने हर लेख में व्यंग्य का भी समावेश किया है। भाषा को प्रवाहमय बनाए रखने के लिए लेखिका ने बोलचाल की भाषा को प्राथमिकता दी है जिससे आम पाठक के करीब आसानी से पहुंचा जा सके। भाषा संयमित होने के साथ हिंदी और उर्दू के सामंजस्य से सजी हुई है। संग्रह में पाठक वर्ग को जाने पहचाने चरित्र और करीब से गुजरे हुए हालात बखूबी नज़र आएंगे। लेखिका की अपनी शैली है और अभिव्यक्ति का अपना तरीका है जिससे पाठक वर्ग को आनंद आयेगा।

पुस्तक समीक्षा
लेखिका : निहारिका गौड़
पुस्तक : बाअदब नुक्ताचीनी
लेखिका : कुमकुम श्रीवास्तव
प्रकाशक : भावना प्रकाशन, नई दिल्ली
ISBN 978-81-8135-220-0
पृष्ठ संख्या : 159 मूल्य : 250/-

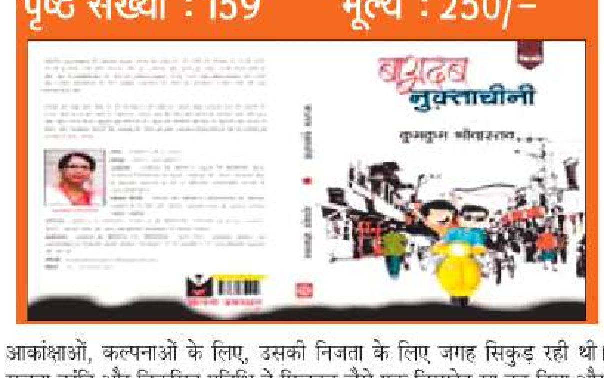

श्रम मनुष्य जीवन की शक्ति है

राजकुमार जैन राजन

मनुष्य एक विचारशील प्राणी है।भगवान ने उसे बुद्धि दी है, अतः विचार और चिंतन उसका नैसर्गिक स्वभाव है। अपने प्रति सकारात्मक चिंतन और दिव्यदृष्टि के साथ किया गया श्रम जीवन की सफलता व सार्थकता के लिए आवश्यक होता है। व्यक्ति जैसा सोचता है,वैसा ही उसका व्यवहार होता है। सोच ही स्वप्न बनाता है।ऊँची सोच और ऊँचे सपनों के साथ सही तरीके से किया गया श्रम हमें लक्ष्य तक पहुंचता है। हमारी सोच हमारी समस्त गतिविधियों की प्रेरणा है। भाग्यवाद के सहारे जीने वाले लोगों का जीवन रुक सा जाता है। प्राचीन समय मे हमारे देश में ऋषि तथा कृषि परम्परा को बहुत महत्व दिया जाता था। छोटे बच्चों को शिक्षा-दीक्षा के लिए गुरुकुल भेजा जाता था। वहाँ पर उन्हें जीवन की संपूर्ण विद्या से संस्कारित करने के साथ कठोर श्रम भी करवाया जाता था, जिससे कि वे अपने जीवन में सर्वांगीण विकास कर सके। भारत शुरू से ही कृषि प्रधान देश रहा है मेहनतकश किसान दिन-रात धरती के सीने पर हल जोतकर धरती से सोना उगाते है। जैसे-जैसे विज्ञान का विकास होता गया वैसे-वैसे देश में नई संभावनाएं उजागर होती गयीं। उस समय के प्रसिद्ध गणितज्ञ आर्य भट्ट ने शुन्य की खोज करके खगोलीय गणित को सरल कर दिया। भारत के प्रतिष्ठित जीव वैज्ञानिक डॉ. हर गोविंद खुराना ने 'क्रोमोसोम' में जीन संरचना की महत्वपूर्ण खोज की। यह सार्थक श्रम का ही परिणाम है कि आज का भारत शिक्षा और तकनीकी क्षेत्र में लगातार आगे बढ़ रहा है। भारतीय नागरिक खेल, विज्ञान, साहित्य, राजनीति, सैन्य,चिकित्सा, कला आदि सभी क्षेत्रों में अग्रिम पंक्ति में खड़े दिखते हैं। बस, जरूरत है हम अपने श्रम और पुरुषार्थ को सम्यक दिशा दें। श्रम ही मनुष्य जीवन का सच्चा सौंदर्य है। संसार में प्रत्येक प्राणी सुख चाहता है। संसार-चक्र सुख की प्राप्ति के लिए चल रहा है। संसार का यह चक्र यदि एक क्षण के लिए रुक जाए तो प्रलय हो सकती है। जीवन एक प्रयोग है, नित नए प्रयोग करते रहो, अनुभवों का विस्तार करो और नवजीवन, नवसृष्टि का सृजन करो। इसी परिवर्तन और परिश्रम का नाम जीवन है। हम देखते हैं कि निर्गुणी व्यक्ति गुणवान हो जाते है; मूर्ख बड़े-बड़े शास्त्रों में पारंगत हो जाते हैं; निर्धन धनवान बनकर सुख व चैन की जिंदगी बिताने लगते हैं । यह किसके बल पर होता है ? सब श्रम के बल पर ही न ! 'श्रम' का अर्थ है- तन-मन से किसी कार्य को पूरा करने के लिए प्रयत्नशील होना। गिरकर उठना और उठकर पुनः अपने लक्ष्य की ओर चल पड़ना ही कामयाब जीवन का राज है। जिस व्यक्ति ने श्रम के बल पर आगे बढ़ने की चेष्टा की, वह निरंतर आगे बढ़ा। मानव-जीवन की उन्नति का मुख्य साधन श्रम है । जो मनुष्य जितना अधिक श्रम करता है, उसे जीवन में उतनी ही अधिक सफलता मिलती है।हर व्यक्ति के जीवन मे ऊँच-नीच आती है। कोई ऐसा इंसान नहीं है, जो इस जिंदगी में दुख नहीं झेलेगा या जिसे कभी सुख नहीं मिलेगा। आरोह-अवरोह के बीच जिंदगी झूलती रहती है- खुशी और गम के लम्हों के बीच। दुर्भाग्य अथवा बुरा भविष्य सिर्फ उन्हीं के लिए है जो प्रयत्न-पुरुषार्थ को छोड़कर ज्योतिष तंत्र-मंत्र आदि में विश्वास करता है। संपूर्ण संसार पुरुषार्थ व प्रयत्न प्रधान है न कि भाग्य प्रधान। परिश्रमी व्यक्ति के लिए कोई कार्य कठिन नहीं । इसी श्रम के बल पर मनुष्य ने प्रकृति को चुनौती दी है- समुद्र लाँघ लिया, पहाड़ की दुर्गम चोटियों पर वह चढ़ गया, आकाश का कोई कोना आज उसकी पहुँच से दूर नहीं है। वस्तुतः परिश्रम का दूसरा नाम ही सफलता है । सब यही चाहते हैं कि अपनी जिंदगी को अच्छे तरीके से जियें।इस जिंदगी को सफलता, सद्गुणों और सकून से जियें।एक ऐसी जिंदगी जियें जिसमें औरों की जिंदगी भी कुछ बेहतर बना सकें। देश और समाज के लिए कुछ कर सकें।इसके लिए सार्थक श्रम की महत्ता समझना अत्यंत आवश्यक है। श्रम दो प्रकार का होता है- शारीरिक और मानसिक। शरीर द्वारा किया गया श्रम शारीरिक कहलाता है । यह व्यायाम, खेल-कूद, कल-कारखानों में निर्माण तथा कार्य के रूप में प्रकट होता है । शारीरिक श्रम मनुष्य को निरोग, प्रसन्नचित्त और हृष्ट-पुष्ट बनाता है। मानसिक श्रम मनुष्य का बौद्धिक विकास करता है। दोनों का समन्वय ही जीवन में पूर्णता लाता है । अतः जीवन की सफलता श्रम पर निर्भर है। अपना श्रम नैतिक मूल्यों पर होना चाहिए। विकास की धारा नैतिक पुरुषार्थ के माध्यम से आगे बढ़ती है तो आने वाली अनेक पीढ़ियों को प्रेरणा देती है। यूनान के डिमास्थनीज को पहले बोलना तक नहीं आता था, परंतु आगे चलकर अपने श्रम के बल पर वह एक उच्च कोटि का विश्व विख्यात वक्ता बन गया । राइट बंधुओं ने जब जहाज उड़ाने की बात सोची थी तब सबने उनका उपहास उड़ाया था, लेकिन वे विचलित नहीं हुए । वे निरंतर प्रयत्न करते रहे। अंत में उन्हें श्रम का फल मिला। श्रम जीवन की शक्ति है।राणा प्रताप और शिवाजी ने अपनी मातृभूमि को स्वतंत्र कराने के लिए कितना श्रम किया ? सुभाषचन्द्र बोस व महात्मा गांधी ने निरंतर प्रयत्न कर सदियों से गुलामी की जंजीरों में जकड़े भारत को स्वतंत्र कराया। अब्दुल कलाम इसी श्रम व लगन के बूते मिसाइल मेन कहलाये।जार्ज वाशिंगटन, अब्राहम लिंकन आदि की उन्नति का श्रेय श्रम को ही जाता है। ईश्वरचंद्र को 'विद्यासागर' कहलाने का गौरव श्रम के कारण ही प्राप्त हुआ। श्रम का इतिहास मानव के प्रादुर्भाव से जुड़ा है। मानव सभ्यता के जन्म के साथ ही वह सुख-शान्ति की प्राप्ति के लिए नये-नये कार्य करता रहा।अक्सर देखा जाता है कि विफलता मिलने पर लोग श्रम का त्याग कर देते हैं, मगर कामयाबी उन्हें ही मिलती हैं जो निरंतर प्रयास जारी रखते हैं. आलसी और अकर्मण्य इंसान कभी सफल नहीं हो सकता। अभागा वह नहीं है जिसका आनेवाला कल संघर्षपूर्ण है और वह श्रमशील है, बल्कि अभागा वह है जिसमें श्रम के प्रति विश्वास समाप्त हो गया। हीनता का भाव व्यक्ति के मनोबल को तोड़ता है।तब उसके प्रयत्न या तो दुर्बल हो जाते हैं या उसका पुरुषार्थ व संघर्ष समाप्त हो जाता है। श्रम का महत्ता बताते हुए गांधीजी ने कहा था- 'जो अपने हिस्से का परिश्रम किए बिना ही भोजन करते हैं, वे कामचोर हैं ।'

एक नजर

प्रोफेसर खान को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत

सोनीपत। सुप्रीम कोर्ट ने अशोका यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद को बड़ी राहत देते हुए उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर पर कार्रवाई रोक दी है। यह मामला उनके सोशल मीडिया पोस्ट से जुड़ा है, जो 'ऑपरेशन सिंदूर' के संबंध में किया गया था। सुनवाई के दौरान हरियाणा पुलिस ने कोर्ट को बताया कि एक एफआईआर में क्लोजर रिपोर्ट दाखिल कर दी गई है, जबकि दूसरी में चार्जशीट दायर की गई है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने क्लोजर रिपोर्ट वाली एफआईआर को रद्द कर दिया और दूसरी एफआईआर पर जिला मजिस्ट्रेट को संज्ञान लेने से रोक दिया। इस फैसले से प्रोफेसर महमूदाबाद को फिलहाल राहत मिल गई है।

संत प्रेमानंद आरिफ की किडनी नहीं लेंगे

वृंदावन। संत प्रेमानंद महाराज ने इटारसी निवासी आरिफ खान चिश्ती की किडनी लेने से इनकार कर दिया है। महाराज की तरफ से कहा गया है कि ऐसी भावनाएं सांप्रदायिक सद्भाव को बढ़ावा देती हैं। यह मानवता की राह पर चलने का उदाहरण है लेकिन वे आरिफ की किडनी नहीं ले सकते। प्रेमानंद महाराज ने आरिफ को मिलने के लिए वृंदावन बुलाया है। वह यहां आरिफ को सम्मानित करेंगे। दरअसल, इटारसी में न्यास कॉलोनी निवासी आरिफ खान चिश्ती ने कलेक्टर सोनिया मीणा के जरिए 20 अगस्त को प्रेमानंद महाराज को पत्र लिखा था। उनको ई-मेल और व्हाट्सएप पर मैसेज भी भेजा था। इसमें लिखा था- प्रेमानंद महाराज हिंदू-मुस्लिम एकता के प्रतीक हैं। वे समाज में प्रेम और शांति का संदेश देते हैं। मीडिया से पता चला कि महाराज की दोनों किडनियां खराब हैं इसलिए मैं अपनी एक किडनी उनको दान करना चाहता हूं। बता दें कि प्रेमानंद महाराज किडनी की ऑटोसोमल डोमिनेंट पॉलीसिस्टिक बीमारी से पीड़ित हैं। उनकी दोनों किडनी फेल हो गई हैं।

हिमाचल सीएम के खिलाफ प्रिविलेज मोशन

शिमला। हिमाचल प्रदेश के सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू के खिलाफ धर्मशाला से भाजपा विधायक सुधीर शर्मा ने प्रिविलेज मोशन लाये हैं। सुधीर शर्मा ने सीएम पर सदन में बार-बार झूठ बोलने के आरोप लगाए हैं। उन्होंने इसे लेकर विधानसभा अध्यक्ष को पत्र लिखा है। इस पर विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने कहा कि सुधीर ने पत्र लिखकर दिया है। हम उसे एक्जामिन कर रहे हैं। नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। वहीं सुधीर ने पत्र में लिखा, साल 2025-26 के बजट भाषण में सीएम ने 25 हजार युवाओं को रोजगार देने की बात कही थी। पिछले साल मानसून सत्र में बताया कि 34 हजार से ज्यादा को रोजगार दिया गया है। इस साल स्वतंत्रता दिवस पर मुख्यमंत्री ने 23 हजार को रोजगार देने की बात कही। इसी तरह सुधीर ने प्रिविलेज मोशन के साथ कई अन्य मसलों पर भी सीएम पर झूठ बोलने का आरोप लगाया।

रील बना रहा युवक झरने में बहा

कोरापुट। ओडिशा के कोरापुट जिले में डुडुमा झरने पर रील शूट करने पहुंचा युवक पानी के तेज बहाव में बह गया। 22 साल का सागर टुडु यूट्यूबर था। वह गंजाम जिले के बेरहामपुर का रहने वाला था। घटना रविवार दोपहर की है। सागर अपने दोस्त अभिजीत बेहरा के साथ झरने पर पहुंचा था। वह अपने यूट्यूब चैनल के लिए टूरिस्ट प्लेस की वीडियो-रील शूट करता था। झरने का ड्रोन शॉट लेने के लिए सेटअप लगाया। इसके बाद सागर पानी में उतर गया। सागर बड़े पत्थर पर खड़ा था, तभी झरने का बहाव तेज हो गया। इलाके में तेज बारिश होने के कारण माचकुंडा डैम अथॉरिटी ने यहां पर पानी छोड़ था। इसका अलर्ट भी जारी किया था। बहाव तेज होने के कारण सागर वहां फंस गया। किनारे खड़ा सागर का दोस्त और अन्य लोग उसे बचाने के लिए रस्सी लेकर पहुंचे, लेकिन तब तक तेज बहाव में सागर बह गया। यह पूरी घटना मोबाइल वीडियो में रिकॉर्ड हुई। कुछ सेकेंड बाद ही सागर पानी में गायब हो गया।

लुधियाना के गुरुद्वारा में बेअदबी की घटना

लुधियाना। लुधियाना के श्री गुरुद्वारा साहिब में बेअदबी की घटना सामने आई है। एक महिला ने श्री गुरु ग्रंथ साहिब के समक्ष अपने कपड़े उतारकर फेंक दिए। वहां अरदास करने पहुंचे लोगों ने किसी तरह उसे रोकने की कोशिश की, लेकिन वह नहीं मानी और हंगामा करती रही। इसके बाद संगत ने मौके पर जाकर महिला को काबू किया। महिला ने यह हरकत अपने पति के सामने की। घटना श्री गुरुद्वारा साहिब में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई। इसका वीडियो सामने आने के बाद संगठन अकाली दल (वारिस पंजाब दे) के सदस्य जसवंत सिंह चीमा की शिकायत पर थाना साहनेवाल की पुलिस ने आरोपी महिला के खिलाफ धारा 298 बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि अभी तक यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि महिला ने ऐसा क्यों किया। शुरुआती जांच में चाबियां चोरी होने का मामला सामने आया है। जिसको लेकर महिला पर शक था। फिलहाल, रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

मणिमहेश यात्रा में ऑक्सीजन की कमी से तीन मरे

भरमौर। हिमाचल प्रदेश के मणिमहेश में बीती रात में दो और आज सुबह एक श्रद्धालु की मौत हो गई। तीनों श्रद्धालुओं की जान मणिमहेश यात्रा के दौरान ऑक्सीजन की कमी से गई है। इनके शव पोस्टमॉर्टम के लिए भरमौर लाये जा रहे हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है। मृतकों की पहचान पंजाब के पठानकोट के अमन (18), रोहित (18) और गुरुदासपुर के अनमोल (26) के तौर पर हुई है। अमन और रोहित के परिजनों को सूचित कर दिया गया है। परिजनों के पहुंचने के बाद भरमौर में पोस्टमॉर्टम करवाया जाएगा। इसके बाद शव परिजनों को सौंपे जाएंगे। अमन को बीती रात को कमल कुंड से रेस्क्यू किया गया और गौरीकुंड में मौत हो गई, जबकि रोहित की मौत कुगती ट्रैक पर ऑक्सीजन की कमी से हुई है। वहीं अनमोल की मौत धंचो में आज सुबह 10 बजे हुई। माउंट ट्रेनिंग और एनडीआरएफ की टीम दोनों के शवों को भरमौर ला रही है।

बांग्लादेश में इस साल 306 लड़कियों का रेप

ढाका। बांग्लादेश में 2025 के शुरुआती 7 महीनों में 306 लड़कियों का रेप किया गया। जबकि पिछले साल इस तरह के कुल 234 मामले दर्ज किए गए थे। यानी इस साल के शुरुआती 7 महीने में ही पिछले साल से रेप के 72 ज्यादा मामले दर्ज हो चुके हैं। यह जानकारी मानवाधिकार संगठन ऐन ओ सलिश सेंटर ने दी है। इस साल सबसे ज्यादा मामले मार्च (106) और अप्रैल (64) में दर्ज किए गए। इसके अलावा, 129 लड़कियों के साथ रेप की कोशिश की गई।

राजधानी में सोमवार को लोक भवन में ऐतिहासिक Axiom-4 मिशन के सफलतापूर्वक संचालन एवं अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से कुशल वापसी के बाद देश के सपूत, अंतरिक्ष यात्री एवं ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के लखनऊ आगमन पर नागरिक अभिनंदन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सम्मानित किया। इस दौरान उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक व केशव प्रसाद मौर्य के साथ अन्य गणमान्य लोगों ने शिरकत किया।

जो मोमेंटम हमने बनाया, वह हमारी स्पेस जर्नी बढ़ायेगा

स्पेस में पहली बार पहुंचने पर शरीर में होते हैं कई तरह के बदलाव : शुभांशु

भारतमत संवाददाता

लखनऊ। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से सफल मिशन पूरा कर लौटे लखनऊ के गौरव ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उनके सरकारी आवास पर शिष्टाचार भेंट की। शुभान्शु शुक्ला हाल ही में भारत लौटे हैं और पहली बार सोमवार को अपने गृह प्रदेश उत्तर प्रदेश आए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने उन्हें मिशन की सफलता के लिए बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मुख्यमंत्री आवास पर पत्रकारों से अनौपचारिक चर्चा करते हुए शुभांशु शुक्ला ने शुभांशु ने हाऊ द जोश के साथ शुरुआत की। उन्होंने कहा कि आज मेरे लिए बहुत डिफरेंट फीलिंग है। आप सबने जो कुछ किया उसके लिए आभार। मैं उतना टैलेंटेड नहीं हूं जितना आप लोग हो। आप लोग भी भविष्य में बहुत तरक्की करोगे। मैं पिछले 1 साल से काम कर रहा था। मुझे सही समय पर सही

अब समझ में आया मुस्कुराइये कि आप लखनऊ में हैं का मतलब

अपॉर्च्युनिटी मिली। मुझसे किसी ने नहीं पूछा की स्टेशन पर क्या किया। सबने यही पूछा कि आप एस्ट्रोनॉट कैसे बने। मैं बहुत खुश हूं मुझे बहुत सप्राइज मिले। मुझे घर वापस आकर बहुत खुशी मिली।

शुभांशु ने कहा, "जिस तरह का उत्साह और जिस तरह का एक्साइटमेंट मुझे देखने को मिला है, उससे मैं सच में बहुत कृतज्ञ महसूस कर रहा हूँ। ऐसा लग रहा है जैसे मैं घर वापस आया हूँ, और यह बहुत अच्छा लगा। यहाँ आकर जिस तरह का एक्साइटमेंट देखने को मिला और जिस तरह का प्यार व सपोर्ट लोग दिखा रहे हैं, उससे मैं बहुत खुश हूँ। मुझे गर्व है कि मेरे एक मिशन के जरिए इतना उत्साह क्रिएट हो पाया है। इस बात से मैं और भी प्रोत्साहित हूँ कि जो मोमेंटम हमने बनाया है, वह हमारी स्पेस जर्नी को और आगे बढ़ाने में, जहाँ हम पहुँचना चाहते हैं वहाँ पहुँचने में, निश्चित ही बहुत मदद करेगा।"

ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने अंतरिक्ष में बिताए अपने पलों को साझा किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि जब आप पहली बार स्पेस स्टेशन पर पहुंचते हैं तो पहली बार आपका शरीर माइक्रोग्रेविटी का एक्सपीरियंस शेयर करता है। आपके शरीर में बहुत सारे बदलाव आते हैं। आपके शरीर का पूरा ब्लड सिर में आ जाता है, जिससे आपका सिर बड़ा हो जाता है। आपका हार्ट स्लो हो जाता है क्योंकि उसको ग्रेविटी के अगेंस्ट काम नहीं करना है। आपके पेट में जो भी होता है, वह भी फ्लोट करने लगता है। इसे आप समझ नहीं पाते हैं कि आपके अंदर क्या चल रहा है। आपको भूख नहीं लगती है। बहुत सारे चैलेंजेस होते हैं। मुझे लगता है कि हम ऐसी जगह लाइफ को सस्टेन कर रहे हैं, जहां लाइफ सस्टेन होनी नहीं चाहिये। वहां का वातावरण है कि वैक्यूम है, तापमान काफी हाट है और हवा बिल्कुल भी नहीं है। इसके सबके बाद भी ह्यूमन इंजीनियरिंग का कमाल है कि इसके बाद भी वहां पर लाइफ को सस्टेन कर पा रहे हैं। इसी डॉयरेक्शन में भारत अपनी जर्नी पर है। जब हम अपना पहला मिशन लॉन्च करेंगे, तो दुनिया के चौथे राष्ट्र होंगे, जिसके पास ये कैपेबिलिटी होगी।

ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने कहा कि जिस तरह से उनका लखनऊ में स्वागत हुआ, वह वास्तव में दिल्ली से दोगुना है। यहां के स्नेह और प्यार को देखकर आज वास्तव में समझ में आया कि मुस्कुराइए, आप लखनऊ में हैं का असली मतलब क्या है।

यहां पर केवल आज ही दो हजार से ज्यादा सेल्फी ली गई। उन्होंने कहा कि मेरे मिशन के बाद देश में जो मोमेंटम बना, उसकी शुरुआत यहीं उत्तर प्रदेश से की जाए। यहां जो पीछे बच्चे बैठे हैं उनके लिए मेरा मैसेज है कि वर्ष 2040 तक आप में से कोई न कोई पर मून पर जरूर जाएगा। इस कंप्टीशन में मैं भी उनके साथ होऊंगा।

239 लोगों समेत गायब हो गया विमान

22 दिन पहले तस्मानिया से भरी थी उड़ान

भारतमत संवाददाता

केनबरा। मलेशियाई फ्लाइट एमएच370 आपको याद ही होगी। 8 मार्च, 2014 को कुआलालंपुर से बीजिंग के लिए रवाना हुई यह फ्लाइट अचानक लापता हो गई थी। विमान में 239 लोग सवार थे। दस साल से ज्यादा समय बीत जाने के बाद दुर्घटना का कारण आज भी एक रहस्य बना हुआ है। अब ऑस्ट्रेलिया में हुई एक घटना ने इस विमान की यादें ताजा कर दी हैं। यहां दो लोगों और उनके कुत्ते को लेकर जा रहा एक यात्री विमान 2 अगस्त 2025 से लापता है। 22 दिन बीत जाने के बाद भी विमान का कोई सुराग नहीं मिल पाया है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक विमान में 72 वर्षीय ग्रेगरी वॉन, उनकी 66 वर्षीय पार्टनर किम वार्नर और उनका कुत्ता मौली सवार थे। विमान को ग्रेगरी ही चला रहे थे। फ्लाइट ने बीते 2 अगस्त को तस्मानिया के जॉर्जटाउन हवाई अड्डे से दोपहर लगभग 1 बजे उड़ान भरी थी। रिपोर्ट के मुताबिक विमान को पहले विक्टोरिया ले जाया गया और फिर वे न्यू साउथ वेल्स के हिलस्टन एयरपोर्ट के लिए रवाना हुए थे। लेकिन बास स्ट्रेट के ऊपर विमान अचानक गायब हो गया।

जानकारी के मुताबिक जब शाम तक भी विमान से कोई सूचना नहीं मिली, तो परिवार ने अलार्म बजाया। इसके बाद खोज शुरू की गई। ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों ने उत्तरी तस्मानिया, बास स्ट्रेट और विक्टोरिया में कई हेलीकॉप्टरों, नावों और जहाजों की मदद से तलाशी शुरू की। हालांकि 22 दिनों के बाद भी अधिकारियों को कोई सफलता नहीं मिल पाई है। उन्हें न तो कोई मलबा मिला है और न ही एक्सीडेंट के कोई संकेत। वहीं विमान से कोई इमरजेंसी संकेत भी नहीं भेजे गए थे, जिसे लेकर हैरानी जताई जा रही है। तस्मानिया पुलिस के इंस्पेक्टर निक क्लार्क ने बताया है कि वॉन एक अनुभवी ऑपरेटर था। ऐसे में किसी भी इमरजेंसी कॉल या आपातकालीन संकेत न दिए जाने से पुलिस इसके गायब होने के कारणों को समझ नहीं पा रही है। फिलहाल मामले की जांच जारी है।

सुप्रीम कोर्ट को जल्द मिल सकते हैं दो नये जज

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने सोमवार को दो नए जजों को सुप्रीम कोर्ट में प्रमोट करने की सिफारिश की है। कॉलेजियम ने इसके लिए बॉम्बे हाईकोर्ट के वर्तमान मुख्य न्यायाधीश जस्टिस आलोक अराधे और पटना हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस विपुल एम पंचोली के नामों की सिफारिश की है। गौरतलब है कि इन जजों की नियुक्ति के साथ ही सुप्रीम कोर्ट में अधिकतम जजों (34) की संख्या पूरी हो जाएगी। फिलहाल उच्चतम न्यायालय में 32 जज नियुक्त हैं।

नामों की सिफारिश करने वाले इस पांच सदस्यीय कॉलेजियम में सीजेआई गवई, जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस बीवी नागरत्ना शामिल हैं। कॉलेजियम ने सोमवार दोपहर को हुई बैठक में इन जजों के नामों को मंजूरी दी है। नियुक्त होने के बाद जस्टिस पंचोली मई 2031 में जस्टिस जॉयमाल्या बागची के रिटायर होने के बाद 16 महीने के कार्यकाल के लिए भारत के मुख्य न्यायाधीश बनने की सूची में होंगे।

जस्टिस पंचोली का जन्म मई 1968 में अहमदाबाद में हुआ था। वे सितंबर 1991 में वकील बने थे और गुजरात हाईकोर्ट में अभ्यास शुरू किया था। अक्टूबर 2014 में उन्हें गुजरात हाईकोर्ट के अतिरिक्त न्यायाधीश बनाया गया था।

स्कूल भर्ती घोटाले में टीएमसी विधायक गिरफ्तार

दीवार कूद कर भागे तो ईडी ने दबोचा, नाली से मोबाइल बरामद

भारतमत संवाददाता

कोलकाता। प्रवर्तन निदेशालय ने सोमवार को स्कूल भर्ती घोटाले मामले में टीएमसी विधायक जीवन कृष्ण साहा को गिरफ्तार कर लिया। ईडी की टीम रेड के लिए पहुंची थी, लेकिन विधायक को इसकी जानकारी मिल गई। वे रेड के पहले दीवार फांदकर भागने की कोशिश करने लगे।

इस दौरान साहा ने मोबाइल फोन भी नाले में फेंक दिया, जिसे ईडी ने बरामद कर लिया है। विधायक की गिरफ्तारी के समय की कुछ तस्वीरें सामने आई हैं। एक फोटो में कीचड़ में सने नजर आ रहे हैं। साहा मुर्शिदाबाद के बुरवान से विधायक हैं। ईडी की तरफ से दर्ज किए गए मनी लॉन्ड्रिंग केस में टीएमसी विधायक साहा, उनके रिश्तेदार और सहयोगी आरोपी हैं। साहा को विशेष अदालत में पेश किया जाएगा और आगे की जांच के लिए उनकी हिरासत मांगी जाएगी।

स्कूल शिक्षक भर्ती घोटाले से जुड़े बीरभूम के एक व्यक्ति से पैसों की लेन-देन की सूचना मिलने के बाद साहा के परिसरों की तलाशी ली। ईडी की टीम ने बीरभूम के उस व्यक्ति के साथ साहा के घर पर छापा मारा। इससे पहले ईडी ने साहा की पत्नी से भी पूछताछ की थी।

साहा को सीबीआई ने भी 2023 में इसी घोटाले से जुड़े आरोप में गिरफ्तार किया था और बाद में रिहा कर दिया गया था। यह मामला सीबीआई की उस एफआईआर से उठा, जिसे कलकत्ता हाईकोर्ट ने 9वीं से 12वीं के सहायक शिक्षकों और प्राइमरी टीचर्स की भर्ती में अनियमितताओं की जांच करने का निर्देश दिया था।

ईडी ने इससे पहले पश्चिम बंगाल के पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी, उनकी सहयोगी अर्पिता मुखर्जी, टीएमसी विधायक और पश्चिम बंगाल प्राथमिक शिक्षा बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष माणिक भट्टाचार्य के अलावा कुछ अन्य लोगों को भी इस मामले में गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के बाद चटर्जी को टीएमसी ने निलंबित कर दिया था। इस मामले में अब तक ईडी 4 चार्जशीट दाखिल कर चुकी है।

ईडी ने पहली चार्जशीट 19 सितंबर 2022 को दाखिल की थी। इसमें पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी और उनकी करीबी सहयोगी अर्पिता मुखर्जी का नाम शामिल था।

चार्जशीट के अनुसार, इन दोनों के पास 103.10 करोड़ रुपए की नकदी, गहने और अचल संपत्ति (जमीन-जायदाद) का पता लगा था। कहा गया कि यह राशि इन्होंने भ्रष्टाचार और मनी लॉन्डरिंग से बनाई गई थी। जांच में नौकरी के बदले रिश्वत लेने की बात भी सामने आई थी।

जेपीसी में शामिल होने के मुद्दे पर विपक्षी गठबंधन इंडिया में पड़ी फूट

ममता की पार्टी के बाद सपा ने भी शामिल होने से किया इनकार, कांग्रेस शामिल होगी

भारतमत संवाददाता

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों के 30 दिन तक हिरासत में रहने के बाद उन्हें पद से हटाने का प्रावधान करने वाले तीन विवादित विधेयकों पर विचार के लिए गठित संयुक्त संसदीय समिति में शामिल होने के मुद्दे पर विपक्षी इंडिया गठबंधन में फूट पड़ गई है। विपक्षी गठबंधन बिहार चुनाव से पहले ही भाजपा के इस दांव पर दो खेमों में बंट गया है। कांग्रेस जहां, इस समिति में शामिल होने को इच्छुक दिख रही है, वहीं उसके दो प्रमुख सहयोगी दल ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस और अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी ने जेपीसी में शामिल होने से इनकार कर दिया है।

तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सांसद डेरेक ओ'ब्रायन ने रविवार को कहा कि इस मुद्दे पर गठित जेपीसी ''बेमतलब'' है। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि कई दल सरकार के संयुक्त संसदीय समिति बनाने के हथकंडे की आलोचना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जेपीसी बेमतलब है और यह एक तमाशा है। एक सूत्र ने बताया कि समाजवादी पार्टी द्वारा भी इस समिति में किसी सदस्य को नामित किए जाने की संभावना नहीं है। उद्धव ठाकरे की शिवसेना भी इस बात पर मंथन कर रही है कि जेपीसी में शामिल नहीं हुआ जाए।

कुछ दिनों पहले तक इंडिया गठबंधन में शामिल रहे 'आप' के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने कहा कि उनकी पार्टी ने जेपीसी में किसी भी सदस्य को नामित नहीं करने का फैसला किया है। सिंह ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''भ्रष्टाचारियों के सरदार भ्रष्टाचार के खिलाफ विधेयक कैसे ला सकते हैं? नेताओं को फर्जी मामले में फंसाना और जेल में डालना, सरकारों को गिराना इस विधेयक का उदेश्य है। इसीलिए अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी ने जेपीसी में शामिल न होने का फैसला लिया है।'' आप ने आरोप लगाया कि इन विधेयकों का असली उद्देश्य विपक्षी सरकारों को गिराना है।

बड़ी बात यह है कि इंडिया गठबंधन के अंदर यह विभाजन एक हफ्ते से भी कम समय के अंदर आया है क्योंकि पिछले हफ्ते जब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इन विधेयकों को लोकसभा में पेश किया था, तब एकजुट होकर पूरे विपक्ष ने इसका विरोध किया था लेकिन अब जेपीसी के दांव पर विपक्षी खेमा बंट गया है। समझा जाता है कि कांग्रेस नेतृत्व इस समिति में शामिल होने के पक्ष में है क्योंकि उसे लगता है कि जेपीसी की जाँच के दौरान पार्टी और विपक्ष की आलोचना दर्ज कराना जरूरी है।

हालांकि वामपंथी दल जेपीसी में शामिल होने के पक्ष में नजर आ रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि कांग्रेस नेता डीएमके, एनसीपी, आरजेडी और जेएमएम जैसे अन्य क्षेत्रीय सहयोगी दलों से भी बात करके उन्हें भी संयुक्त संसदीय समिति में शामिल करने की कोशिश कर रही है क्योंकि पार्टी को डर है कि विपक्ष द्वारा जेपीसी का बहिष्कार करने से कार्यवाही एकतरफा हो सकती है। कांग्रेस नेताओं का यह भी मानना है कि अगर बीजेडी, वाईएसआरसीपी और बीआरएस जैसे तथाकथित तटस्थ दल इस समिति में शामिल होते हैं, तो वे समिति में विपक्ष की अनुपस्थिति का फायदा उठाकर विपक्ष के रूप में अपने विचार रखेंगे। बता दें कि केंद्र शासित प्रदेश सरकार (संशोधन) विधेयक 2025, संविधान (एक सौ तीसवां संशोधन) विधेयक 2025 और जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक 2025 बुधवार को लोकसभा में पेश किए गए थे। उसके बाद इन्हें संसद की एक संयुक्त समिति को भेज दिया गया है।

बेहद खतरनाक थे सकरिया के इरादे

सीएम रेखा के हमलावर से पूछताछ जारी, जेड सिक्योरिटी वापस

भारतमत संवाददाता

नयी दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को दी गई जेड सिक्योरिटी सोमवार को हटा ली गई। चार दिन पहले उन पर हमले के बाद यह सिक्योरिटी दी गई थी। यह फैसला वापस क्यों लिया गया, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। अब फिर से उनकी सुरक्षा की जिम्मेदार दिल्ली पुलिस को सौंपी गई है।

इधर, सीएम रेखा पर हमले के मामले में रविवार को दूसरी गिरफ्तारी हुई। पुलिस ने बताया कि मुख्य आरोपी राजेशभाई खीमजीभाई सकरिया के सहयोगी तहसीन सैयद को अरेस्ट किया गया है। दिल्ली सीएम आवास में 20 अगस्त की सुबह जनसुनवाई के दौरान रेखा गुप्ता पर हमला हुआ था। शिकायतकर्ता बनकर पहुंचे राजेश ने सीएम को कागज देते समय उनका हाथ खींचा था। सीएम पर हमले के मामले में पुलिस उन 10 लोगों पर नजर रख रही है जो कॉल और चैट के जरिए आरोपी राजेशभाई के संपर्क में थे। पुलिस की एक टीम राजकोट में उन 5 और लोगों के बयान दर्ज करने की तैयारी में जिनका डेटा आरोपी के मोबाइल से लिया गया।

दिल्ली की सीएम रेखा पर 20 अगस्त की सुबह करीब 8.15 बजे जनसुनवाई के दौरान एक शख्स ने हमला कर दिया था। आरोपी ने उनके बाल खींचे और फिर थप्पड़ मारा। हमले में रेखा के हाथ-कंधे, सिर पर चोटें आईं थीं।

एक नजर

हिन्दू महासभा के नगर महामंत्री को पुलिस ने किया गिरफ्तार

पीलीभीत। अखिल भारत हिन्दू महासभा के नगर महामंत्री को पुलिस ने पुराने विवाद को लेकर हुए झगड़े के दौरान हिरासत में लिया है। मामले की भनक लगते ही जिला मुख्यालय से महासभा कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी बीसलपुर पहुंचे और हिरासत में लिए गए अवनीश रतन को छोड़ने के लिए पुलिस पर दवाब बनाया। बीसलपुर कोतवाली पुलिस ने हिन्दू महासभा के नगर महामंत्री महंत अवनीश रतन को दुकान को लेकर चल रही रंजिश के कारण हुए झगड़े के दौरान हिरासत में लिया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक महंत अवनीश रतन के पिता से जुड़े एक पुराने मामले को लेकर झगड़ा हुआ है। विवाद बढ़ने पर पुलिस ने महंत को थाने लाकर कार्रवाई शुरू कर दी है। सूत्रों के अनुसार, दूसरे पक्ष के वकील लगातार सक्रिय रहे। हिन्दू महासभा के पदाधिकारियों का आरोप है कि राजनीतिक दबाव के चलते पुलिस ने जल्दबाज़ी में महंत अवनीश रतन को जेल भेजने की कार्रवाई की है। इस पूरे घटनाक्रम की जानकारी मिलते ही जिला मुख्यालय से हिन्दू महासभा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बीसलपुर पहुंचे और एकजुटता दिखाते हुए तत्काल प्रभाव से हिरासत में लिए गए महंत अवनीश को छोड़ने की मांग की।

हरि मंदिर में भक्ति रस की रसधारा प्रवाहित हुई

बरेली। मॉडल टाउन स्थित श्री हरि मंदिर के 65 वे वार्षिक महोत्सव के उपलक्ष में भजन संध्या का आयोजन किया गया। पठानकोट से आए भजन गायक अतुल कृष्ण शास्त्री ने राधा और कृष्णा को समर्पित रचनाएं सुनाकर भक्ति रस की गंगा प्रवाहित की। उनकी भक्ति पूर्ण रचना, श्री राधे लाडली बता दो री कब होगी कृपा तुम्हारीसुन कर भक्त जन भक्ति की मस्ती में झूम उठे। भक्ति पूर्ण रचनाओं का आनंद लेने वालों में मंदिर समिति के अध्यक्ष सुशील अरोड़ा, रविछाबड़ा, संजयआनंद, गोविंद तनेजा, विजय चढ्ढा, नीलम लुनियाल, रेनूछाबड़ा, नेहा आनंद, कंचन अरोड़ा, नीलम साहनी, सीमा तनेजा के साथ ही बड़ी संख्या में भक्तजन शामिल रहे।

गणेश महोत्सव के साथ होगा सनातनी वैवाहिक परिचय सम्मेलन

बरेली। नाथनगरी के राजा सेवा समिति द्वारा कुटुंब गणेश उत्सव के साथ ही सनातनी वैवाहिक परिचय सम्मेलन का भी आयोजन किया जाएगा। पत्रकारों से वार्ता के दौरान यह जानकारी समिति के अध्यक्ष विकास मेहरोत्रा ने दी। यह पहला अवसर है जब जाति बंधन को छोड़कर सनातनी विवाह योग्य युवक युवती वैवाहिक परिचय सम्मेलन में सम्मिलित होंगे। उन्होंने बताया कि 27 अगस्त को दोपहर 2 बजे सिविल लाइन स्थित मिंटू मूर्तिकार के निवास से शोभायात्रा निकाली जाएगी। शहर के विभिन्न मार्गो से होते हुए शोभायात्रा जिला परिषद पहुंचेगी। जिला पंचायत अध्यक्ष रश्मि पटेल के द्वारा गणेश जी की आरती और शोभा यात्रा का स्वागत किया जाएगा। श्री शिव शक्ति दुर्गा जी धाम मंदिर चौक पर पहुंच कर शोभायात्रा संपन्न होगी। उन्होंने यह भी बताया की 27 अगस्त को गणेश जी की स्थापना के साथी रामायण पाठ का शुभारंभ होगा। उन्होंने यह भी जानकारी दी की 29 अगस्त से 4 सितंबर तक पंडाल में ही सनातनी वैवाहिक परिचय सम्मेलन प्रातः 10 बजे से शुरू होगा। 6 सितंबर को विसर्जन शोभायात्रा का आयोजन किया जाएगा। पत्रकार वार्ता के दौरान मुनीश कुमार, विवेक कक्कड़, सचिन कक्कड़, विशाल मेहरोत्रा, लवलीन कपूर, आशु अग्रवाल, सुमित मल्होत्रा, दुर्गेश गुप्ता, इंद्रदेव त्रिवेदी शामिल रहे।

नकली खाद कांड में केस दर्ज, असली गैंग तक नहीं पहुंच पाया विभाग

» सूत्रों की माने चर्चित बाबू से ही होकर गुजरता है नकली धंधे का कारोबार

शाहजहांपुर। जिले में किसानों की मेहनत और जमीन से सीधा खेल करने वाले नकली खाद माफियाओं पर शिकंजा कसना शुरू हुआ है। मगर विभाग अब भी असली गिरोह तक पहुँचने में नाकाम साबित हो रहा है। चर्चाओं में यह भी है कि नकली खाद और उर्वरक का पूरा खेल एक चर्चित बाबू से होकर गुजरता है। रोजा पुलिस और कृषि विभाग की संयुक्त कार्रवाई में मोहमदी रोड स्थित अंकुर वेयर हाउस से भारी मात्रा में नकली खाद बरामद की गई। छापेमारी के दौरान फैक्ट्री में पत्थर का पाउडर मिलाकर तैयार की जा रही खाद और उर्वरक मिले। जिला कृषि अधिकारी विकास किशोर की तहरीर पर गोदाम मालिक महेश चंद्र मिश्रा, किराएदार रणजीत सिंह और अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है।

आरोप है कि ये लोग सूनसान इलाके में फैक्ट्री लगाकर लंबे समय से किसानों को नकली खाद बेचकर करोड़ों की धोखाधड़ी कर रहे थे। सूत्रों के मुताबिक नकली खाद और उर्वरक का जाल सिर्फ शाहजहाँपुर तक सीमित नहीं है, बल्कि कई जिलों तक फैला हुआ है। वहीं किसानों का कहना है कि विभाग सिर्फ छोटे गुर्गों पर केस दर्ज कर रहा है, जबकि असली माफिया अब भी पकड़ से बाहर हैं।

चर्चित बाबू से ही होकर गुजरता है नकली धंधे का कारोबार

दो माह पूर्व बंडा में नकली खाद फैक्ट्री पकड़ी गई थी। बीते दिवस रोजा पुलिस ने भी नकली उर्वरक बनाने की फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। बीते साल जनपद में कई स्थानों पर नकली कीटनाशक दवाइयों सहित खाद की फैक्ट्रियां पकड़ी गई। सूत्रों की मानें तो यह अवैध का कारोबार का संरक्षण एक चर्चित बाबू की देखरेख में होता आया है। बाबू के रसूख के आगे किसी अधिकारी की नहीं चलती है वह वर्षों से एक ही जनपद में तैनात है। अगर मोबाइल की काल डिटेल निकलाई जाए तो नकली के कारोबारियों से सम्बन्ध सामने आ जायेंगे।

बैंक मैनेजर का वीडियो वायरल, ड्यूटी टाइम में पैर फैलाकर सोते दिखे

» किसानों में आक्रोश, भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरा सहकारी बैंक प्रबंधन

भारतमत संवाददाता

शाहजहांपुर। कस्बे की सहकारी बैंक शाखा इन दिनों चर्चा का केंद्र बनी हुई है। शाखा प्रबंधक का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वे कार्यालय समय में ही काउंटर पर पैर फैलाकर गहरी नींद में खर्राटे भरते नजर आ रहे हैं। वीडियो सामने आने के बाद लोगों में नाराजगी है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि शाखा प्रबंधक बैंक में आने के बाद ज्यादातर समय आराम करने में ही बिताते हैं। जब कोई किसान या ग्राहक खाता संबंधी जानकारी लेने पहुंचता है तो उन्हें डांटकर भगा दिया जाता है। यही नहीं, कुछ ग्रामीणों ने बैंक प्रबंधक और कर्मचारियों की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि सहकारी बैंकों और समितियों में भ्रष्टाचार चरम पर है। जिससे किसान बेहाल हैं।

उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पूर्व चिलौआ निवासी गुलाब चंद्र त्रिपाठी ने आरोप लगाया था कि उनका करंट अकाउंट खोलने और लोन पास करने के लिए शाखा प्रबंधक ने कमीशन मांगा था। कमीशन न देने पर उनकी लोन फाइल रिजेक्ट कर दी गई, जबकि फाइल उनके ही चहेते वकील द्वारा तैयार कराई गई थी। यह मामला अभी भी जांचाधीन है। फिलहाल ड्यूटी समय में मैनेजर द्वारा इस तरह खर्राटे भरना कस्बे में चर्चा का विषय बना हुआ है। ग्रामीणों की मांग है कि उच्चाधिकारी मामले की जांच कर कार्रवाई करें।

किशोरी ने फांसी लगाकर दी जान

भारतमत संवाददाता

बरेली। थाना सुभाष नगर क्षेत्र के रोधी मिलक गांव में सोमवार सुबह दर्दनाक घटना हुई। यहां 15 वर्षीय युक्ति (कक्षा 8 की छात्रा) ने फांसी लगाकर जान दे दी। परिजनों ने पड़ोसी युवक और उसकी मां पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

युक्ति की ताई ने बताया कि कुछ महीने पहले युक्ति का पड़ोस में रहने वाले साहिल से प्रेम प्रसंग हो गया था। 17 तारीख को साहिल उसे घर से भगा ले गया था, जिसकी सूचना परिजनों ने थाने में दी थी। बाद में खोजबीन करने पर युक्ति अकेली बालामऊ स्टेशन के पास मिली थी। इसके बाद परिवार वालों ने साहिल के खिलाफ थाने मुकदमा दर्ज कराया। आरोप है कि मुकदमे के चलते रविवार शाम साहिल की मां निहगाह घर आई और युक्ति को धमकाकर चली गई। इसी धमकी से आहत होकर युक्ति ने घर के अंदर दुपट्टे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सोमवार सुबह जब वह कमरे से बाहर नहीं निकली तो परिजनों ने झांककर देखा, जहां उसका शव फंदे से लटका मिला। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और जांच शुरू कर दी।

युक्ति की ताई ने यह भी आरोप लगाया कि साहिल उसे भगाकर ले गया था और घर में रखे जेवर व 1 रु. लाख से अधिक नकदी भी गायब हैं। उनका कहना है कि युक्ति का जेवर का सारा सामान साहिल के पास है। इसी बात को लेकर साहिल की मां ने धमकी दी थी कि "अगर किसी तरह की कार्रवाई की तो अंजाम बुरा होगा।" बेटी की मौत से पूरा परिवार गहरे सदमे में है।

सपा की पीडीए पंचायत संपन्न, भाजपा को बताया संविधान का दुश्मन

भारतमत संवाददाता

» संविधान में दिए गए अधिकारों के प्रति जागरूक होने की अपील की

पीलीभीत। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर विधानसभा क्षेत्र में पीडीए पंचायत का आयोजन किया गया। पंचायत की अध्यक्षता तथा संचालन संजय यादव ने किया। समाजवादी युवजन सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं सपा नेता राजकुमार राजू ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा सरकार जनविरोधी और पीडीए विरोधी है, जब से भाजपा सत्ता में आई है, तब से पीडीए समाज को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। बेरोजगारी, महंगाई और भ्रष्टाचार चरम पर हैं। समाजवादी पार्टी का लक्ष्य बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के विचारों को पिछड़े, अगड़े और दलितों तक पहुंचाना है।

पूरनपुर ब्लॉक क्षेत्र की ग्राम पंचायत सिमरिया अजीतपुर बिल्हा में आयोजित पीडीए पंचायत को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि पूर्व विधायक अरशद खां ने संविधान में दिए गए अधिकारों के प्रति जागरूक होने की अपील की और गृह मंत्री अमित शाह द्वारा अंबेडकर जी को लेकर संसद में की गई टिप्पणी की भी याद दिलाई। विशिष्ठ अतिथि उमाशंकर यादव ने कहा कि जैसे-जैसे भाजपा ताकतवर होगी, वह संविधान को कुचलने का प्रयास करेगी, लेकिन समाजवादी पार्टी पीडीए समाज के साथ मजबूती से खड़ी है।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव भाजपा के मंसूबों को कभी कामयाब नहीं होने देंगे। हम सबको मिलकर इस लड़ाई को अंजाम तक पहुंचाना है। कार्यक्रम को मुख्य रूप से महिला सभा की मीता सिंह, ओम शर्मा, यादव, सतीश वर्मा, राजाराम वर्मा, इंद्रपाल सहित अन्य वक्ताओं ने भी सम्बोधित किया। इस दौरान हरीशंकर यादव, हार्दिक, हरिओम सिंह, मनोज कुमार शर्मा, देवेंद्र सिंह, अमरजीत, इक़बाल, जमुना प्रसाद, रमेश, कपिल कुमार कश्यप, सुरेश कुमार, भगवान दीन वर्मा, रजनीश यादव आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पुलिस उपमहानिरीक्षक ने कानून व्यवस्था को लेकर समीक्षा की

बरेली। पुलिस उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) परिक्षेत्र बरेली अजय कुमार साहनी ने अपने कार्यालय में बरेली, बदायूं, पीलीभीत व शाहजहांपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक व पुलिस अधीक्षक के साथ डीआईजी ने समीक्षा बैठक की। मुख्यमंत्री की समीक्षा बैठक में तय बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए परिक्षेत्र के सभी जिलों की कानून व्यवस्था, अपराध नियंत्रण, अपराधियों के विरुद्ध की जा रही कार्रवाई, लंबित विवेचनाओं व पुलिस के विभिन्न अभियानों की गहन समीक्षा की गई। बैठक में डीआईजी ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि अपराध नियंत्रण, जनता की समस्याओं के समयबद्ध निस्तारण और कानून व्यवस्था को और मजबूत बनाए रखने के लिए सभी थानों में सक्रियता व जवाबदेही सुनिश्चित की जाए।

बैठक में विभिन्न अपराधों की स्थिति पर चर्चा की गई। हत्या, लूट, स्नेचिंग, नकबजनी, वाहन चोरी, फिरौती, डकैती, बलात्कार, दहेज हत्या, पॉक्सो एक्ट, अपहरण, एनडीपीएस, धर्मांतरण एवं साम्प्रदायिक संघर्ष से जुड़े मामलों में हुई कार्रवाई का बिंदुवार मूल्यांकन किया गया। डीआईजी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि गंभीर अपराधों पर सख्त और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित हो तथा किसी भी मामले में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने टॉप-10 अपराधियों, मफरूर अपराधियों, पुरस्कार घोषित वांछित अपराधियों और खोले गए गैंगों के विरुद्ध चल रही कार्रवाई की जानकारी ली। इसके साथ ही थानावार हिस्ट्रीशीटर्स की स्थिति और उन पर रखी जा रही निगरानी की समीक्षा भी की। डीआईजी ने कहा कि सक्रिय अपराधियों पर निरंतर दबाव बनाए रखा जाए ताकि अपराध पर अंकुश लगाया जा सके। डीआईजी ने गुंडा अधिनियम, गौवध निवारण अधिनियम, सशस्त्र अधिनियम और गैंगस्टर अधिनियम की धारा 14(1) के अंतर्गत की गई कार्यवाहियों का भी मूल्यांकन किया। उन्होंने कहा कि अपराधियों की अवैध संपत्तियों पर कार्रवाई में तेजी लाई जाए और गैंगस्टर एक्ट के अंतर्गत की गई कार्रवाई को और प्रभावी बनाया जाए। लंबित विवेचनाओं का जल्द से जल्द गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए। निरोधात्मक कार्यवाहियों, महिला उत्पीड़न से जुड़े मामलों, एससी/एसटी एक्ट और अन्य महत्वपूर्ण अपराधों के तीन वर्षीय तुलनात्मक विवरण की समीक्षा करते हुए डीआईजी ने कहा कि ऐसे मामलों में गंभीरता व संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई होनी चाहिए।

महिला सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण को लेकर चलाए जा रहे मिशन शक्ति फेज-05 के अंतर्गत स्थापित महिला हेल्पडेस्क और महिला बीट प्रणाली की समीक्षा की गई। डीआईजी ने कहा कि महिला हेल्पडेस्क को प्रभावी ढंग से संचालित किया जाए और महिला बीट प्रणाली को और मजबूत किया जाए ताकि महिलाओं को थाने स्तर पर त्वरित सहायता मिल सके। उन्होंने कहा कि महिला उत्पीड़न के मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही अस्वीकार्य होगी। डीआईजी ने जनपदों में अपूर्ण निर्माण और मरम्मत कार्यों, मृतक आश्रित सेवायोजन के लंबित प्रकरण, सेवानिवृत्त एवं मृतक पुलिसकर्मियों की पेंशन और लंबित देयकों के भुगतान की स्थिति की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि विभागीय कार्यों में पारदर्शिता और तेजी लाई जाए ताकि किसी भी कर्मचारी या उनके आश्रितों को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े।

हनी ट्रैप में फंसा कर रंगदारी वसूलने वाला गिरोह पकड़ा

भारतमत संवाददाता

बरेली। लोगों को हनी ट्रैप में फसाने के बाद उनसे रंगदारी वसूलने वाले गिरोह की सदस्य एक महिला समेत पांच लोगों को पुलिस में आज गिरफ्तार कर लिया गिरफ्तार बदमाशों के पास से कई 6 मोबाइल फोन व चार पहिया वाहन भी बरामद किया गया। इज्जतनगर थाना थाना क्षेत्र में निर्माणाधीन रोडवेज बस स्टैंड मिनी बाईपास रोड के पास से पुलिस ने गिरोह के सदस्यों को गिरफ्तार किया

पुलिस के अनुसार गिरोह के सरगना आकाश पुत्र नरेश कुमार ने अपने साथियों के साथ मिलकर भोले-भाले लोगों को हनी ट्रैप के जाल में फंसाकर लाखों की रंगदारी वसूलने की साजिश रची थी। गिरोह की मुख्य सदस्य हनी उर्फ नेहा खान पहले पीड़ित से फोन पर बातचीत कर उसे अपने जाल में फंसाती थी और फिर होटल या सुनसान जगह पर बुलाकर गिरोह के अन्य सदस्य पीड़ित को घेर लेते थे। ताजा मामले में अमित राठौर नामक युवक को होटल सहगल बुलाया गया, जहां उसे गिरोह के गुड्डू बंजारा, अवधेश, आकाश, मिथलेश और अन्य साथियों ने स्कॉर्पियो में डालकर ले जाया। मिनी बाईपास पर ले जाकर पीड़ित से मारपीट कर वीडियो-फोटो वायरल करने और बलात्कार के झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देकर 5 लाख रुपये की रंगदारी मांगी गई। मजबूरन पीड़ित ने गिरोह को 30 हजार रुपये और सोने की अंगूठी सौंप दी। इसके बाद लगातार उसे और पैसे देने के लिए दबाव बनाया तब पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर दबिश देकर बदायूं के इस्लामनगर निवासी हनी उर्फ नेहा खान, इज्जतनगर के रहपुरा चौधरी निवासी गुड्डू बंजारा, हार्टमैन कॉलेज के पीछे रहने वाले अवधेश, सीबीएन के गोविंदपुर निवासी आकाश और प्रेम नगर के कैलाशपुर सुर्खा बानखाना निवासी मिथलेश गंगवार को गिरफ्तार कर लिया गिरोह का एक और सदस्य मोहित मिश्रा व दो अज्ञात सदस्य अभी फरार बताए जा रहे हैं।

शिवाय, आदित्य व अंकित बने शतरंज प्रतियोगिता के विजेता

» अच्छे खेल के लिए लगातार मेहनत करते रहे

भारतमत संवाददाता

शाहजहांपुर। जिला शतरंज खेल संघ द्वारा आयोजित स्व. प्रमोद कुमार शुक्ला मेमोरियल शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन जान नेव सीनियर सेकेंडरी स्कूल में किया गया। जिसमें 60 खिलाड़ीओ ने प्रतिभाग किया। जिसमें अंडर 11, अंडर 15 व ओपन वर्ग की प्रतियोगिताएं कराई गई। प्रतियोगिता का उद्घाटन स्कूल के डायरेक्टर अंशुमान कुमार सिंह मैसी एवं जिला ओलंपिक संघ के सचिव नरेंद्र त्यागी ने किया।

इस दौरान जिला शतरंज खेल संघ के अध्यक्ष डॉ. अंशुमान सिंह मैसी ने कहा कि शतरंज खिलाड़ियों के लिए मानसिक विकास के साथ-साथ उनके अंदर धैर्य और सहन करने की शक्ति का विकास करता है। इसलिए छात्रों को शतरंज खेल अवश्य खेलना चाहिए यह एक भारतीय खेल है जो आप विश्व स्तर पर अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज कर चुका है। जिला ओलंपिक संघ के सचिव नरेंद्र त्यागी ने सभी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि वह अच्छा खेले और अच्छे खेल के लिए लगातार मेहनत करते रहें क्योंकि प्रगनंदा जैसे खिलाड़ी विश्व स्तर पर अपनी धाक जमा चुके हैं। हमें ऐसे खिलाड़ियों से प्रेरणा लेनी चाहिए।

शतरंज एसोसिएशन के सचिव विपिन कुमार अग्निहोत्री व आयोजन सचिव अखिलेश शुक्ला ने बताया कि कल पांच राउंड खेले गए जिसके आधार पर तीनों वर्गो का परिणाम घोषित किया गया। जो इस प्रकार है अंडर 11 आयु वर्ग मे सुदामा प्रसाद बनस्थली के शिवाय सक्सेना प्रथम, द्वितीय तेजस व प्रखर सक्सेना, तृतीय सूर्येश रहे। अंडर 15 आयु वर्ग मे सुदामा प्रसाद वनस्थली के आदित्य वर्मा प्रथम, तक्षशिला पब्लिक स्कूल के रूद्र गुप्ता एवं सेंट पाल स्कूल के अयांश गुप्ता द्वितीय, तक्षशिला पब्लिक स्कूल के देवांश राठौर तृतीय रहे। ओपन आयुवर्ग मे अंकित सेन प्रथम, आयुष सक्सेना द्वितीय, तारुश तृतीय, अरीब चौथे व फरीद पांचवे स्थान पर रहे। लिटिल चैस स्टार ऑफ़ ऑफ़ टूर्नामेंट बालक वर्ग मे वारान्या दहेलिया व बालिका वर्ग मे अजंशी को चुना गया। विजेताओं को पुरस्कार अगले साप्ताह वितरित किये जायेगे।

प्रतियोगिता में आर्बीटर विश्वजीत विक्रम व सईद बेग रहे। प्रतियोगिता में जिला ओलंपिक संघ कीड़ा भारती शाहजहांपुर एवं फिजिकल फाउंडेशन ऑफ इंडिया पेफी का सहयोग रहा। इस दौरान अखिलेश शुक्ला प्रसून त्रिपाठी पीयूष मिश्रा प्रमोद पांडे संजीव किशोर फरीद आदि उपस्थित रहे।

जुलूसे परचम कुशाई से उर्से शराफ़ती का हुआ पुरजोर ऐलान

भारतमत संवाददाता

बरेली। सोमवार को 1 रबीउल अव्वल के मौके पर ख़ानक़ाहे शराफ़ती में 58वां सालाना उर्से शराफ़ती परचम कुशाई की रश्म के साथ उर्स पुरज़ोर ऐलान हुआ। इसी के साथ माहे ईद मीलादुन्नबी का इस्तक़बाल भी किया गया। सुबह मेहमानखाने में तिलावत- से प्रोग्राम का आग़ाज़ हुआ। बाद 11 बजे तक़रीरी प्रोग्राम शुरू हुआ जिसकी निज़ामत मुख़्तार तिलहरी ने की।

प्रोफ़ेसर महमूद उल हसन ने अपने ख़िताब में आमदे जश्ने विलादते पाक की अज़मत और बरकत पर रौशनी डालते हुए कहा कि इस साल हमारे आक़ा ओ मौला का 1500 साला जश्ने विलादत है। यह मुसलमानों के लिए बेपनाह ख़ुशी का दिन है जिसे मोहब्बत, जोश और जज़्बे के साथ मनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें इस मौक़े पर आपसी इत्तिहाद, सौहार्द और अमन का पैग़ाम देना है और इस बात का ख़याल रखना है कि हमारे किसी अमल से इंसानियत को तकलीफ़ न पहुँचे। मुफ़्ती फ़हीम अज़हरी सकलैनी ने अपनी तक़रीर में हज़रत शाह मौलाना शराफ़त अली मियां रहमतुल्लाह अलैह की बुज़ुर्गी व ख़िदमत बयान की। उन्होंने कहा कि आप सिलसिला क़ादरिया नक़्शबंदिया के अज़ीम बुज़ुर्ग थे। आज आस्ताने पर जो मख़लूक़े ख़ुदा उमड़ रही है, यह सब आपकी मेहनतों और बुज़ुर्गी का फ़ैज़ान है। प्रोग्राम की सरपरस्ती साहिबे सज्जादा जानशीने मियां हज़रत शाह मोहम्मद ग़ाज़ी मियां सकलैनी उल क़ादरी ने फरमाई। तक़रीरी प्रोग्राम दोपहर 2 बजे तक चला जिसके बाद ज़ुहर की नमाज़ अदा की गई। सज्जादा ग़ाज़ी मियां ने सभी अकीदतमंदों को जुलूसे परचम कुशाई में अदब व एहतराम के साथ चलने की हिदायत दी। दोपहर 2:30 बजे जुलूस दरगाह शरीफ़ से रवाना हुआ। यह कच्ची मस्जिद, ब्रह्मपुरा, दिलशाद बजरिया, दीवानखाना चौक, कोहाड़ापीर चौराहा, नैनीताल रोड व कुतुबखाना से होता हुआ मनिहारान गली पहुँचा और फिर वापस दरगाह शरीफ़ पर लौट आया। यहाँ साहिबे सज्जादा ने परचम नस्ब किया।

जुलूस की क़यादत नबीरा-ए-मियां हज़रत सादकैन मियां सकलैनी व हाफ़िज़-ओ-इमाम गुलाम ग़ौस सकलैनी ने की। परचम कुशाई के जलसे में बड़ी तादाद में अकीदतमंद शरीक हुए और माहे रबीउल अव्वल का इस्तक़बाल किया। जुलूस का इस्तकबाल रास्ते भर हार फूलों की बारिशों के साथ किया गया।जुलूस खूब शान ओ शौकत व अमन ओ मोहब्बत के साथ संपन्न हुआ, इस दौरान पुलिस-प्रशासन व भरपूर सहयोग रहा। जुलूस की व्यवस्था व देख-रेख में आफताब सकलैनी, अबरार हुसैन, सय्यद राशिद सकलैनी, जमील सकलैनी, सय्यद आमिर, फ़ैसल सकलैनी, मोहसिन आलम, मुशाहिद सकलैनी, अब्बास सकलैनी, ख़ुर्रम सकलैनी, यावर सकलैनी, रिज़वान सकलैनी आदि मौजूद रहे।

अपर जिला जज की अध्यक्षता में बैंकर्स की बैठक सम्पन्न

भारतमत संवाददाता

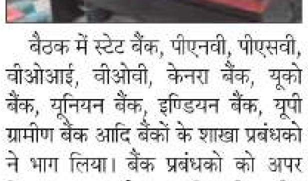

पीलीभीत। राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन के सम्बन्ध में बैंकों के शाखा प्रबंधको के साथ बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता प्रभारी जिला जज, अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पीलीभीत के द्वारा की गई।

उप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के आदेशानुसार राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 13 सितम्बर 2025 को प्रातः 10 बजे से 4 बजे तक जनपद पीलीभीत के दीवानी न्यायालय तथा बीसलपुर न्यायालय एवं ग्राम न्यायालय पूरनपुर में किया जा रहा है, जिसमें विभिन्न एनपीए खाता धारको की समस्याओं के समाधान हेतु समझौते किये जाने के सम्बन्ध में बैंक अधिकारियों के साथ विचार विमर्श किया गया।

बैठक में स्टेट बैंक, पीएनवी, पीएसवी, वीओआई, वीओवी, केनरा बैंक, यूको बैंक, यूनियन बैंक, इण्डियन बैंक, यूपी ग्रामीण बैंक आदि बैंकों के शाखा प्रबंधको ने भाग लिया। बैंक प्रबंधको को अपर जिला जज व नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत गीता सिंह के द्वारा निर्देशित किया गया कि लोक अदालत में अधिक से अधिक मामलों को चिन्हित करें ताकि एनपीए खाताधारकों को इसका लाभ मिल सके। बैठक सुनील कुमार द्वितीय, अपर जिला जज के विश्राम कक्ष में आयोजित की गई।

भ्रष्ट सिस्टम शासन से चली जांच, उपायुक्त के हाथ

सीएम की जनसुनवाई और पीएम का समाधान पोर्टल बना मजाक

भारतमत संवाददाता

पीलीभीत। मनरेगा में दिन-प्रतिदिन हो रहे फर्जीवाड़ा और शासकीय धन की लूट में संलिप्त ग्राम स्तर से लेकर जिला स्तरीय अधिकारियों की भूमिका और लूटी गई करोड़ों की रकम का राजफाश कराने के लिए ईमानदारी का ढिंढोरा पीट रही डबल इंजन की सरकार से सीबीआई जांच कराने की मांग की गई है। अजीबो गरीब बात यह है कि मांग पत्र को सरकार के उप सचिव भास्कर चंद्र कांडपाल ने सीबीआई को न भेजकर सीएम के जनसुनवाई पोर्टल के माध्यम से सीडीओ को भेज दिया। सीडीओ ने उपायुक्त मनरेगा को जांच कर आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। इससे चोर के हाथ में जांच की डोर वाली कहावत चरितार्थ हो रही है, जोकि इस भ्रष्ट सिस्टम की छवि को स्पष्ट करता है।

जनपद में व्याप्त मनरेगा भ्रष्टाचार की सीबीआई जांच कराने के लिए सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र भेजा गया था। मुख्यमंत्री कार्यालय के उप सचिव भास्कर चंद्र कांडपाल ने 22 अगस्त 2025 को नियमानुसार कार्यवाही करने की अपेक्षा करते हुए इस पत्र को अपर आयुक्त मनरेगा को प्रेषित कर दिया। 23 अगस्त को अपर आयुक्त ने आवश्यक कार्यवाही करने का निर्देश देते हुए मुख्य विकास अधिकारी राजेंद्र कुमार श्रीवास को पत्र प्रेषित कर दिया। जांचकर आख्या प्रेषित करने की टिप्पणी करते हुए मुख्य विकास अधिकारी ने उपायुक्त मनरेगा को संदर्भ अग्रसारित कर दिया। खास बात तो यह है कि मांग पत्र में कहा गया है कि उपायुक्त श्रम रोजगार (मनरेगा), समस्त खंड विकास अधिकारी, अतिरिक्त कार्यक्रम समन्वयक, पंचायत सहायक रोजगार सेवक सहित सोशल ऑडिटर व जिला कार्यक्रम समन्वयक इस फर्जीवाड़ा और भ्रष्टाचार में संलिप्त हैं। ऐसे में क्या उपायुक्त श्रम रोजगार (मनरेगा) द्वारा तथ्यात्मक जांच किया जाना संभव है ?

सुनियोजित तरीके से प्रामाणिक फर्जीवाड़ा किया जा रहा है

पत्र में कहा गया है कि राजकीय अधिकारी एवं कर्मचारीगण दूषित मानसिकता के कारण शासन की मंशा के अनुरूप कार्य न करके भ्रष्टाचार में लिप्त हैं, परिणाम स्वरूप राज्य एवं राष्ट्र की आर्थिक क्षति हो रही है। पीलीभीत जनपद में मनरेगा भ्रष्टाचार व्याप्त है। संबंधित पोर्टल पर अलग-अलग मास्टररोल के सापेक्ष समान फोटो अपलोड किए जा रहे है। प्रत्येक कार्य दिवस में दो बार पोर्टल पर फोटो अपलोड होना चाहिए, परंतु ऐसा नहीं किया जा रहा है। मास्टररोल में महिला और पुरुष श्रमिकों की हाजिरी दर्ज है, लेकिन अधिकतर ग्राम पंचायतों द्वारा कार्य दिवस में एक बार ही अपलोड किए गए फोटो में सिर्फ पुरुष श्रमिक ही दिखाई दे रहे हैं, इसके अलावा मास्टररोल में दर्ज श्रमिकों के अनुसार फोटो में गणना कम है। महिलाओं श्रमिकों को फर्जी रूप से मास्टररोल में दर्ज कर भागीदारी दर्शाई जा रही है। मनरेगा को पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से पोर्टल शुरू किया गया था, परंतु पोर्टल पर अपलोड किए जा रहे डाटा के अनुसार जनपद की सभी ग्राम पंचायतों में सुनियोजित तरीके से प्रामाणिक फर्जीवाड़ा किया जा रहा है, जिसकी शासकीय हित में किसी भी स्तर पर निगरानी नहीं की जा रही है। अतिरिक्त कार्यक्रम समन्वयक द्वारा मनमर्जी तरीके से एफटीओ डिलीट कर दिए जाते हैं और जब स्वार्थ सिद्ध हो जाता है तो उस ग्राम पंचायत का एफटीओ दोबारा बना दिया जाता है। उपायुक्त श्रम रोजगार (मनरेगा), समस्त खंड विकास अधिकारी, अतिरिक्त कार्यक्रम समन्वयक, पंचायत सहायक रोजगार सेवक सहित सोशल ऑडिटर व जिला कार्यक्रम समन्वयक इस फर्जीवाड़ा और भ्रष्टाचार में संलिप्त हैं।

आवेदक को रसीद नहीं दी जाती

ग्राम पंचायत स्तर पर सोशल ऑडिट फोरम में जॉब कार्ड रजिस्टर से जॉब कार्डधारक को दिए गए रोजगार के दिनों की संख्या को पढ़कर नहीं सुनाया जाता है। कार्यस्थल पर नागरिक सूचना बोर्ड (सूचना पट) स्थापित नहीं कराया जाता है, जिसके कारण ग्रामवासियों को किसी भी कार्य के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी नहीं हो पाती है। छाया, पीने के पानी और दवा की व्यवस्था भी कार्यस्थल पर होनी चाहिए, लेकिन नहीं की जाती है। काम के लिए आवेदन करने वाले आवेदक को संबंधित द्वारा पावती रसीद नहीं दी जाती है।

दीपिका-रणवीर की बेटी दुआ का चोरी-छिपे बनाया गया वीडियो

प्राइवेसी न दिए जाने पर भड़के फैंस

बॉलीवुड के पावर कपल दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह की बेटी दुआ का एक वीडियो सामने आया है। जिसके बाद कपल की टीम ने मीडिया से अपील की है कि उनकी बेटी की तस्वीर या वीडियो पब्लिश न की जाए। इसके अलावा भी उनकी टीम फैन क्लब वो वीडियो हटवाने की कोशिश कर रही है। हाल ही में दीपिका पादुकोण का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें वो बेटी दुआ को गोद में लिए नजर आ रही थीं। वीडियो बनाए जाने पर दीपिका ने शख्स से ऐसा न करने की रिक्वेस्ट भी की थी। हालांकि इसके बावजूद वो वीडियो लीक हो गया। इसके बाद दीपिका-रणवीर की टीम द्वारा सभी मीडिया ग्रुप्स से दुआ की तस्वीर या वीडियो पब्लिश करने से बचने की रिक्वेस्ट की है। साथ ही कहा गया है कि वो वीडियो जल्द हटवाई जाएगी। वीडियो लीक होने के बाद फैंस भड़क गए हैं। एक यूजर ने लिखा है, पहले ये विरुष्का (विराट-अनुष्का) के साथ हुआ था अब दीपवीर (दीपिका-रणवीर) के साथ। क्या आप लोगों के पास मोरल और एथिक नहीं हैं। दीपिका जाहित तौर पर बिल्कुल सहज नहीं थीं बेटी का चेहता दिखाने में तो क्या आप उनकी प्राइवेसी की इज्जत नहीं कर सकते थे। उसकी तस्वीर शेयर करना बंद करें और कुछ डेकोरम मेंटेन करें। दूसरे यूजर ने लिखा है, मुझे नफरत होती है, दीपिका ने साफ कहा था कि वो अपने बच्चे का चेहरा बाहर नहीं दिखाना चाहतीं, फिर भी एक सो कॉल्ड फैन को इसका वीडियो बनाना जरूरी लगा। जबकि आप क्लिप में देख सकते हैं कि दीपिका खुश नहीं हैं और फिर भी आपने इसे शेयर किया है। इसके अलावा भी कई फैंस वीडियो शेयर करने वाले को फटकार लगा रहे हैं। बताते चलें कि दुआ के जन्म के समय ही दीपिका और रणवीर ने मीडिया के सामने ये साफ किया था कि उनकी बेटी की तस्वीरें न क्लिक की जाएं। उनके अलावा हाल ही में पेरेंट्स बने सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी ने भी बेटी का चेहरा मीडिया से छिपाकर रखने की रिक्वेस्ट की है। उनके अलावा अनुष्का शर्मा-विराट कोहली भी यही फॉलो करते हैं, हालांकि उनकी बेटी की तस्वीरें कई बार सोशल मीडिया पर सामने आ चुकी हैं।

यूजर की सर्जरी सलाह पर मौनी ने दिया करारा जवाब

एक्ट्रेस मौनी रॉय को अक्सर अपने लुक्स को लेकर सोशल मीडिया पर ट्रोल किया जाता है। लेकिन शुक्रवार को उन्होंने अपनी शक्ल-सूरत पर किए गए एक कमेंट का यूजर को करारा जवाब दिया और कहा कि जिंदगी में नफरत की जगह प्यार बांटे। दरअसल, मौनी रॉय ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ तस्वीरों शेयर कीं, जिसे कुछ लोगों ने पसंद किया तो कुछ ने एक्ट्रेस को फिर से ट्रोल करना शुरू कर दिया। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, सच कड़वा होता है। चाहे आप कोई भी हों, उसे निगलना ही पड़ता है। आपकी सर्जरी ने आपको बहुत खराब स्थिति में ला दिया है। आप एक पब्लिक फिगर हैं, इसलिए जो भी अच्छा-बुरा इसके साथ आता है, उसे स्वीकार करना ही पड़ेगा। आपको कोई बेहतर सर्जन चुनना चाहिए था। मौनी ने भी उस यूजर्स के कमेंट का करारा जवाब देते हुए लिखा, अपनी जिंदगी में कुछ अच्छा और काम का कीजिए। सोशल मीडिया पर प्यार बांटने और अपने काम की बात करने के लिए आइए। वरना इसका कोई फायदा नहीं है। जिसे समझना है, वो खुद समझ जाएगा। वहीं, एक्ट्रेस के जवाब के बाद यूजर ने अपना कमेंट डिलीट कर दिया। हालांकि, तब तक उस कमेंट और मौनी के जवाब का एक स्क्रीनशॉट सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिस पर रिएक्ट करते हुए फैंस मौनी की तारीफ कर रहे हैं।

सीन में नाइट ड्रेस ज्यादा शॉर्ट थी तो सलमान ने कंबल ओढ़ाने का दिया आइडियाः डेजी

बॉलीवुड एक्ट्रेस डेजी शाह को एक्टर सलमान खान की फिल्म 'जय हो' में काम करने के बाद पहचान मिली थी। हाल ही में हाउटरफ्लाई से बातचीत में डेजी से पूछा गया कि सलमान सेट पर महिलाओं के लिए सुरक्षित माहौल कैसे बनाते हैं। जिस पर डेजी ने कहा कि सलमान खान मानते हैं कि उनकी फिल्मों में महिलाओं को सिर्फ शोपीस की तरह नहीं दिखाना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि उनके लिए लड़की को जितना ढकोगे, उतनी ही ज्यादा सुंदर दिखेगी। वहीं, फिल्म 'जय हो' की शूटिंग का एक किस्सा शेयर करते हुए डेजी ने बताया, मुझे याद है कि हम हैदराबाद की रामोजी फिल्म सिटी में शूट कर रहे थे, जहां मुझे एक आउटफिट पहनना था। उन्होंने आगे कहा, वो सुबह का एक सीन था, जिसमें मैं उठती हूं। उस वक्त मेरी ड्रेस उनको (सलमान) थोड़ी वियर्ड लगी। तब उन्होंने कहा कि इसको कंबल ओढ़ाओ। डेजी ने बताया कि मैं कंबल ओढ़कर न्यूजपेपर उठाती हूं। अगर लोग उस सीन को याद करेंगे, तो जान लेंगे। सीन में कंबल ओढ़ाने का आइडिया सलमान का था। उनको लगा कि वो नाइट ड्रेस थोड़ा ज्यादा शॉर्ट थी। इसलिए उन्होंने कहा था कि मुझे कंबल ओढ़ाओ। बता दें कि डेजी ने अपना करियर बतौर डांसर और मॉडल शुरू किया था। वह कोरियोग्राफर गणेश आचार्य की असिस्टेंट रह चुकी हैं। इसके बाद उन्होंने मॉडलिंग और फोटोशूट किए। 2011 में वो कन्नड़ फिल्म भद्रा और हिंदी फिल्म बॉडीगार्ड में नजर आईं। फिर डेजी ने 2014 में सलमान के साथ 'जय हो' में काम किया। इसके बाद वह 'हेट स्टोरी 3' में नजर आईं। बाद में उन्होंने 'आक्रमण', 'रमरतन' और 'रेस 3' जैसी फिल्मों में भी काम किया। वहीं, सलमान खान की बात करें तो वह अपने अगले प्रोजेक्ट 'बैटल ऑफ गलवान' की शूटिंग लद्दाख में शुरू कर दी है।

टाइगर श्रॉफ को एक्टिंग छोड़ देने की मिली सलाह, बेटे के सपोर्ट में उतरीं आयशा श्रॉफ

एक्टर टाइगर श्रॉफ जल्द ही फिल्म 'बागी-4' में दिखने वाले हैं। अपनी फिटनेस और डांस के लिए फेमस टाइगर को अक्सर एक्टिंग की वजह से ट्रोल किया जाता है। हाल ही में आर्य कोठरी नाम के कंटेंट क्रिएटर ने बॉलीवुड स्टार्स को लेकर एक वीडियो बनाया। वीडियो में टॉप 5 ऐसे एक्टर्स की लिस्ट थी, जिन्हें एक्टिंग छोड़ देनी चाहिए। इस लिस्ट में टाइगर का नाम भी शामिल था। ये बात एक्टर की मां आयशा श्रॉफ को अच्छी नहीं लगी और उन्होंने वीडियो पर मजेदार रिएक्शन दे दिया। वीडियो में दिखता है कि कंटेंट क्रिएटर आर्य डीजे अर्नव से पूछते हैं कि वो 5 टॉप एक्टर कौन हैं, जिन्हें एक्टिंग करनी बंद कर देनी चाहिए। जवाब में अर्नव सबसे पहले टाइगर श्रॉफ का नाम लेते हैं। फिर दोनों मिलकर उनकी पोजिशन नंबर दो रखते हैं। इसके बाद दोनों लिस्ट में वरुण धवन, सिद्धार्थ मल्होत्रा, आदित्य रॉय कपूर और अभिषेक बच्चन का नाम लेते हैं। हालांकि, अभिषेक को अप्रासंगिक बता कर दोनों लिस्ट से खारिज कर देते हैं। कंटेंट क्रिएटर के इस वीडियो पर जैसे ही आयशा श्रॉफ की नजर पड़ी उन्होंने बेटे के सपोर्ट में कमेंट कर दिया। अपने कमेंट में आयशा लिखती हैं- 'और तुम असल में कौन हो?' इसके साथ ही उन्होंने चार लाफ्टर इमोजी भी लगाई। आयशा के कमेंट को देखते-देखते टाइगर के फैंस का सपोर्ट मिलने लगा। कई फैंस ने वहां जाकर लिखा कि आपको अपने बेटे पर गर्व होना चाहिए।

'परिणीता' की शूटिंग में एक आंसू के लिए विद्या बालन ने 28 टेक दिए

बॉलीवुड एक्ट्रेस विद्या बालन की डेब्यू फिल्म 'परिणीता' अगले हफ्ते थिएटर्स में फिर से रिलीज हो रही है। विद्या ने इस फिल्म से बॉलीवुड में शुरूआत की थी। फिल्म को दिवंगत प्रदीप सरकार ने डायरेक्ट किया था। शूटिंग के दौरान अपने अनुभव को शेयर करते हुए विद्या ने बताया कि प्रदीप सरकार ने शूटिंग के दौरान हर छोटी-छोटी डिटेल पर ध्यान दिया था। PTI से विद्या ने कहा, दादा (प्रदीप सरकार) मेरे शुरूआती सालों में सीखी हर चीज की नींव थे। उनका ध्यान हर छोटी-छोटी डिटेल पर शानदार था। वह सिर्फ एक्टिंग के लिए नहीं बल्कि कबूतर उड़ाने या खिड़की के बाहर पत्ते सही समय पर गिरने तक, सब पर ध्यान देते थे। उनका मानना था कि हर चीज में रिदम होता है। विद्या ने एक किस्सा शेयर करते हुए कहा, एक बार मुझे एक गाने में एक आंसू को सही लाइन के साथ परफेक्ट टाइम करने के लिए 28 बार री-टेक करना पड़ा।

25 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रही ट्रांसयूनियन सिबिल

मुंबई। भारत की अग्रणी इनसाइट्स और सूचना कंपनी ट्रांसयूनियन सिबिल, देश के क्रेडिट इकोसिस्टम में विश्वास कायम करने के 25 वर्ष पूरे होने का जश्न एक स्टोरीटेलिंग आधारित ब्रांड और उपभोक्ता जागरूकता अभियान के साथ मना रही है। ट्रांसयूनियन सिबिल के एमडी और सीईओ भावेश जैन ने कहा यह पड़ाव केवल समय का प्रतीक नहीं है, बल्कि उस विश्वास और असर का प्रमाण है जो हमने कमाया है। ट्रांसयूनियन सिबिल के अध्यक्ष वी. अनंतरामन ने कहा पिछले 25 वर्षों में ट्रांसयूनियन सिबिल भरोसे, पारदर्शिता और वित्तीय सशक्तिकरण का प्रतीक रहा है। पिछले 25 वर्षों से ट्रांसयूनियन सिबिल भारत के क्रेडिट इकोसिस्टम का आधार रहा है।

अनुव जैन के हिन्दी गाने 'अर्ज़-किया है' के साथ अपने संगीत के सफर को जारी रखा

मुंबई। कोक स्टूडियो भारत अपने तीसरे सीजन के पांचवें गाने 'अर्ज़-किया है' के साथ भारत की समृद्ध संगीत परंपराओं का जश्न मना रहा है। इस खूबसूरत हिंदी गीत में मशहूर सिंगर-सॉन्गराइटर अनुव जैन ने अपनी प्रतिभा दिखाई है। उन्होंने इस गाने को खुद लिखा, इसका कॉन्सेप्ट बनाया, संगीत दिया और इसे गाया भी है। यह गाना प्यार, दूरी और अनकहे जज्बातों की एक नाजुक कहानी बयां करता है। अनुव जैन ने दिल को छू लेने वाली कहानी कहने के अपने अनूठे अंदाज में इंतजार के पलों, खामोशी के बोझ और दिल की गहरी भावनाओं को बेहद खूबसूरती से व्यक्त किया है। 'अर्ज़.किया है' एक ऐसा गीत है जो दिल की बातें बड़ी साफगोई से पेश करता है। इसमें इंतजार, अधूरी बातें और दिल की उम्मीद को बेहद सरल और प्रभावशाली शब्दों में दिखाया गया है। इस गीत की धुन और संगीत भारतीय इलेक्ट्रॉनिक जोड़ी लॉस्ट स्टोरीज (ऋषभ जोशी) ने बहुत खूबसूरती से सजाया है, जिससे यह गाना दिल को छू जाता है।

टाटा म्युचुअल फंड की शाखा का स्थानांतरण

मुंबई। टाटा म्यूचुअल फंड ने शहर में निवेशकों को अधिक सुविधा देने के लिए अपनी भोपाल शाखा का स्थानांतरण किया है। 131/8 एमपी नगर जोन 2, झूमरवाला प्रगति पेट्रोल पंप के पास शाखा का उद्घाटन टाटा एसेट मैनेजमेंट के चीफ डिस्ट्रीब्यूशन एंड डिजिटल ऑफिसर, हेमंत कुमार ने किया। अब मध्य प्रदेश में टाटा म्यूचुअल फंड की चार शाखाएं हो चुकी हैं, जो 30.76 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की परिसंपत्तियों का प्रबंधन करती है।

पेश की रियलमी पी4 सीरीज

मुंबई। भारतीय युवाओं के सबसे लोकप्रिय स्मार्टफोन ब्रांड, रियलमी ने अपनी रियलमी पी4 सीरीज पेश करते हुए इसमें दो बेहतरीन स्मार्टफोन रियलमी पी4 प्रो और रियलमी पी4 लॉन्च किए। सीएमओ, फ्रैंसिस वोंग ने कहा इन स्मार्टफोंस में फ्लैगशिप इनोवेशन दिए गए हैं। यह सीरीज ऑलराउंडर फीचर्स के साथ ड्युअल चिप पॉवर्ड परफॉर्मेंस देती है। इसमें प्रो-गेड की इमेजिंग, सिनेमेटिक डिस्प्ले और पूरे दिन बेहतरीन प्रदर्शन करने वाली बैटरी दी गई है।

गणेश चतुर्थी के लिए लॉन्च किया विशेष स्टोर

इंदौर। अमेजन इंडिया ने अमेजन.इन पर विशेष गणेश चतुर्थी स्टोर की शुरुआत की घोषणा की। यह स्टोर ग्राहकों के लिए सोच-समझकर तैयार किए गए पर्यावरण अनुकूल और पारंपरिक त्योहार संबंधी आवश्यक वस्तुओं का संग्रह पेश करता है। स्टोर में मिट्टी के गणेश प्रतिमाओं और हस्तनिर्मित सजावट से लेकर त्योहारों के परिधान, पूजा सामग्री और मिठाइयाँ तक सब कुछ उपलब्ध है, ताकि उत्सव न केवल सहज बल्कि टिकाऊ भी बने। त्योहारों की सजावट के जरूरी आइटम्स पर 90% तक की छूट मिल रही है।

एम्पावरिंग आवर प्रोटेक्टर्स का आयोजन

भोपाल। सीडीएसएल इन्वेस्टर प्रोटेक्शन फंड ने अपनी पहल एम्पावरिंग आवर प्रोटेक्टर्स के तहत भोपाल में भारतीय सेना, बैरागढ़ और पुलिस प्रशिक्षण स्कूल के लिए निवेशक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। ये कार्यक्रम विशेष रूप से सशस्त्र बलों, पुलिस कर्मियों, सेवानिवृत्त सैनिकों और उनके परिवारों के बीच वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देने के लिए समर्पित थे। इन कार्यक्रमों में निवेश के मूल सिद्धांतों के साथ-साथ निवेश धोखाधड़ी से सुरक्षा पर भी गहराई से चर्चा की गई।

रवींद्र भवन में गुंजन फाउंडेशन ने किया 'गीत गुंजन' का आयोजन

चीफ इंजीनियर सुरों के साथ बोल पड़े... तेल मालिश... तेल मालिश...

भोपाल। यह एक अनोखी शाम थी... गुंजन फाउंडेशन की इस शाम में भोपाल विकास प्राधिकरण के चीफ इंजीनियर रह चुके राजीव जैन सुरों की तेल मालिश करने निकल पड़े तो सामने बैठे तमाम सुरीले श्रोताओं को उनका यह अंदाज इतना पसंद आया कि वे भी सुरों में सुर मिलाकर बोल पड़े तेल मालिश... तेल मालिश...।

यह सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा था... मध्यप्रदेश के इंजीनियर इन चीफ यानी सीएनसी रह चुके प्रभाकांत कटारे भी जोश में आ गए.... उनका अंदाज निराला था उनके लबों से जो शब्द निकले वह थे जीना यहां मरना यहां इसके सिवा जाना कहां... भोपाल के प्रसिद्ध गेस्ट्रोइंटोलॉजिस्ट डॉ संजय कुमार कहां पीछे रहने वाले थे... वह भी रफी साहब के नगमे ... आसमान से आया फरिश्ता के साथ मंच लूटकर चले गए।

सच ही है.. संगीत में जादू ही कुछ ऐसा है कि डाक्टर हो या फिर इंजीनियर... बिजनेस मैन हो या फिर प्रोफेशनल्स... सब एक दिन के लिए अपना सारा कामकाज छोड़कर बस संगीत की महफिल के मंच पर अवतरित हो गए थे.... इसके लिए उन्होंने साल भर भरपूर तैयारी भी की थी और उनके सुरों को तराशने वाले थे मध्यप्रदेश के प्रसिद्ध सूफी गायक और पदमश्री अनूप जलोटा के शिष्य कैलाश यादव। रविंद्र भवन में शाम 5 बजे शुरू हुई संगीत की यह महफिल रात 10 बजे तक थमने का नाम नहीं ले रही थी। उद्घोषक वद्र वास्ती एक एक करके गायकों को पुकारते जा रहे थे और विक्रम सिरमोलिया, राजकुमार सक्सेना, संजीव झा, संदीप, आनंद अनिल ओझा जैसे गुणी संगतकारों के सानिध्य में मनोज खरे के बेहतरीन ध्वनि संयोजन में एक दो नहीं पूरे 30 गानों के बाद ही इस महफिल को विराम मिल सका। 1960 से 1980 तक के दशक के सदाबहार फिल्मी गीतों से सजी इस शाम में प्रसिद्ध आर्थोपेडिक सर्जन डॉ शशांक अग्रवाल, रफी साहब की आवाज में पुकारता चला हूं मैं नगमा सुनाया तो बिजनेसमैन रंजीव साहनी का गीत फूल तुम्हें भेजा है खत में खूब पसंद किया गया। बिजनेसमैन मुरलीधन मोरंदानी ने मुकेश के गीत किसी की मुस्कुराहटों पे हो निसार गाकर माहौल को रोमांटिक बना दिया तो भोपाल की सीनियर गायनेकोलॉजिस्ट डॉ. संध्या गद्रे ने जब दीप जले आना गीत गाकर सबका मन मोह लिया। हमेशा की तरह लउनि के रिटायर्ड सीजीएम राकेश तिवारी ने अपनी आवाज में रफी साहब का गीत लिखे जो खत तुझे.. गाया तो हॉल में उपस्थित श्रोता उनकी आवाज में खो गए।

प्रदेश में सिलाई व्यवसाय को मिली नई उड़ान

मुंबई। आईसीआईसीआई बैंक से मिली वित्तीय सहायता ने ओंकारेश्वर के पास महिलाओं द्वारा संचालित एक स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) को उनकी छोटी-सी सिलाई गतिविधि को एक टिकाऊ व्यवसाय में बदलने में मदद की है। इससे गांव की महिलाओं को न सिर्फ आमदनी मिली है, बल्कि आत्मविश्वास भी बढ़ा है। गांव का जीवन पहले घरेलू कामकाज और दिहाड़ी मजदूरी के इर्द-गिर्द ही सीमित था। संसाधन कम थे और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होने की उम्मीद भी बहुत कम। बदलाव की शुरूआत अगस्त 2021 में हुई, जब कुछ महिलाएं मिलकर ओंकारेश्वर स्वयं सहायता समूह का गठन किया। पुरानी सिलाई मशीनों के सहारे महिलाओं ने सलवार सूट सिलना शुरू किया और आसपास के इलाकों से छोटे-छोटे ऑर्डर मिलने लगे।

मेड इन इंडिया सर्जिकल रोबोट यात्रा पहुंची मप्र

भोपाल। मंत्रा एम मेड इन इंडिया सर्जिकल रोबोट यात्रा को राजस्थान में सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद भारत की पहली मोबाइल टेली-रोबोटिक सर्जरी यूनिट अपने तीसरे चरण में भारत के दिल मध्य प्रदेश में पहुंच गई है, जहां भोपाल के एचईआर हॉस्पिटल में यूनिट का प्रदर्शन किया गया। डॉक्टर, मेडिकल के छात्र, हेल्थकेयर कर्मचारी एवं आम लोग बड़ी संख्या में यूनिट को देखने के लिए इकट्ठा हुए। यात्रा के पहले दिन मंत्राएम के साथ भोपाल की पहली टेलीसर्जरी को अंजाम दिया गया। यह प्रक्रिया डॉ. प्रिया भावे चित्तावर (रिप्रोडक्टिव मेडिसिन, आईवीएफ), संस्थापक एवं मैनजिंग डायरेक्टर एचईआर हेल्थ हॉस्पिटल, भोपाल ने पूरी की। इस आयोजन ने रियल-टाइम, सर्जिकल सहयोग की बढ़ती व्यवहारिकता का प्रदर्शन किया।

सिंधिया घराने ने सत्रहवीं सदी में कराया था मंदिर निर्माण

पोहरी का इच्छापूर्ण गणेश मंदिर, जहां देश भर से आते हैं श्रद्धालु

कहा जाता है की आज भी रात में लगता है राजा का दरबार , सुनाई देती है घुंघरूओं की आवाज

पोहरी, ब्यूरो

जिले के पोहरी मुख्यालय के किले पर स्थित श्री इच्छापूर्ण गणेश मंदिर पर हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी गणेश चतुर्थी पर गणेश उत्सव का आयोजन कर विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम किए जाऐगे । इस इच्छापूर्ण गणेश मंदिर पर जो भी श्रद्धालु सच्चे मन से प्रार्थना कर नरियल रखता है तो निश्चित ही उसकी मनोकामना पूरी होती है। आपको बता दें कि इस मंदिर का निर्माण 1737 में सिंधिया राजघराने के पोहरी के जागीरदार बालाबाई शितोले सहाब ने किया था ये मंदिर 2100 वर्ष पुराना है। श्री गणेश जी की मूर्ति को पूना से लाकर स्थापित की गई थी। जिस जगह पर श्री गणेश जी की प्रतिमा स्थापित हुई है उस जगह राजा शितोले सहाव का तलघर हुआ करता था जिसमें खजाना रखा रहता था । सिंधिया घराने के जागीरदार राजा बालाबाई शितोले साहब को डर था कि कोई अचानक आक्रमण कर इस तलघर से खाजाने को लूट न ले जाए इसलिए इस तल?घर के ऊपर श्री गजानन की प्रतिमा स्थापित कर मंदिर का निर्माण कराया गया। यह मंदिर कॉंच के सीसे से बनाया हुआ अदभुत कारीगरी का नमूना लोगो को आकर्षित करता है वही जो भी भक्त गण सच्ची श्रद्धा के साथ अपनी मनोकामना लेकर आते हैं श्री इच्छापूर्ण गणेश जी उनकी मनोकामना पूरी करते हैं तथा मंदिर की देख रेख व पूजा अर्चना का काम विश्वनाथ खण्डालकर को सौपा गया तब से चार पीडियो से विश्वनाथ खंडालकर के वंशज पूजा अर्चना कर रहे है जिसमे प्रमुख रूप से अनिल खंण्डालकर व अजय खंण्डालकर है जो गणेश मंदिर की पूजा अर्चना कर रहे है। गणेश जी का मंदिर किले के पुराने जमाने में स्थित कचेहरी के पास मौजूद है जहा पर राजा का दरबार सजा करता था व नाच गाना हुआ करता था। ऐसा कहा जाता है कि आज के समय मे भी रात के समय कुछ प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आज भी दरबार सजता है और घुंघरुओं की आवाज आज भी सुनाई देती है । कहा जाता है कि जिसने भी ये नजारा देखा वो मौत के मुँह मे समा गया।गणेश जी के दरबार में जो भी आया वो खाली हाथ नहीं लौटा है इसलिए उसको इच्छापूर्ण गणेश जी के नाम से भी जाना जाता है। यही पर जो भी भक्त सच्चे मन से प्रार्थना कर नारियल रखता है। उसकी निश्चित ही मनोकामना पूरी होती है ।इस गणेश मंदिर के दर्शनों के के लिए महाराष्ट्र, बम्बई दिल्ली जयपुर इन्दौर, कलकत्ता, ग्वालियर, झाँसी गुना, भोपाल श्योपुर शिवपुरी सहित दूर दूर से गणेश जी की महिमा के दर्शन कर अपनी मनोकामना पूरी करने आते है।

मामला ग्राम अगर्रा में मनरेगा की मजदूरी न देने का

जिला पंचायत सीईओ जैन की बड़ी कार्रवाई , ग्राम रोजगार सहायक को किया सेवा से बर्खास्त

भारमतमत रिपोर्टर/ शिवपुरी

विगत दिवस जिला पंचायत शिवपुरी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हिमांशु जैन द्वारा पोहरी जनपद के ग्राम अगर्रा के ग्राम रोजगार सहायक को बर्खास्त कर दिया गया ।उक्त ग्राम रोजगार सहायक सुरेंद्र कुमार वर्मा को पीएम जनमन आवास में मनरेगा की मजदूरी न देने के कारण बर्खास्त किया गया है। सेवा समाप्ति के आदेश में यह स्पष्ट उल्लेख किया गया है की रोजगार सहायक को विभाग द्वारा बार-बार निर्देशित करने और लगातार भुगतान करने संबंधी आदेश जारी होने के बावजूद उनके द्वारा 125 आवासों की मजदूरी जांच में भुगतान शून्य पाई गई ।उनके इस कार्य को पदीय कार्यों के तहत अनियमितता,लापरवाही स्वेच्छाचारिता का व्यवहार माना जाकर कदाचरण की श्रेणी में पाए जाने पर सेवा समाप्ति के आदेश जारी कर दिए गए।

कंट्रोल रूम में बस व ऑटो संचालकों को लेकर हुई बैठक

अब टिकट काउंटर से ही मिलेंगे यात्रियों को टिकट: आरटीओ रंजना सिंह

भारमतमत रिपोर्टर/ शिवपुरी

विगत दिवस शिवपुरी शहर में यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए कंट्रोल रूम में जिला परिवहन अधिकारी रंजना सिंह कुशवाहा, यातायात प्रभारी रणवीर सिंह यादव ,तहसीलदार तथा नगर पालिका सीएमओ के द्वारा एक बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें लिए गए प्रमुख निर्णय में यह तय किया गया कि आगामी दिनों में बस स्टैंड पर टिकट काउंटर बनाया जाएगा जिससे यात्रियों को टिकट लेने में असुविधा ना हो। साथ ही सभी बसों में सीसीटीवी कैमरे लगाना तथा पोहरी बायपास बस स्टैंड और ग्वालियर बायपास पर नगर पालिका को शौचालय बनाए जाने हेतु निर्देशित किया गया । अब से सभी बसें केवल बस स्टैंड पर ही रुकेंगी इसके अलावा गुना या ग्वालियर बायपास पर भी उनका स्टॉपेज रहेगा। इसके अलावा रास्ते में कहीं रुकने पर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी । इसी तरह खराब बसों को बस स्टैंड में खड़ा करने पर अथवा नगर पालिका क्षेत्र में किसी भी बस के 40 किलोमीटर प्रति घंटा से अधिक की स्पीड पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी। यदि कोई ड्राइवर नशे में पाया गया तो उसका ड्राइविंग लाइसेंस निरस्त किया जाएगा साथ ही बिना परमिट के बस चलाई जाने पर ?1000 प्रति सीट का जुर्माना किया जाएगा। किसी भी बस में दिव्यांग के सफर करने पर उसे टिकट में 50त्न छूट देना अनिवार्य होगा। सभी ऑटो संचालकों को निर्देशित किया गया है केवल नगरपालका क्षेत्र में ही ऑटो चला सकेंगे ।इसके अलावा सभी बस व ऑटो ड्राइवर अपनी वर्दी में रहे और वर्दी पर उनके नाम की नेम प्लेट होना भी अनिवार्य है।

एसडीओपी की सख्ती के बाद ट्रेफिक व्यवस्था हो रही है बहाल

करैरा में ट्रैफिक जाम को लेकर थाना प्रभारी को उतरना पड़ा सड़को पर

करैरा, ब्यूरो

करैरा शहर में लंबे समय से ट्रैफिक जाम की समस्या आमजन के लिए परेशानी का सबब बनी हुई थी। इस संबंध में लगातार शिकायतें एसडीओपी आईपीएस डॉ. आयुष जाखड़ को प्राप्त हो रही थीं। सबसे अधिक खराब स्थिति पुलिस सहायता केंद्र के आसपास थी, जहां अनियंत्रित बसों और सड़क पर खड़े ठेलों के कारण जाम के हालात बने रहते थे। स्थानीय लोगों की शिकायतों का संज्ञान लेते हुए आज करैरा थाना प्रभारी विनोद छावई ने स्वयं मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया और जाम को हटवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

थाना प्रभारी ने पुलिस सहायता केंद्र के पास खड़ी बसों को सख्त चेतावनी दी कि इस क्षेत्र में जाम की स्थिति बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने बस चालकों को निर्देश दिए कि बसें यहां खड़ी न की जाएं और सड़क को अवरुद्ध करने से बचें। साथ ही, सड़क किनारे अव्यवस्थित रूप से खड़े ठेलों को भी व्यवस्थित ढंग से साइड में लगवाने के लिए कहा गया। थाना प्रभारी ने स्पष्ट चेतावनी दी कि अब से ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की जाएगी और सड़क पर जाम की स्थिति को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

स्थानीय निवासियों ने इस कार्रवाई से राहत की सांस ली है। लंबे समय से जाम की समस्या से जूझ रही जनता को पहली बार इस तरह की राहत मिली है। लोगों का कहना है कि ट्रैफिक जाम के कारण उन्हें अपने गंतव्य तक पहुंचने में देरी होती थी, जिससे दैनिक जीवन प्रभावित हो रहा था। खासकर स्कूल जाने वाले बच्चों, नौकरीपेशा लोगों और व्यापारियों को इस समस्या से सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ता था।

जनता ने मांग की है कि इस तरह की सख्ती प्रतिदिन जारी रहे, ताकि ट्रैफिक व्यवस्था सुचारू बनी रहे और लोग समय पर अपने गंतव्य तक पहुंच सकें। थाना प्रभारी विनोद छावई ने आश्वासन दिया है कि पुलिस प्रशासन इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए प्रतिबद्ध है और भविष्य में भी ऐसी कार्रवाई जारी रहेगी। स्थानीय लोगों ने प्रशासन के इस कदम की सराहना की एवं इस तरह की कार्रवाई चलती रहना चाहिए।

नपा शिवपुरी में चल रही ड्रामेबाजी अब अंतिम दौर में * उपाध्यक्ष पति के पाला बदलने से नाराज हुए बागी पार्षद

दो फाड़ हुआ अध्यक्ष विरोधी खेमा, रामजी व्यास ने कलेक्टर को दिया अविश्वास प्रस्ताव वापसी का आवेदन

भारमतमत रिपोर्टर/ शिवपुरी

विगत 3 माह से शिवपुरी नगर पालिका में चल रही ड्रामेबाजी अब अपने अंतिम दौर में पहुंचती दिखाई दे रही है। विगत दिवस कलेक्टर के सामने हस्ताक्षर सत्यापन के दौरान नगर पालिका अध्यक्ष को हटाने की मांग करने वाले बागी पार्षद ही दो दलों में बटे दिखाई दिए ।अब तक इन पार्षदों का नेतृत्व कर रही उपाध्यक्ष सरोज व्यास अपने पति राम जी व्यास के साथ जिला कलेक्टर कार्यालय तक पहुंची लेकिन जहां 18 पार्षदों ने कलेक्टर के सामने हस्ताक्षर सत्यापन किया वही उन्होंने इस प्रक्रिया में भाग नहीं लिया ,बल्कि डेढ़ घंटे बाद पुनह अपने पति के साथ कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर अन्य दो पार्षदों के साथ अविश्वास प्रस्ताव वापसी का आवेदन कलेक्टर को सौंप दिया। इस बात की भनक लगते ही अब तक उनके साथ रहे सभी पार्षदों में आक्रोश व्याप्त हो गया और सभी ने उनके इस कदम की निंदा की।दरअसल नगर पालिका अध्यक्ष गायत्री शर्मा के खिलाफ बगीचा सरकार हनुमान मंदिर में कसम खाकर आए सभी बागी पार्षदों को अविश्वास प्रस्ताव लाने की बात पर कलेक्टर रविंद कुमार चौधरी ने 25 अगस्त को हस्ताक्षर सत्यापन के लिए बुलाया था,जहां उपाध्यक्ष सहित 19 पार्षद लगभग 2:30 बजे दोपहर में कलेक्ट्रेट पहुंचे लेकिन इनमें से 18 पार्षदों ने हस्ताक्षर सत्यापित कराए जबकि नगर पालिका उपाध्यक्ष श्रीमती सरोज राम जी व्यास गाड़ी में ही बैठी रही और उन्होंने इस प्रक्रिया में भाग नहीं लिया। बाद में लगभग 5:30 बजे राम जी व्यास पार्षद ताराचंद राठौर पार्षद पति इस्माइल खान के साथ वापस कलेक्ट्रेट पहुंचे और कलेक्टर को अविश्वास प्रस्ताव वापसी के लिए हस्ताक्षर युक्त आवेदन सौंप दिया। उनकी इस कार्रवाई से नगर पालिका अध्यक्ष के खिलाफ अब तक मोर्चा खोले बैठे सभी पार्षदों का यह दल अब दो धड़ों में बांटा दिखाई देने लगा है। जिससे यह भी साफ हो गया कि अब नगर पालिका अध्यक्ष को हटाने वाली प्रक्रिया ज्यादा दिन नहीं चल पाएगी क्योंकि राजनीतिक गलियारों में भी अब यह चर्चा शुरू हो गई है की बागी पार्षदों की संख्या अब दो धड़ों में बंटने के कारण काफी कम रह गई है।इसलिए यह प्रक्रिया अब अपने अंतिम दौर में है,और चंद्र दिनों में ही अध्यक्ष विरोध की लहर भी समाप्त हो जाएगी।

राम जी, तूने बड़ा दुख दीन्हा

कल चले नाटकीय घटनाक्रम के बाद जहां इतने दिनों से परेशान चल रही नगरपालिका अध्यक्ष गायत्री शर्मा ने चैन की सांस ली होगी वहीं दूसरी ओर अब तक उनका विरोध कर रहे बाकी पार्षदों के धड़े में बेचैनी फैल गई है ।ऐसा माना जा रहा था कि इस धड़े का नेतृत्व ही उपाध्यक्ष राम जी व्यास कर रहे थे लेकिन अब उनके ही यू टर्न लेने से यह कार्रवाई धराशाई होती दिखाई दे रही है ।और बागी पार्षद यहां वहां यह कहते दिखाई दे रहे हैं की राम जी तूने बड़ा दुख दीना । उधर सोशल मीडिया पर भी राम जी व्यास के पक्ष बदलने पर उनकी अच्छी खासी खिंचाई हो रही है।

ऐसा ही चला तो उपाध्यक्ष के खिलाफ भी अविश्वास प्रस्ताव लाना पड़ेगा: राजू गुर्जर

इस पूरी प्रक्रिया के संदर्भ में जब वरिष्ठ पार्षद राजू गुर्जर से बात की गई तो उन्होंने साफ कहा कि कलेक्टर द्वारा हस्ताक्षर सत्यापन के लिए बुलाए जाने पर हम 19 लोगों ने उपस्थिति दर्ज कराई थी जिनमें से 18 ने हस्ताक्षर सत्यापन कराया लेकिन उपाध्यक्ष द्वारा इस प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया और मीडिया से सुनने में यह आया है की उनके द्वारा अविश्वास प्रस्ताव वापसी हेतु आवेदन किया गया। हालांकि हम सभी लोगों की ओर से ऐसा कोई निर्णय नहीं लिया गया है और ना ही कोई आवेदन दिया गया है इसके बावजूद यदि किसी व्यक्ति द्वारा ऐसा किया गया है तो यह कूट रचित और पूर्ण रूप से फर्जी आवेदन है। जिसका जिला कलेक्टर को स्वतह संज्ञान लेकर इस आवेदन का भी सत्यापन कर लेना चाहिए। जब पत्रकारों ने राजू गुर्जर से उपाध्यक्ष द्वारा यू टर्न लेने पर सवाल किया तो राजू गुर्जर ने साफ शब्दों में यह भी कहा कि यदि उनके द्वारा अविश्वास प्रस्ताव वापसी का आवेदन दिया गया है तो यह पूरी तरह हम लोगों के साथ किया गया छल कपट होगा और ऐसे में हम सभी पार्षद उपाध्यक्ष के खिलाफ भी अविश्वास प्रस्ताव लाने के लिए मजबूर होंगे ।उन्होंने कहा कि हम सभी दायरे में रह कर नियम अनुसार हमें दिए गए अधिकार राइट टू रिकॉल का पालन कर रहे हैं। हम किसी भी तरह का कदाचरण नहीं कर रहे और नगर पालिका का संविधान हमें जो अधिकार देता है हम केवल उसी का पालन कर रहे हैं।

इनका कहना है

यह पहले ही तय हो गया था कि अविश्वास प्रस्ताव वापस लेकर सभी बागी पार्षद इस्तीफा देंगे ।सभी ने इस्तीफे से संबंधित पत्र भी हस्ताक्षर सहित बनवा लिए थे ।जिसका पीडीएफ बनाकर भाजपा जिला अध्यक्ष की ओर भेज दिया गया था ।इस संदर्भ में ओमी जैन से भी बात हो चुकी थी लेकिन बाद में तय की गई बातचीत के अनुसार कार्रवाई नहीं की गई। इसके बाद मैं पार्षद तारा राठौर और पार्षद पति इस्माइल के साथ अविश्वास प्रस्ताव वापसी का आवेदन कलेक्टर को सौंप आया।

राम जी व्यास ,उपाध्यक्ष सरोज व्यास के पति।

चन्द्रभान सिंह यादव तहसील अध्यक्ष, दिलीप वर्मा सचिव एवं राजेश सैन बने तहसील कोषाध्यक्ष

मप्र राज्य कर्मचारी संघ बैराड़ की तहसील कार्यकारिणी गठित

बैराड़, ब्यूरो

देश हित को सर्वोपरि रखते हुए कर्मचारी हितों के लिए संघर्षशील, शासन से मान्यता प्राप्त राज्य कर्मचारी संघ द्वारा तहसील एवं ब्लॉक कार्यकारिणियों का गठन किया जा रहा है। जिस क्रम में गत दिवस बैराड़ के लॉर्ड लखेश्वर हायर सेकेण्डरी स्कूल में बैराड़ तहसील कार्यकारिणी का गठन राज्य कर्मचारी संघ के जिला संयोजक राजेन्द्र पिपलौदा, राजपत्रित अधिकारी संघ के जिलाध्यक्ष कौशल गौतम, कार्यवाहक सचिव राजकुमार सरैया, कार्यकारिणी सदस्य राजीव पुरोहित, बैराड़ संकुल केन्द्र के प्राचार्य दिनेश यादव की उपस्थिति में हुआ। बैठक का शुभारंभ माँ भारती एवं माँ सरस्वती की प्रतिमा की पूजा अर्चना कर किया गया। पोहरी ब्लॉक अध्यक्ष अमरसिंह कुशवाह एवं तहसील अध्यक्ष संजय त्रिवेदी द्वारा बैराड़ तहसील कार्यकारिणी गठन की प्रक्रिया प्रारंभ की गई। जितेन्द्र सिंह दिवाकर द्वारा समिति के गठन हेतू अभ्यार्थियों के आवेदन प्रस्तावकों एवं समर्थकों सहित लिए गये। जिसमें निर्विरोध बैराड़ तहसील अध्यक्ष चन्द्रभान सिंह यादव, सचिव दिलीप धाकड़, कोषाध्यक्ष राजेश सैन, उपाध्यक्ष हरीसिंह तोमर, रामनरेश कौशल, सुगर सिंह यादव, जसराम वर्मा, महेश रावत, सह सचिव हुकुम सिंह खंगार, मनीराम वघेल, संगठन मंत्री सुरेश जाटव, सह संगठन मंत्री रामहेत यादव, कार्या.मंत्री रामसिंह जाटव, सह कार्या.मंत्री महेश बाथम, सदस्य कुलदीप वर्मा, गीता जाटव, नेहा शर्मा आदि नियुक्त हुये। सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों ने संघ को आश्वस्त किया है कि सदैव देश,संघ एवं कर्मचारी हित में पूर्ण ईमानदारी एवं निष्ठा के साथ कार्य करते रहेंगे। बैठक में उपस्थित सभी शासकीय सेवकों द्वारा नवनियुक्त पदाधिकारियों को पुष्प माला पहनाकर बधाईयॉ प्रेषित की गई। बैठक में प्रमुख रूप से राजेन्द्र सिंह धाकड़,भंवर सिंह धाकड़, विनोद कुमार शर्मा, सोवरन सिंह यादव, रामेश्वर दयाल कुशवाह, मलखान सिंह यादव, राजेन्द्र प्रसाद धाकड़, बाईसराम जाटव, रघुवीर सिंह जाटव, सुरेन्द्र सिंह जाटव, रामप्रकाश जाटव, रामकिशोर भदौरिया, गिर्राज यादव, सतीष शर्मा, लवकुश यादव, महेश सिंह यादव, गजुआराम जाटव, नंदराम जाटव, हुकुम सिंह खंगार, मोहर सिंह, सुघर सिंह यादव, रामहेत सिंह यादव, कौशल किशोर योगी, दिनेश कुमार शर्मा, राजकुमार सिंह जादौन, धर्मेन्द्र सिंह जादौन, आदि उपस्थित थे।

कर्मचारी नेता और लेखक मदनमोहन शर्मा शाही की 39 वीं पुण्यतिथि मनाई जाएगी

भारमतमत रिपोर्टर/ शिवपुरी

मध्य प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ एवं कर्मचारी भवन ट्रस्ट के पूर्व अध्यक्ष, जुझारू एवं कर्मठ कर्मचारी नेता, प्रखर वक्ता समाजसेवी, विद्वान साहित्यकार स्वर्गीय मदन मोहन शर्मा शाही की 39 वीं पुण्यतिथि कर्मचारी भवन पर दिनांक 27 अगस्त 2025 को प्रातः काल 7.30 बजे से पुष्पांजलि एवं श्री राम शरणम संस्था द्वारा अमृतवाणी पाठ के साथ शुरू यह कार्यक्रम कर्मचारी भवन ट्रस्ट की ओर से आयोजित किया जाएगा। ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री गोकुल प्रसाद दुबे ने संचालक मंडल के समस्त सदस्य, मध्य प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ की जिला शाखा शिवपुरी के अध्यक्ष कपिल दुबे, प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन की जिला शाखा शिवपुरी के अध्यक्ष अशोक सक्सेना और डॉ बीके शर्मा ने समस्त कर्मचारी बंधुओं एवं पेंशनर्स से आयोजित कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में सम्मिलित होने की अपील की है।

वन परिक्षेत्र पिछोर में अवैध उत्खनन पर कार्यवाही

भारमतमत रिपोर्टर/ शिवपुरी

शिवपुरी-सामान्य वनमण्डल शिवपुरी के अन्तर्गत वन परिक्षेत्र पिछोर में अवैध उत्खनन एवं परिवहन की गतिविधियों पर नियंत्रण के लिए प्रभावी कार्यवाही की गई। वनमण्डलाधिकारी सुधांशु यादव के निर्देशन तथा उप वनमण्डलाधिकारी करैरा आदित्य शांडिल्य के मार्गदर्शन में वन परिक्षेत्राधिकारी पिछोर ऋषभ बिसारिया एवं उनकी टीम द्वारा रात्रि गश्त की गई। गश्त के दौरान बीट पुरा क्षेत्र से एक आयशर 380 ट्रैक्टर, एक लोहे की टायर वाली गाड़ी एवं एक टर्बो गाड़ी, जिनमें पत्थर फर्सी भरे हुए थे, अवैध उत्खनन एवं परिवहन करते पकड़े गए। वहीं बीट चरकोला-बी में एक पावरट्रेक ट्रैक्टर को पत्थर फर्सी से भरी गाड़ी सहित जप्त किया गया। सभी वाहनों को जप्त कर वन अपराध प्रकरण दर्ज किया गया है। वनमण्डलाधिकारी श्री यादव ने क्षेत्र के ग्राम वासियों से अपील की है कि वे वन सुरक्षा में सहयोग प्रदान करें तथा किसी भी अवैध गतिविधि की सूचना तत्काल वन विभाग को दें, जिससे समय पर कार्यवाही कर अपराधों पर नियंत्रण स्थापित किया जा सके।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक अरुण श्रीवास्तव, द्वारा भारतमत प्रेस बी-15, एमपी नगर, भोपाल से मुद्रित एवं 23-24 सतपुड़ा वाणी परिसर, इंदिरा प्रेस कॉम्पलेक्स जोन-1 एमपी नगर भोपाल से प्रकाशित RNI Redg. No.MPHIN/2009/38556 संपादक- अरुण श्रीवास्तव, स्थानीय संपादक-शुभकरण पाण्डे, 0755-4903227, 09425675273